सोशल मीडिया से जुड़ें
Parivehan_Vishesh
YouTube

RNI No :- DELHIN/2023/86499
DCP Licensing Number : F.2 (P-2) Press/2023

www.newsparivahan.com

परिवहन विशेष

वर्ष 02, अंक 290, नई दिल्ली । रविवार, 29 दिसम्बर 2024, मूल्य ₹ 5, पेज 8

देश का पहला ट्रांसपोर्ट दैनिक समाचार पत्र

आज का सुविचार

अगर भाग्य पर भरोसा है तो जो तकदीर में लिखा है वही पाओगे, और अगर खुद पर भरोसा है तो जो चाहोगे वही पाओगे।

03 महिला सम्मान योजना पर उपराज्यपाल की आपत्ति
06 मार्गदर्शन की आवश्यकता/क्षेत्र, सिद्धांत, परामर्श के उद्देश्य
08 पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह के निधन पर शोक

परिवहन आयुक्त के आदेश से उत्पन्न व्यवसायिक गतिविधि के वाहनो की जांच में आ रही परेशानी का कौन निकलवाएगा हल

संजय बाटला

नई दिल्ली। दिल्ली के व्यवसायिक वाहन मालिकों को आखिर क्यों कर रहे हैं परिवहन आयुक्त परेशान और क्यों नहीं कोई करवा रहा समाधान।

आखिर क्यों

1. मुख्य सचिव,
2. मंत्री परिवहन,
3. मुख्यमंत्री दिल्ली,
4. आम आदमी पार्टी,
5. भाजपा,
6. कांग्रेस
7. उपराज्यपाल दिल्ली
8. परिवहन मंत्री भारत सरकार,
9. गृह मंत्री भारत सरकार
10. प्रधानमंत्री भारत सरकार

मोटर वाहन नियम/ अधिनियम के अंतर्गत और दिल्ली में व्यवसायिक गतिविधि के वाहनो में कार्यरत वाहन मालिकों के साथ दिल्ली की जनता को वाहनों की बिना कारण हो रही कमी के समाधान के लिए आयुक्त को निर्देश क्यों जारी नहीं कर रहे।

क्या राजनीतिक पार्टियों को आने वाले इलेक्शन में परिवहन क्षेत्र से जुड़े व्यवसायियों, कर्मचारियों और उनके पारिवारिक एवं संबंधित लोगों की कोई आवश्यकता नहीं है ?

क्या राजनीतिक दलों को जानकारी है की दिल्ली में परिवहन क्षेत्र से जुड़े कितने प्रतिशत वोट हैं ?

क्या राजनीतिक दल अग्रेजों की नीति फूट डालो और शासन करो की नीति परिवहन क्षेत्र में जुड़े लोगों पर करके राजनीति करना चाहते है ?

दिल्ली में परिवहन क्षेत्र के व्यवसाय में जुड़े व्यवसायियों और कर्मचारियों ने अगर अपनी एकता दिखा दी तो सभी राजनीतिक दलों के लिए परेशानी उत्पन्न हो जाएगी यह बात सो प्रतिशत पक्की है।

परिवहन आयुक्त दिल्ली द्वारा दिए गए सभी मोटर वाहन नियम अधिनियम के बाहर के गलत आदेशों को तुरन्त वापिस करवाकर दिल्ली के व्यवसायिक क्षेत्र में जुड़े व्यवसायियों और कर्मचारियों को उत्पन्न परेशानियों से मुक्त करवाया जाए।

टेंपल्स ऑफ लिबरलाइजेशन एंड वेलफेयर एलाइड ट्रस्ट (पंजीकृत)
TOLWA
website : www.tolwa.in
Email : tolwadelhi@gmail.com
bathlasanjaybathla@gmail.com
रजिस्टर्ड अंडर सैक्शन 60 विद रजिस्ट्रेशन नंबर (152/02-03-2020), एमएसएमई रजिस्ट्रेशन नंबर उद्यम -डीएल -0026470, नीति आयोग रजिस्ट्रेशन नंबर वीओ/एनजीओ/0303274/25-01-2022 दर्पण
रजिस्टर्ड कार्यालय :- 3, प्रियदर्शिनी अपार्टमेंट, ए -4 पश्चिम विहार, न्यू दिल्ली 110063
कॉरपोरेट कार्यालय :- 529, समयपुर, मेंन बवाना रोड, नियर बैंक ऑफ़ बड़ौदा दिल्ली 110042

31 दिसंबर की रात 8 बजे से कनॉट प्लेस में प्रवेश पर रहेगा प्रतिबंध, दिल्ली पुलिस ने जारी की एडवाइजरी

परिवहन विशेष न्यूज

नई दिल्ली। नए साल के चलते कनॉट प्लेस में 31 दिसंबर की रात आठ बजे के बाद वाहनों के प्रवेश पर प्रतिबंध रहेगा। दिल्ली में जगह-जगह होने वाले नववर्ष के आगमन की तैयारियों को देखते हुए यातायात पुलिस ने भी अपने स्तर से यातायात व्यवस्था को बेहतर करने के लिए तैयारी कर ली है। कई स्थानों पर वाहनों को प्रवेश नहीं मिलेगा, तो कई मार्गों पर डायवर्जन होगा। इसके अलावा कई मार्केट और मार्गों पर वाहनों को खड़ा करने या रोकने की अनुमति नहीं होगी।

स्पेशल सीपी ट्रैफिक जोन-2 अजय चौधरी ने बताया कि पूरी दिल्ली के लिए ट्रैफिक पुलिस ने तैयारी की है। जश्न के माहौल में हुड़दंग मचाने वाले और ट्रैफिक नियमों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ कार्रवाई के लिए जगह-जगह यातायात पुलिसकर्मी तैनात रहेंगे। वहीं शराब पीकर वाहन चलाने वालों के खिलाफ विशेष अभियान चलाया जाएगा। यातायात पुलिस द्वारा की जाने वाली ये व्यवस्थाएं 31 दिसंबर की रात आठ बजे से लागू हो जाएंगी।

कनाट प्लेस में किसी भी प्रकार के वाहनों का नहीं होगा प्रवेश

कनाट प्लेस की ओर जाने वाले वाहनों को मंडी हाउस, बंगाली मार्केट, रंजीत सिंह फ्लाईओवर, मिंटो रोड - दीनदयाल उपाध्याय मार्ग क्रासिंग, मुंजे चौक, चेम्सफोर्ड रोड, आरके आश्रम मार्ग-चित्रगुप्त मार्ग क्रासिंग, गोल मार्केट, जीपीओ नई दिल्ली, पटेल चौक, कस्तूरबा गांधी रोड-फिरोजशाह रोड क्रासिंग, जय सिंह रोड-बंगला साहिब लेन और विंडसर प्लेस से आगे आने की अनुमति नहीं होगी। वहीं कनाट प्लेस के आंतरिक, मध्य या बाहरी सर्कल में किसी भी प्रकार के वाहनों के आवागमन की अनुमति नहीं होगी।

कनॉट प्लेस आने वाले लोगों के लिए यहां होगी पार्किंग की सुविधा

गोल डाकखाना के पास

काली बाड़ी मार्ग

पंडित पंत मार्ग

भाई वीर सिंह मार्ग

आकाशवाणी के पीछे रकाब गंज रोड पर पटेल चौक के पास।

बड़ौदा हाउस तक कोपर्निकस मार्ग पर मंडी हाउस के पास।

मिंटो रोड पर दीन दयाल उपाध्याय मार्ग और प्रेस रोड क्षेत्र।

पंचकुइयां रोड पर आरके आश्रम मार्ग, चित्रगुप्त रोड और बसंत रोड पहाड़ गंज की ओर।

केजी मार्ग पर फिरोजशाह रोड के पास और केजी मार्ग से सी हेक्सागन तक।

विंडसर प्लेस के पास

राजेंद्र प्रसाद रोड

रायसीना रोड

दक्षिणी दिल्ली से ऐसे पहुंच सकेंगे नई दिल्ली रेलवे स्टेशन

राम मनोहर लोहिया पार्क स्ट्रीट, मंदिर मार्ग, रानी झांसी रोड, झंडेवालान, देशबंधु गुप्ता रोड।

जीपीओ, काली बाड़ी मार्ग, मंदिर मार्ग, रानी झांसी रोड, झंडेवालान, देशबंधु गुप्ता रोड।

विंडसर प्लेस, फिरोजशाह रोड, मंडी हाउस, डब्ल्यू-पाइंट- ए-पाइंट, डीडीयू मार्ग, बीएचएवी भूती मार्ग।

कनाट प्लेस, चेम्सफोर्ड रोड से प्रवेश वर्जित होगा।

वाहन चालक अजमेरी गेट के दूसरे गेट से एंट्री ले सकते हैं। वे पहाड़गंज शीला सिनेमा होते हुए या फिर जेएलएन मार्ग की ओर से बहादुरशाह जफर मार्ग (दिल्ली गेट) जवाहरलाल नेहरू मार्ग होते हुए अजमेरी गेट से होकर स्टेशन तक पहुंच सकते हैं।

उत्तर से दक्षिणी की तरफ जाने वाले चालक इन मार्गों का करें प्रयोग

आइएसबीटी से आश्रम तक रिंग रोड

दिल्ली गेट, बहादुरशाह जफर मार्ग, मथुरा रोड से होकर आश्रम तक

आइएसबीटी, रानी झांसी मार्ग, पंचकुइयां रोड, मंदिर मार्ग, पार्क स्ट्रीट, मदर टेरेसा क्रीसेंट रोड

रानी झांसी मार्ग, पंचकुइयां रोड, हनुमान मूर्ति से होकर रिंग रोड।

पूर्व से पश्चिम के बीच उपयुक्त मार्ग

रिंग रोड, भैरों रोड, मथुरा रोड, सुब्रमण्यम भारती मार्ग, मदर टेरेसा क्रिसेंट, आरएमएल, पार्क स्ट्रीट, शंकर रोड।

पीएम मोदी दिल्ली-मेरठ आरआरटीएस के आनंद विहार और न्यू अशोक नगर स्टेशनों का करेंगे उद्घाटन

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी रविवार को दिल्ली-मेरठ रीजनल रैपिड ट्रांजिट सिस्टम (आरआरटीएस) के आनंद विहार और न्यू अशोक नगर स्टेशन का उद्घाटन करेंगे। सुरक्षा के लिए पूर्वी जिला पुलिस ने आठ मोटर बोट मांगी हैं। नमो भारत ट्रेन का पहला चरण 20 अक्टूबर 2023 को साहिबाबाद से दुहाई डिपो के बीच शुरू हुआ था। वर्तमान में यह ट्रेन साहिबाबाद से मेरठ साउथ तक 42 किलोमीटर की यात्रा तय कर रही है।

पूर्वी दिल्ली। दिल्ली विधानसभा चुनाव का एलान कभी भी हो सकता है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी रविवार को दिल्ली-मेरठ रीजनल रैपिड ट्रांजिट सिस्टम (आरआरटीएस) के आनंद विहार और न्यू अशोक नगर के स्टेशन का उद्घाटन करेंगे।

दिल्ली पुलिस व प्रशासन तैयारियों में जुटा हुआ है। पूर्वी जिला पुलिस ने सुरक्षा को मजबूत करने के लिए जिला प्रशासन को पत्र लिखकर आठ मोटर बोट मांगी है।

मोदी आनंद विहार के रास्ते न्यू अशोक नगर स्टेशन तक जाएंगे

पुलिस ने बताया कि प्रधानमंत्री रविवार सुबह हिंडन एयरपोर्ट पहुंचेंगे। वहां से साहिबाबाद आरआरटीएस स्टेशन जाएंगे। यहां से नमो भारत ट्रेन से आनंद विहार के रास्ते न्यू अशोक नगर स्टेशन जाएंगे। 11 बजे वहां पहुंचकर उद्घाटन करेंगे।

पुलिस ने पूर्वी जिला प्रशासन को पत्र लिखकर मांगी आठ मोटर बोट

इसके बाद खेल गांव जाएंगे, वहां से हेलीकॉप्टर से पश्चिमी दिल्ली जाएंगे। न्यू अशोक नगर स्टेशन के पास यमुना है। दिल्ली पुलिस ने पूर्वी जिला प्रशासन को पत्र लिखकर आठ मोटर बोट मांगी है।

इन मोटर बोट से यमुना व कोंडली नहर में गश्त किया जाएगा। प्रशासन का कहना है शानिवार को मोटर बोट पुलिस को दे दी जाएंगी।

दोनों स्टेशन मेट्रो से रहेंगे कनेक्ट

आरआरटीएस का आनंद विहार और न्यू अशोक नगर रेलवे स्टेशन मेट्रो से कनेक्ट रहेंगे। इस कारण न्यू अशोक नगर स्टेशन के रास्ते नोएडा के लोग भी नमो भारत ट्रेन का सफर करेंगे। इन दोनों स्टेशनों पर पार्किंग की व्यवस्था दी गई है।

एक वर्ष में इस तरह तय हुआ 42 किलोमीटर का सफर

20 अक्टूबर 2023 को नमो भारत ट्रेन का पहले चरण में हुआ था उद्घाटन।

पहले चरण साहिबाबाद से दुहाई डिपो के बीच 17 किलोमीटर ट्रेन चली।

छह मार्च 2024 को दुहाई से मोदीनगर नार्थ के बीच दूसरा चरण शुरू हुआ।

दूसरे चरण में दुहाई से मोदीनगर नार्थ तक 17 किलोमीटर का दायरा था।

18 अगस्त 2024 को मेरठ साउथ नमो भारत स्टेशन संचालित किया गया।

वर्तमान में नमो भारत ट्रेन 42 किलोमीटर की यात्रा तय कर रही है।

साहिबाबाद से मेरठ साउथ तक नौ स्टेशनों के बीच ट्रेन चल रही है।

साहिबाबाद से न्यू अशोक नगर खंड को जोड़ने के लिए ट्रायल चल रहा है।

इसके बाद कुल 55 किलोमीटर के दायरे में यह ट्रेन चलेगी।

जून 2025 तक 82 किलोमीटर के इस कॉरिडोर काम पूरा हो जाएगा।

यात्री एक घंटे से भी कम समय में दिल्ली से मेरठ की यात्रा कर सकेंगे।

जम्मू-कश्मीर में प्रदूषण कम करने के लिए परिवहन सब्सिडी योजना शुरू: पुरानी गाड़ियों की जगह नई ईको-फ्रेंडली वाहनों पर जोर

इशिका मुख्य रिपोर्टर

श्रीनगर: जम्मू-कश्मीर सरकार ने प्रदूषण पर नियंत्रण पाने और परिवहन के क्षेत्र में सुधार लाने के लिए एक नई परिवहन सब्सिडी योजना की शुरुआत की है। इस योजना के तहत पुराने वाहनों को हटाकर पर्यावरण के अनुकूल नए वाहनों को बढ़ावा दिया जाएगा।

योजना का उद्देश्य

सरकार का मुख्य उद्देश्य प्रदूषण कम करना और सार्वजनिक परिवहन प्रणाली को अधिक प्रभावी, सुरक्षित और पर्यावरणीय रूप से अनुकूल बनाना है। इस योजना से न केवल प्रदूषण में कमी आएगी, बल्कि जनता को बेहतर परिवहन सुविधाएं भी मिलेंगी।

सब्सिडी योजना के प्रमुख बिंदु

1. वित्तीय सहायता: योजना के तहत सार्वजनिक परिवहन क्षेत्र के मालिकों को पुराने वाहनों को बदलने और नए वाहनों को खरीदने में वित्तीय सहायता दी जाएगी।

2. लाभार्थी वर्ग: योजना का लाभ मुख्य रूप से परिवहन क्षेत्र में काम करने वाले छोटे और मध्यम स्तर के वाहन मालिकों को दिया जाएगा।

3. प्राथमिकता: पुरानी गाड़ियों को हटाकर उनकी जगह ईंधन-कुशल और कम प्रदूषण करने वाले वाहनों को प्राथमिकता दी जाएगी।

4. वित्त पोषण: सरकार ने इस योजना के लिए विशेष फंड आवंटित किया है, जो परिवहन क्षेत्र में सुधार लाने में मदद करेगा।

पर्यावरण के प्रति जागरूकता बढ़ाना

जम्मू-कश्मीर के परिवहन मंत्री ने कहा कि यह योजना सरकार की पर्यावरणीय प्रतिबद्धता का हिस्सा है। उन्होंने बताया कि पुरानी गाड़ियों से न केवल वायु प्रदूषण होता है, बल्कि सड़क दुर्घटनाओं की संभावना भी बढ़ती है। इस योजना से परिवहन क्षेत्र को आधुनिक बनाने में मदद मिलेगी।

स्थानीय व्यापार और रोजगार को बढ़ावा

नई गाड़ियों की खरीदारी से स्थानीय व्यवसायों और रोजगार के अवसरों में भी बढ़ोतरी होगी। साथ ही, ईको-फ्रेंडली वाहनों के उपयोग से राज्य में पर्यावरण संरक्षण को भी मजबूती मिलेगी।

चुनौतियां और सरकार की रणनीति

इस योजना को लागू करने में कई चुनौतियां हो सकती हैं, जैसे कि वाहन मालिकों का पुराने वाहनों को छोड़ने में झिझकना और नए वाहनों की उच्च लागत। हालांकि, सरकार ने यह सुनिश्चित किया है कि सब्सिडी की प्रक्रिया सरल और पारदर्शी हो।

प्रदूषण मुक्त भविष्य की ओर कदम

यह योजना न केवल जम्मू-कश्मीर में प्रदूषण को कम करने में मदद करेगी, बल्कि देशभर के अन्य राज्यों के लिए एक आदर्श मॉडल साबित हो सकती है।

सरकार की इस पहल से पर्यावरण के प्रति जागरूकता बढ़ेगी और लोगों को बेहतर और सुरक्षित परिवहन सुविधाएं मिलेंगी। जम्मू-कश्मीर की यह योजना स्वच्छ और हरित भविष्य की ओर एक महत्वपूर्ण कदम है।

मुंबई एयरपोर्ट पर 16 घंटे से फंसे इंडिगो के 100 यात्री, फ्लाइट में आई तकनीकी खराबी

परिवहन विशेष न्यूज

मुंबई एयरपोर्ट पर शनिवार (28 दिसंबर) को घंटों से कई यात्री फंसे हैं। मुंबई से इस्तांबुल जाने वाले कम से कम 100 यात्री छत्रपति शिवाजी महाराज अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर फंसे हुए हैं। तकनीकी खराबी की वजह से इंडिगो की फ्लाइट रवाना नहीं हो पा रही है। एयरलाइन कंपनी ने इस घटना को लेकर यात्रियों से माफी मांगी।

नई दिल्ली। मुंबई से इस्तांबुल जाने वाले कम से कम 100 यात्री छत्रपति शिवाजी महाराज अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर फंसे हुए हैं। तकनीकी खराबी की वजह से इंडिगो की फ्लाइट रवाना नहीं हो पा रही है। पिछले 16 घंटों से यात्री एयरपोर्ट पर फ्लाइट रवाना होने का इंतजार कर रहे हैं।

इंडिगो फ्लाइट नंबर 6E17 को आज सुबह इस्तांबुल के लिए रवाना होना था। एयरलाइन ने जानकारी दी है कि वैकल्पिक फ्लाइट से यात्रियों को इस्तांबुल भेजा जाएगा। उड़ान रात 11 बजे रवाना होगी।

कंपनी ने यात्रियों से मांगी माफी

एयरलाइन कंपनी ने इस घटना को लेकर यात्रियों से माफी मांगी। एयरलाइन ने कहा, “हमें खेद है कि हमारी उड़ान 6E17, जो मूल रूप से मुंबई से इस्तांबुल के लिए संचालित होने वाली थी, तकनीकी समस्याओं के कारण विलंबित हो गई। दुर्भाग्य से समस्या को ठीक करने और गंतव्य तक विमान को भेजने के हमारे सर्वोत्तम प्रयासों के बावजूद, हमें अंततः उड़ान रद्द करनी पड़ी।” सूत्रों ने बताया कि यात्रियों को कई बार विमान में चढ़ाया गया, लेकिन उन्हें फिर उतरने का निर्देश दिया गया। यात्रियों में ज्यादातर छात्र हैं। कई यात्रियों ने एयरलाइन कंपनी से रिफंड की मांग भी की।

यात्रियों ने साझा की परेशानियां

एक यात्री ने अपनी परेशानी साझा करते हुए इंडिगो को टैग कर एक्स पर पोस्ट भी किया। उन्होंने लिखा, ‘प्रिय इंडिगो, यह उचित नहीं है। अब मुंबई से इस्तांबुल जाने वाली 6E 17 की उड़ान में 5 घंटे की देरी हो गई है और मुझे इस्तांबुल से वाशिंगटन के लिए कनेक्टिंग फ्लाइट लेनी है और मैं उसे मिस करने जा रहा हूं। अगली फ्लाइट भी इंडिगो द्वारा संचालित की जाएगी। कृपया सुझाव दें कि क्या करना है।” एक अन्य यात्री ने लिखा कि इंडिगो के स्टाफ को पता नहीं है कि क्या हो रहा है। फ्लाइट कब उड़ान भरेगी।

थायराइड : कारण और निवारण

थायरॉयड का जल्द निदान दवाओं, सप्लीमेंट्स और जीवनशैली में बदलाव लाकर किया जा सकता है। हाइपरथायरायडिज्म का इलाज कुछ प्राकर्तिक तत्वों से भी किया जा सकता है। हालाँकि कोई भी उपचार लेने से पहले आप अपने डॉक्टर से सभी तरह की जानकारी ले लें।

थायराइड एक तितली के आकार की ग्रंथि होती है जो एडम एप्पल के ठीक नीचे गर्दन में स्थित होती है। इसे मुख्य ग्रंथि के रूप में जाना जाता है जो शरीर की ऊर्जा और चयापचय को नियंत्रित करने में मदद करती है। जब थायरॉयड अत्यधिक सक्रिय हो जाती है और थायरोक्सिन हार्मोन की अत्यधिक मात्रा में उत्पादन करने लगती है तो इस स्थिति को हाइपरथायरायडिज्म कहा जाता है। (और दूसरी तरफ, थायरोक्सिन हार्मोन के कम मात्रा में उत्पादन को हाइपोथायरायडिज्म कहा जाता है)

♦हाइपरथायरायडिज्म के सामान्य कारणों में शामिल हैं ऑटोइम्यून डिसॉर्डर जिसे ग्रेव्स रोग कहा जाता है साथ ही थायरॉयड ग्रंथि की सूजन, थायरॉयड हार्मोन का असामन्य स्राव, आयोडीन का अत्यधिक सेवन या थायरॉयड में सौम्य गांठ या नोड्यूल आदि शामिल हैं। हाइपरथायरॉडीजम किसी को भी हो सकता है। पुरुषों की तुलना में महिलाओं में ये स्तिथि आठ गुना अधिक होती है। यह 30 की उम्र की शुरुआत में ही विकसित होने लगती है लेकिन इसके लक्षण 60 से अधिक महिलाओं में ज़्यादा सामान्य हैं।

♦कई तरह के संकेत♦

♦हाइपरथायरोडिज़्म के लक्षणों को बताते हैं जैसे वज़न का घटना, अनियमित दिल की धड़कन, घबराहट, अत्यधिक पसीना, मासिक धर्म चक्र में बदलाव, गर्दन के आधार पर सूजन, थकान, मांसपेशियों की कमजोरी और सोने में कठिनाई महसूस होना आदि शामिल हैं। हाइपरथायरायडिज्म के कई लक्षण अन्य स्थितियों के लिए भी बहुत आम है। इसलिए समस्या को जल्द पहचानना थोड़ा मुश्किल होता है।

♦थायरॉयड का जल्द निदान दवाओं, सप्लीमेंट्स और जीवनशैली में बदलाव लाकर किया जा सकता है। हाइपरथायरायडिज्म का इलाज कुछ प्राकर्तिक तत्वों से भी किया जा सकता है। हालाँकि कोई भी उपचार लेने से पहले आप अपने डॉक्टर से सभी तरह की जानकारी ले लें।

♦तो आईये आज आपको बताते हैं कुछ थायराइड कम करने के घरेलू उपाय

थायराइड खत्म करने का उपाय है ओमेगा 3 फैटी एसिड

अगर आपके शरीर को पर्याप्त ओमेगा -3 फैटी एसिड नहीं मिल रहा है तो हार्मोनल असंतुलित हो सकता है जिसमें थायराइड हार्मोन शामिल हैं। ये आवश्यक फैटी एसिड हार्मोन के लिए बिल्डिंग ब्लॉक हैं जो प्रतिरक्षा फंक्शन और सेल की वृद्धि को नियंत्रित करते हैं।

आप अपने आहार में ओमेगा -3 फैटी एसिड की मात्रा को और अधिक मछली, फ्लेक्ससीड्स और अखरोट आदि को खाकर बढ़ा सकते हैं।

थायराइड कम करने में सहायक है ब्रोकली –

ब्रोकोली एक क्रूसीफेरस सब्ज़ी है जिसमें आइसोथियोसाइनेट्स और गोईट्रोजन्स नामक पदार्थ होते हैं जो थायरॉयड को बहुत अधिक हार्मोन बनाने से रोकते हैं। इसलिए हाइपरथायरायडिज्म से पीड़ित किसी भी व्यक्ति को जितनी ज्यादा हो सके बिना पके ब्रोकोली खाने की कोशिश करनी चाहिए।

अन्य क्रूसीफेरस सब्ज़ियां जैसे फूलगोभी, शलजम, सरसों का साग और मूली आदि सहायक होती हैं।

थायराइड से बचाव का उपाय है एंटीऑक्सीडेंट

एंटीऑक्सिडेंट युक्त आहार हाइपरथायरायडिज्म को नियंत्रित करने में सहायक होते हैं। हाइपरथायरायडिज्म की वजह से थायरॉयड हार्मोन का स्तर बढ़ता है जिसकी वजह से शरीर में फ्री रेडिकल डैमेज और ऑक्सीडेटिव बढ़ने लगते हैं।

एंटीऑक्सिडेंट ऑक्सीडेटिव तनाव को कम करने के लिए फायदेमंद हैं। अपने आहार में विटामिन सी, विटामिन ई, बीटा कैरोटीन, सेलेनियम और मैग्नीशियम जैसे खाद्य पदार्थों को मिलाएं। इन पोषक तत्वों को प्राप्त करने के लिए अपने आहार में ताजे फल और सब्जियां शामिल करें जैसे जामुन, अंगूर, टमाटर और बेल मिर्च आदि। आप मल्टीविटामिन भी ले सकते हैं। इसके अलावा अपने आहार में अधिक प्रोटीन लेना न भूलें। एक अतिरक्त थायरॉयड आपकी मांसपेशियों को और अधिक आसानी से तोड़ने का कारण बनता है। प्रोटीन विशेष रूप से मांसपेशियों और ताकत को बढ़ाता है।

प्रोटीन प्राप्त करने के लिए आप एक या दो चम्मच मट्ठा प्रोटीन पाउडर अपने आहार में जोड़ सकते हैं। इसके अलावा, अपने आहार में बीन्स, नट्स, अखरोट बटर, बीजों और दही को ज़रूर शामिल करें।

थायराइड दूर करने का उपाय है समुंद्री सब्ज़िया

समुंद्री सब्ज़ियां आयोडीन का एक अच्छा स्रोत होती हैं जो थायराइड स्वास्थ्य के लिए एक महत्वपूर्ण खनिज है। समुद्री सब्जियों में मौजूद प्राकृतिक आयोडीन थायरॉयड संबंधी विकारों जैसे वजन में उतार-चढ़ाव और लसीका प्रणाली में जमाव को सामान्य रखता है। इन सब्जियों में भी अच्छी मात्रा में विटामिन के, बी-विटामिन फोलेट, मैग्नीशियम, लोहा और कैल्शियम शामिल होता है।

समुद्री सब्जियों में से कुछ जो आप हाइपरथायरायडिज्म के उपचार में उपयोग कर सकते हैं वो हैं केल्प, कोम्बु, हिजीकी, नोरि, आदि। ये आमतौर पर आपको दुकानों में सूखे पदार्थ के रूप में उपलब्ध हो जाएंगी।

आप इन सब्ज़ियों को क्रश या काट के सॉस, पिज़्ज़ा, चावल और सलाद आदि में इस्तेमाल कर सकते हैं।

थायराइड को करें कंट्रोल पत्ता गोबी से

पत्ता गोभी सबसे उपयोगी खाद्य पदार्थों में से एक है जो हाइपरथायरायडिज्म के उपचार में इस्तेमाल किया जाता है। गोभी में गोइट्रोजंस की मात्रा बहुत अधिक होती है जो थायराइड हार्मोन के उत्पादन को कम करने में मदद करता है। अच्छे परिणाम के लिए भुना हुआ पत्ता गोभी खाएं।

थायराइड कम करने के लिए बैरी का करें उपयोग

बैरी विटामिन और विभिन्न एंटीऑक्सीडेंट के गुणों से समृद्ध होती हैं जो कि थायरॉयड ग्रंथि की सूजन को कम करने में मदद करती है। आप विभिन्न प्रकार के बैरी जैसे ब्लूबेरी, ब्लैकबेरी, स्ट्रॉबेरी, चेरी और अन्य खा सकते हैं।

थायराइड से बचें आंवला के उपयोग से

आंवला हाइपरथायरायडिज्म सहित कई स्वास्थ्य समस्याओं का इलाज करता है। आंवला थायराइड हार्मोन के उत्पादन को नियंत्रित करने में भी मदद करता है।

शहद के साथ भारतीय आंवला के पाउडर को मिलाकर मोटा पेस्ट बनाकर सुबह को नाश्ते में खाएं।

ये कुछ खाद्य पदार्थ हैं जो हाइपरथायरायडिज्म के उपचार में मदद करते हैं और थायरॉयड हार्मोन के उत्पादन को दबा देते हैं। इसके अलावा, हाइपरथोरायडिज्म को रोकने के लिए डेयरी उत्पादों और कैफीन का सेवन सीमित रखने की कोशिश करें।

Thyroid हाइपर और हाइपो थाइरोइड का घरेलु और सफल उपचार।

आज कल की भाग दौड़ भरी ज़न्दिगी में ये समस्या आम सी हो गयी हैं, थायराइड की गोली निरन्तर लेने से उसके घातक साइड इफेक्ट

एलोपैथि में थाइरोइड ग्रंथी ठीक नहीं की जाती है बल्कि इस रोग को मैनेज किया जाता है1 रोग के साथ जीना सिखाया जाता है1 स्वयं थायराइड ग्रंथी नियमित तैयार हार्मोन मिलते रहने से निषक्रिय हो जाती है1

थायराइड ग्रंथी एक महत्पूर्ण यदि उचित मात्रा में गोली न ले तो

थकान, सरदर्द, चिडचिडाहट, पसीना आना, धडकनों में अनियमितता, अनिंद्रा आदि हो सकते है1 अथार्त अपने डॉक्टर से डोस समय समय पर तय करा लें..

थायराइड की गोली उचित मात्रा में नियमित लेने से भी कैल्शियम की कमी हो जाती है, फलस्वरूप धीरे धीरे हड्डीया कमजोर होने से ओस्टीपोरोसिस हो जाता है1 इससे बदन में दर्द रहने लगता है1 कैल्शियम की कमी आगे चल कर गुर्दो को भी ख़राब करने लगती है1 नियमित थाइरोइड की गोली लेते रहने से मूड खराब होना, सरदर्द, पसीना आना, धडकनों में अनियमितता, दस्त लगना व हाथों में कम्पन्न भी हो सकते है1 लम्बे समय तक गोली लेने पर ह्रदय, अग्नाशय व जिगर खराब हो सकते है..

थायराइड मानव शरीर मे पाए जाने वाले एंडोक्राइन ग्लैंड में से एक है। थायरायड ग्रंथि गर्दन में श्वास नली के ऊपर एवं स्वर यन्त्र के दोनों ओर दो भागों में बनी होती है। इसका आकार तितली जैसा होता है। यह थाइराक्सिन नामक हार्मोन बनाती है जिससे शरीर के ऊर्जा क्षय, प्रोटीन उत्पादन एवं अन्य हार्मोन के प्रति होने वाली संवेदनशीलता नियंत्रित होती है।

थॉयराइड ग्रंथि तितली के आकार की होती है जो गले में पाई जाती है। यह ग्रंथि उर्जा और पाचन की मुख्य ग्रंथि है। यह एक तरह के मास्टर लीवर की तरह है जो ऐसे जीन्स का स्राव करती है जिससे कोशिकाएं अपना कार्य ठीक प्रकार से करती हैं। इस ग्रंथि के सही तरीके से काम न कर पाने के कारण कई तरह की समस्यायें होती हैं। इस लेख में विस्तार से जानें थॉयराइड फंक्शन और इसके उपचार के बारे में।

थॉयराइड को साइलेंट किलर माना जाता है, क्योंकि इसके लक्षण व्यक्ति को धीरे-धीरे पता चलते हैं और जब इस बीमारी का निदान होता है तब तक देर हो चुकी होती है। इम्यून सिस्टम में गड़बड़ी से इसकी शुरुआत होती है लेकिन ज्यादातर चिकित्सक एंटी बॉडी टेस्ट नहीं करते हैं जिससे ऑटो-इम्युनिटी दिखाई देती है।

यह ग्रंथि शरीर के मेटाबॉलिज्म को नियंत्रण करती है यानि जो भोजन हम खाते हैं यह उसे उर्जा में बदलने का काम करती है।

इसके अलावा यह ह्रदय, मांसपेशियों, हड्डियों व कोलेस्ट्रोल को भी प्रभावित करती है।

आमतौर पर शुरुआती दौर में थायराइड के किसी भी लक्षण का पता आसानी से नहीं चल पाता, क्योंकि गर्दन में छोटी सी गांठ सामान्य ही मान ली जाती है। और जब तक इसे गंभीरता से लिया जाता है, तब तक यह भयानक रूप ले लेता है।

आखिर क्या कारण हो सकते है जिनसे थायराइड होता है।

थायरायडिस- यह सिर्फ एक बढ़ा हुआ थायराइड ग्रंथि (घेंघा) है, जिसमें थायराइड हार्मोन बनाने की क्षमता कम हो जाती है।

इसोफ्लावोन गहन सोया प्रोटीन, कैप्सूल, और पाउडर के रूप में सोया उत्पादों का जरूरत से ज्यादा प्रयोग भी थायराइड होने के कारण हो सकते है।

कई बार कुछ दवाओं के प्रतिकूल प्रभाव भी थायराइड की वजह होते हैं।

थायराइट की समस्या पिट्यूटरी ग्रंथि के कारण भी होती है क्यों कि यह थायरायड ग्रंथि हार्मोन को उत्पादन करने के संकेत नहीं दे पाती।

भोजन में आयोडीन की कमी या ज्यादा इस्तेमाल भी थायराइड की समस्या पैदा करता है।

सिर, गर्दन और चेस्ट की विकिरण थैरेपी के कारण या टोंसिल्स, लिम्फ नोड्स, थाइमस ग्रंथि की समस्या या मुंहासे के लिए विकिरण उपचार के कारण।

जब तनाव का स्तर बढ़ता है तो इसका सबसे ज्यादा असर हमारी थायरायड ग्रंथि पर पड़ता है। यह ग्रंथि हार्मोन के स्राव को बढ़ा देती है।

यदि आप के परिवार में किसी को थायराइड की समस्या है तो आपको थायराइड होने की संभावना ज्यादा रहती है। यह थायराइड का सबसे अहम कारण है।

ग्रेव्स रोग थायराइड का सबसे बड़ा कारण है। इसमें थायरायड ग्रंथि से थायरायड हार्मोन का स्राव बहुत अधिक बढ़ जाता है। ग्रेव्स रोग ज्यादातर 20 और 40 की उम्र के बीच की महिलाओं को प्रभावित करता है, क्योंकि ग्रेव्स रोग आनुवंशिक कारकों से संबंधित वंशानुगत विकार है, इसलिए थाइराइड रोग एक ही परिवार में कई लोगों को प्रभावित कर सकता है।

थायराइड का अगला कारण है गर्भावस्था, जिसमें प्रसवोत्तर अवधि भी शामिल है। गर्भावस्था एक स्त्री के जीवन में ऐसा समय होता है जब उसके पूरे शरीर में बड़े पैमाने पर परिवर्तन होता है, और वह तनाव ग्रस्त रहती है।

रजोनिवृत्ति भी थायराइड का कारण है क्योंकि रजोनिवृत्ति के समय एक महिला में कई प्रकार के हार्मोनल परिवर्तन होते है। जो कई बार थायराइड की वजह बनती है।

♦थायराइड के लक्षण♦

♦कब्ज

थाइराइड होने पर कब्ज की समस्या शुरू हो जाती है। खाना पचाने में दिक्कत होती है। साथ ही खाना आसानी से गले से नीचे नहीं उतरता। शरीर के वजन पर भी असर पड़ता है।

♦हाथ-पैर ठंडे रहना

थाइराइड होने पर आदमी के हाथ पैर हमेशा ठंडे रहते है। मानव शरीर का तापमान सामान्य यानी 98.4 डिग्री फॉरनहाइट (37 डिग्री सेल्सियस) होता है, लेकिन फिर भी उसका शरीर और हाथ-पैर ठंडे रहते हैं।

♦प्रतिरोधक क्षमता कमजोर होना

थाइराइड होने पर शरीर की रोग-प्रतिरोधक क्षमता कमज़ोर हो जाती है। इम्यून सिस्टम कमजोर होने के चलते उसे कई बीमारियां लगी रहती हैं।

♦थकान

थाइराइड की समस्या से ग्रस्त आदमी को जल्द थकान होने लगती है। उसका शरीर सुस्त रहता है। वह आलसी हो जाता है और शरीर की ऊर्जा समाप्त होने लगती है।

♦त्वचा का सूखना या ड्राई होना

थाइराइड से ग्रस्त व्यक्ति की त्वचा सूखने लगती है। त्वचा में रूखापन आ जाता है। त्वचा के ऊपरी हिस्से के सेल्स की क्षति होने लगती है जिसकी वजह से त्वचा रूखी-रूखी हो जाती है।

♦जुकाम होना

थाइराइड होने पर आदमी को जुकाम होने लगता है। यह नार्मल जुकाम से अलग होता है और ठीक नहीं होता है।

♦डिप्रेशन

थाइराइड की समस्या होने पर आदमी हमेशा डिप्रेशन में रहने लगता है। उसका किसी भी काम में मन नहीं लगता है, दिमाग की सोचने और समझने की शक्ति कमजोर हो जाती है। याद्दाश्त भी कमजोर हो जाती है।

♦बाल झड़ना

थाइराइड होने पर आदमी के बाल झड़ने लगते हैं तथा गंजापन होने लगता है। साथ ही साथ उसके भौहों के बाल भी झड़ने लगते है।

मांसपेशियों और जोड़ों में दर्द

मांसपेशियों और जोड़ों में दर्द और साथ ही साथ कमजोरी का होना भी थायराइड की समस्या के लक्षण हो सकते है।

शारीरिक व मानसिक विकास

थाइराइड की समस्या होने पर शारीरिक व मानसिक विकास धीमा हो जाता है।

अगर आपको ऐसे कोई भी लक्षण दिखाई दे तो अपने डाक्टर से संपर्क करें आपको थाइराइड समस्या हो सकती है।

अति असरकारक घरेलु उपाय।

सुबह खाली पेट लौकी का जूस पिए, घर में ही गेंहू के जवारों का जूस निकाल कर पिए, इसके बाद एक गिलास पानी में हर रोज़ 30 मिली एलो वेरा जूस और 2 बूँद तुलसी की डाल कर पिए, एलो वेरा जूस आपको किसी बढ़िया कंपनी का यूज़ करना होगा, जिसमे फाइबर ज़्यादा हो, सिर्फ कोरा पानी ना हो। बाजार से आज कल पांच तुलसी बहुत आ रही हैं, किसी बढ़िया कंपनी की आर्गेनिक पांच तुलसी ले। ये सब करने के आधे घंटे तक कुछ भी न खाए पिए, इस समय में आप प्राणायाम करे।

♦अखरोट और बादाम है फायदेमंद

अखरोट और बादाम में सेलेनियम नामक तत्व पाया जाता है जो थॉयराइड की समस्या के उपचार में फायदेमंद है। 1 आंउस अखरोट में 5 माइक्रोग्राम सेलेनियम होता है। अखरोट और बादाम के सेवन से थॉयराइड के कारण गले में होने वाली सूजन को भी काफी हद तक कम किया जा सकता है। अखरोट और बादाम सबसे अधिक फायदा

हाइपोथॉयराइडिज्म (थॉयराइड ग्रंथि का कम एक्टिव होना) में करता है।

इसके साथ में रात को सोते समय गाय के गर्म दूध के साथ 1 चम्मच अश्वगंधा चूर्ण का सेवन करे।

♦इसके साथ प्राणायाम करना हैं, जिसे उज्जायी प्राणायाम बोलते हैं। इस प्राणायाम में गले को संकुचित करते हुए पुरे ज़ोर से ऊपर से श्वांस खींचनी हैं।

सफ़ेद नमक है बहुत हानिकारक.

आज कल जो बाज़ार में सफ़ेद नमक हमको आयोडीन के नाम से खिलाया जा रहा है, चाहे वो कितनी भी बड़ी कंपनी हो, सिर्फ आम जन को मुर्ख बनाने के लिए है. नमक सिर्फ सेंधा या काला ही इस्तेमाल करें.

♦काली मिर्च.

थाइरोइड के लिए काली मिर्च का उपयोग बहुत ही फायदेमंद साबित होता है. काली मिर्च का यथा संभव नियमित उपयोग चाहे वो किसी भी प्रकार से हो, थाइरोइड के लिए बहुत ही उपयोगी है.

♦अलसी है फायदेमंद।

एक चम्मच अलसी को थोड़ा दरदरा कूट कर दही में डालकर, इनके साथ 5 पत्ते तुलसी के डाल कर सेवन करें।

खाज खुजली

खाज-खुजली एक संक्रामक रोग हैं। जिसके कारण त्वचा पर छोटी-छोटी फुन्सियां निकल आती हैं और उनमें से पानी भी निकलता हैं। कभी-कभी पेट साफ न होने से, कब्ज रहने से तथा खून में अशुद्धि होने से भी ये खुजली पैदा होती हैं।

* नारियल के तेल में थोड़ा सा कपूर मिलाकर गरम करें और खुजली वाले स्थान पर लगायें।

* गाय के घी में कुछ लहसुन मिलाकर गर्म करें और उसकी मालिश खुजली वाले स्थान पर करें।

* नींबू के रस में पके हुए केले को मसलकर खुजली वाले स्थान पर लगायें।

* भुने हुए सुहागे को पानी में मिलाकर लगाने से खुजली में आराम मिलता हैं।

भीगी मूंगफली सेहत का खजाना.....

अक्सर हम में से कई लोग रोजाना रात को बादाम को भिगोकर सुबह खाते हैं, क्योंकि बादाम में एक से बढ़कर एक फायदे होते है जो हमें तंदरुस्त रखते है लेकिन क्या आपने कभी बादाम की जगह मूंगफली ट्राई की है?

मूंगफली (Peanut) का सेवन अगर रात में भिगोने के बाद सुबह उठकर किया जाए तो उसके कई बेहतरीन स्वास्थ्य फायदे देखने को मिल सकते हैं।

पोटेशियम, कॉपर, केल्शियम, आयरन और सेलेनियम जैसे गुणों से भरपूर मूंगफली को भिगोकर खाने से उसकी पौष्टिकता और भी बढ़ जाती है।

यहां जानिए आखिर कैसे भीगी हुई मूंगफली ज्यादा फायदेमंद है (Benefits of soaked peanut)....

▪हार्ट के लिए बढ़िया....

भीगी मूंगफली ब्लड सर्कुलेशन कंट्रोल करके शरीर को हार्ट अटैक के साथ कई हार्ट प्रॉब्लम से बचाती है। इसलिए दिल की सेहत को ठीक रखने के लिये भीगी मूंगफली खाना लाभकारी रहता है।

▪मसल्स करे टोंड.....

अगर आप अपने शरीर के आढ़ी-टेढ़ी मसल्स से परेशान हैं या फिर ये आपका लुक खराब कर रहे हैं तो रोजाना भीगी हुई मूंगफली खाएं। इससे धीरे-धीरे आपकी मसल्स टोंड होंगी।

▪गैस और एसिडिटी होती है दूर.....

पोटेशियम, मैग्नीज, कॉपर, केल्सियम, आयरन, सेलेनियम के गुणों से भरपूर मूंगफली को भिगो कर सुबह खाली पेट खाने से गैस और एसिडिटी की परेशानी दूर होती है।

▪गैस और एसिडिटी करे ठीक.....

सर्दियों में भारी भरकम खाना पेट को फुला देता है. इस वजह से आप भरपेट नाश्ता और लंच नहीं कर पाते। इसे ठीक करने के लिए रोज रात एक मुट्ठी मूंगफली के दाने भिगोएं और सुबह उठकर खा लें।

▪जोड़ो और कमर दर्द में दे आराम....

सर्दियों में कमर और जोड़ों का दर्द बहुत दिक्कत देता है. ऐसे में मूंगफली इस रोग से आपको आराम दिला सकती है. बस भीगी हुई मूंगफली को थोड़े गुड़ के साथ खाएं।

▪याद्दाश त बढ़ाता है.....

बच्चों को सुबह भीगी मूंगफली के कुछ दाने खिलाने से इसमें मौजूद विटामिन आंखों की रोशनी और याद्दाश्त तेज करते है। मूंगफली को खाने से शरीर में खून की कमी भी पूरी हो जाती है। इसके अलावा इससे शारीरिक उर्जा और स्फूर्ती भी बनी रहती है।

▪स्किन के लिए अच छा....

इसमें ओमेगा 6 फैटी एसिड्स होते हैं. ये स्किन सेल्स के लिए काफी फायदेमंद होता है. इससे रंग गोरा होता है। स्किन की चमक बढ़ती हैं।

महिला सम्मान योजना पर उपराज्यपाल की आपत्ति
केजरीवाल की राजनीति और सवालों के घेरे में आप की रणनीति

परिवहन विशेष

नई दिल्ली। दिल्ली की "महिला सम्मान योजना" को लेकर बढ़ते विवाद ने आम आदमी पार्टी और मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की नीयत और कार्यशैली पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। उपराज्यपाल वी.के. सक्सेना द्वारा इस योजना की वैधता और प्रक्रिया की जांच के आदेश दिए जाने के बाद केजरीवाल ने भाजपा पर तीखे आरोप लगाए हैं, लेकिन उनके भाषण और रणनीति में कई खामियां नजर आ रही हैं।

भाजपा पर आरोप बनाम ज़मीनी हकीकत

केजरीवाल का यह दावा कि भाजपा उनके कैंप हटवा रही है और उनकी योजना से घबरा गई है, केवल बयानबाजी लगता है। सवाल यह है कि अगर योजना इतनी ₹महत्वपूर्ण₹ थी, तो इसे लागू करने के लिए कानूनी औपचारिकताएं और प्रशासनिक स्वीकृतियां पहले क्यों नहीं ली गईं?

फर्जी रजिस्ट्रेशन का खेल?

दिल्ली सरकार के महिला एवं बाल विकास विभाग और स्वास्थ्य विभाग ने ₹महिला सम्मान योजना₹ और ₹संजीवनी योजना₹ को गैर-मौजूद बताया है। ऐसे में यह सवाल उठता है कि लाखों रजिस्ट्रेशन किस आधार पर हो रहे थे? क्या यह योजना केवल चुनावी लाभ के लिए बनाई गई थी?

जनता को गुमराह करने की कोशिश

यह पहली बार नहीं है जब AAP सरकार पर लोकलुभावन वादों के जरिए जनता को गुमराह करने का आरोप लगा है। महिलाओं को ₹2,100 मासिक देने की घोषणा करते हुए, AAP ने इसका बजट, फंडिंग स्रोत और कार्यान्वयन की प्रक्रिया स्पष्ट नहीं की। यह दिखाता है कि योजना केवल कागजों तक सीमित थी।

भाजपा और कांग्रेस का निशाना

भाजपा और कांग्रेस दोनों ने इस योजना को लेकर सवाल उठाए हैं। भाजपा ने इसे ₹डेटा चोरी₹ और ₹फर्जी वादे₹ करार दिया है। कांग्रेस नेता अजय माकन ने कहा, ₹AAP की योजनाएं केवल दिखावे के लिए हैं। इनकी प्राथमिकता केवल चुनावी प्रचार है, न कि वास्तविक जनसेवा।"

आप सरकार पर विश्वास का संकट

AAP की कार्यशैली पर भी सवाल उठते हैं। योजनाओं की घोषणा करने से पहले अगर कानूनी और प्रशासनिक स्वीकृतियां नहीं ली जातीं, तो यह केवल ₹वोट बैंक₹ की राजनीति नहीं तो और क्या है? यह स्थिति दर्शाती है कि आप सरकार की प्राथमिकता केवल लोकप्रियता हासिल करना है, जबकि प्रशासनिक जिम्मेदारियों से वे अक्सर बचते दिखते हैं।

उपराज्यपाल का कदम सही या राजनीतिक?

हालांकि उपराज्यपाल की इस कार्रवाई को भी राजनीतिक रंग दिया जा सकता है, लेकिन उनकी भूमिका कानूनी प्रक्रियाओं और सरकारी नीतियों की वैधता सुनिश्चित करना है। सवाल यह है कि क्या केजरीवाल सरकार ने इस योजना को लागू करने से पहले सभी औपचारिकताएं पूरी की थीं?

जनता को नुकसान

इस पूरे विवाद में सबसे बड़ा नुकसान जनता का हो रहा है। योजनाओं की घोषणा और उनके कार्यान्वयन में गहराई की कमी से जनता के मन में सरकार की नीयत को लेकर शंका बढ़ रही है।

क्या चुनावी लाभ की राजनीति?

"महिला सम्मान योजना₹ और ₹संजीवनी योजना₹ को लेकर AAP की रणनीति यह दिखाती है कि उनकी प्राथमिकता जनता को वास्तविक लाभ पहुंचाने से अधिक चुनावी लाभ उठाने की है। सवाल यह उठता है कि क्या AAP सरकार केवल लोकलुभावन वादों के जरिए जनता का भरोसा हासिल करने की कोशिश कर रही है?

यह विवाद न केवल दिल्ली सरकार की कार्यशैली पर सवाल खड़ा करता है, बल्कि यह भी दिखाता है कि योजनाओं की घोषणा करने से पहले उनकी व्यावहारिकता और वैधता पर ध्यान देना कितना आवश्यक है। क्या AAP सरकार इस आलोचना से सीख लेगी, या फिर ऐसे ही वादों से जनता को गुमराह करती रहेगी?

जेल से बाहर आने के बाद केजरीवाल के सड़क बनाने और गाद निकालने के दावों की पोल बारिश ने खोल दी है - देवेन्द्र यादव

सुषमा रानी

नई दिल्ली, दिल्ली प्रदेश कांग्रेस कमेटी ने कहा कि बेल पर जेल से बाहर आने के बाद अरविन्द केजरीवाल ने जो जल भराव के पुख्ता इंतजाम करने का जो दावा किया था, उसकी गैर मानसूनी बारिश ने पूरी तरह पोल खोल दी है। विधानसभा चुनावों में खोखले वादे और घोषणा कर रही आम आदमी पार्टी की सड़कें बनाने और नालों से गाद निकालने की सच्चाई कम बारिश ने लोगों से सामने ला दी है। सड़कों पर जल भराव के कारण जहां कई घंटों तक यातायात जाम रहा वहीं लोगों को काफी परेशानियों को सामना भी करना पड़ा। श्री यादव ने कहा कि बारिश होने से लगातार बढ़ता खतरनाक प्रदूषण जरुर कम हुआ है लेकिन टूटी सड़कों, नालियों में गाद होने के कारण भारी जल भराव से दिल्ली की जनता काफी नुकसान उठाना पड़ा है।

उन्होंने कहा कि दिल्ली सरकार के तमाम दावों के बावजूद एक बार फिर बारिश ने

अरविन्द केजरीवाल के बयान ''सब कुछ ठीक कर दूंगा'' की पोल खोल कर रख दी। स्कूल जाने के बच्चों और आफिस व काम पर जाने के लिए लोगों की परेशानियां का सामना करना पड़ रहा है। शहरी सड़कों सहित शहरी व ग्रामीण गांवों में भी बारिश का पानी घरों तक में घुस गया। पिछले मानसून में जल भराव व बारिश के कारण 30 मौत होने पर भी सरकार ने जल निकासी के लिए कोई ठोक काम नही किए, जिसके कारण दिल्ली में जगह - जगह तालाब दिखाई दे रहे हैं।

यादव ने कहा कि सदर बाजार, बल्लीमारान, मटिया महल, चॉदनी चौक, दरिया गंज में नालियों के जाम होने से पानी इतना भरा हुआ था कि लोगों का घरों से निकलना मुश्किल था और जो घरों से बाहर आए उन्हें पानी के साथ बहती गंदगी और कूड़े का सामना करना पड़ा। यहां गदगी का आलम यह है कि लोगों का जीना दूभर है। रिंग रोड़, बाहरी रिंग रोड़, बाहरी दिल्ली, मध्य दिल्ली, उत्तर पूर्वी दिल्ली और किराड़ी, कराला, मुंडका, रोहतक रोड़ पर यातायात का हाल यह था कि लोगों को घंटों जाम से जूझना पड़ा।

उन्होंने कहा कि अरविन्द केजरीवाल के सड़क बनाने के दावे की पोल भी इस गैर मानसूनी बारिश ने खोल दी जब सड़कों पर बड़े-बड़े गड्डों भरे पानी के साथ वहां गाड़यिा धंसी मिली। दिल्ली में गाड़यिों के सड़क पर धसने की दर्जनभर ऐसी दुर्घटनाएं सामाने आई है। उन्होंने कहा कि भारी बारिश से एक बार फिर केजरीवाल का दिल्ली को झीलों का शहर बनाने का सपना साकार होता दिखाई दिया।

ये खबर सुनकर मैं स्तब्ध हूं कि डॉ मनमोहन सिंह का अंतिम संस्कार निगम बोध घाट पर किया गया- केजरीवाल

सुषमा रानी

नई दिल्ली। भारत के पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह के अंतिम संस्कार और समाधि के लिए राजघाट परिसर में जगह न देने पर आम आदमी पार्टी ने भाजपा पर तीखा हमला बोला है। शनिवार को "आप" के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने सोशल मीडिया एक्स पर कहा कि यह खबर सुनकर मैं स्तब्ध हूं कि भारत के पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह का अंतिम संस्कार निगम बोध घाट पर किया गया। इसके पहले भारत के सभी प्रधानमंत्रियों का अंतिम संस्कार राजघाट पर किया जाता था। उन्होंने कहा कि सिख समाज से आने वाले, पूरी दुनिया में ख्याति प्राप्त, 10 वर्ष भारत के प्रधानमंत्री रहे डॉ. मनमोहन सिंह जी के अंतिम संस्कार और समाधि के लिए बीजेपी की केंद्र सरकार 1000 गज़ जमीन भी न दे सकी? वहीं, वरिष्ठ नेता एवं सांसद संजय सिंह ने कहा कि भाजपा ने पूर्व पीएम डॉ. मनमोहन सिंह के अंतिम संस्कार के लिए राजघाट परिसर में जगह न देकर पूरे सिख समुदाय का अपमान किया है।

आम आदमी पार्टी के वरिष्ठ नेता एवं राज्यसभा सदस्य संजय सिंह ने कहा कि सबसे ज्यादा अफसोस की बात है कि ऐसे मुद्दे पर भी हम लोगों को बात करनी पड़ रही है। यह दिखाता है कि सरकार की सोच कितनी छोटी और ओछी है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मैं पूछना चाहता हूं कि भारत के एक महान अर्थशास्त्री जिनकी पूरी दुनिया में कद्र है। भारत के प्रधानमंत्री के रूप में उन्होंने अपनी जिंदगी के दस वर्ष इस देश को आगे बढ़ाने के लिए लगाए। डॉ. मनमोहन सिंह सिख समाज से आने वाले भारत के एक मात्र प्रधानमंत्री हैं। इससे पहले देश के लगभग सभी पूर्व प्रधानमंत्रियों का अंतिम संस्कार राजघाट परिसर में हुआ है। लेकिन ये लोग राजघाट परिसर में डॉ. मनमोहन सिंह के अंतिम संस्कार के लिए जगह देने को तैयार नहीं हैं। यह भाजपा की सोच है। यह अपने आप को संस्कारी पार्टी कहते हैं। यह अपने आप को दुनिया की सबसे बड़ी पार्टी कहते हैं। यह दुनिया की सबसे बड़ी है, लेकिन सबसे छोटी मानसिकता वाली पार्टी है। मुझे बहुत अफसोस है। इससे कहीं न कहीं पूरी दुनिया में रह रहे और भारत में रहने वाला एक-एक व्यक्ति शर्मसार है कि मोदी सरकार यह क्या कर रही है? देश के प्रधानमंत्री रह चुके एक व्यक्ति को यह राजघाट परिसर में जगह देने के लिए तैयार नहीं है? एक पूर्व प्रधानमंत्री का नाम बताइए जिसका अंतिम संस्कार निगम बोध घाट में हुआ हो। फिर चाहे वो अटल बिहारी वाजपेयी हों, राजीव गांधी हों या इंदिरा गांधी हों।

संजय सिंह ने आगे कहा कि यह भेदभाव क्यों किया जा रहा है? यह दिखाता है कि दुनिया की सबसे बड़ी पार्टी, छोटी मानसिकता वाली और छोटे दिल वाली पार्टी है। यह भाजपा और प्रधानमंत्री मोदी की सोच को दिखाता है। डॉ. मनमोहन सिंह सिख समाज से आने वाले एकमात्र प्रधानमंत्री हैं। इससे पंजाब में रहने वाले लोग और पूरी दुनिया में रह रहे सिख समाज के लोग अपने आप को अपमानित महसूस कर रहे होंगे। इस देश के 144 करोड़ लोग जो हमारी लोकतांत्रिक व्यवस्था में आस्था रखते हैं, जो डॉ. मनमोहन सिंह के किए गए कार्यों की सराहना करते हैं, उनसे उन्हें भी तकलीफ हुई होगी। आज पूरी दुनिया में यही छपेगा कि भारत में एक ऐसी सरकार है जो अपने पूर्व प्रधानमंत्री के लिए राजघाट के परिसर में जगह देने के लिए तैयार नहीं है। सरकार उनके परिवार की इच्छा के अनुरूप अंतिम संस्कार और अंत्येष्टि करने के लिए तैयार नहीं है। यह बहुत दुर्भाग्यपूर्ण है।

वहीं 'आप' के वरिष्ठ नेता एवं कैबिनेट मंत्री सौरभ भारद्वाज ने कहा कि यह खबर सुनकर मैं स्तब्ध हूं कि देश के दस साल तक प्रधानमंत्री रहे मनमोहन सिंह को, जिसे पूरी दुनिया एक विद्वान मानती है। उनकी आर्थिक नीतियां दुनियाभर के विश्वविद्यालयों में पढ़ी और पढ़ाई जाती हैं। जिन्होंने देश को आर्थिक मंदी से बचाया। उदारीकरण में देश को आगे ले गए। एक सिख समुदाय से आने वाले प्रधानमंत्री का दिल्ली के निगम बोध घाट में अंतिम संस्कार हुआ। निगम बोध घाट डॉ. मनमोहन सिंह के लिए? क्या हमारी देश की राजनीति इतनी निम्न हो गई कि केंद्र सरकार देश के एक विद्वान प्रधानमंत्री के लिए दिल्ली में एक हजार गज जमीन भी नहीं दे पा रही है? यह शर्मसार करने वाली बात है। इन मामलों के अंदर राजनीति नहीं करनी चाहिए।

भारतीय वाल्मीकि धर्म समाज की मांग, वाल्मीकि प्रकट दिवस पर घोषित हो राष्ट्रीय अवकाश

परिवहन विशेष

– देश में ठेकेदारी प्रथा को खत्म किया जाए : डॉक्टर विपिन पिव्हाल

नईदिल्ली। भारतीय वाल्मीकि धर्मसमाज के प्रदेश अध्यक्ष डॉ विपिन पिव्हाल ने केंद्र सरकार से मांग करते हुए कहा है कि महर्षि वाल्मीकि प्रकट दिवस पर राष्ट्रीय अवकाश घोषित किया जाए। साथ ही ठेकेदारी प्रथा को पूरे देश से खत्म किया जाए। ठेकेदारी प्रथा के चलते मजदूरों व कामगारों को परेशान होना पड़ता है। ठेकेदारों द्वारा कर्मचारियों को उचित पैसा भी नही दिया जाता है। उन्होंने आगे बताया कि हमारे समाज का इस देश में एक बड़ा तपका है, इसलिए हर राज्य से एक राज्यसभा सांसद होना चाहिए। डॉ विपिन ने बताया कि हम समाज से जुड़ी हुई कई मांगों को लेकर देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को भी पत्र लिख चुके हैं। डॉ विपिन ने कहा कि सभी को आदि धर्म का प्रचार करना है और हमें शिक्षा के महत्व को पहचाना है। उन्होंने समाज के लोगों से कहा कि हमे अपने बच्चों को शिक्षा अवश्य ही दिलानी है जिससे कि बच्चे पढ़ लिखकर समाज और देश का नाम रोशन करें।

दिल्ली-NCR में नकली नोटों की तस्करी, इस पड़ोसी देश की सीमा से रुपया लाता था मास्टरमाइंड

दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल ने नकली नोटों के धंधे में लिप्त एक अंतरराष्ट्रीय गिरोह का भंडाफोड़ किया है। गिरोह के सरगना कौसर अली को गिरफ्तार किया गया है। उसके पास से 500 रुपये के 190 नकली नोट बरामद हुए हैं। आरोपी पहले भी नकली नोट के मामले में जेल जा चुका है। पुलिस उससे पूछताछ कर रही है।

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल यूनिट ने नकली नोट का धंधा करने वाले अंतरराष्ट्रीय गिरोह का भंडाफोड़ करते हुए गिरोह के प्रमुख सदस्य को गिरफ्तार किया है। आरोपी की पहचान बंगाल के मालदा निवासी कौसर अली के रूप में हुई है। पुलिस अधिकारी ने बताया कि आरोपी 2011 में नकली नोट (Fake Indian Notes) का धंधा करने के आरोप में पहली बार गिरफ्तार किया हुआ था। जेल से रिहा होने के बाद वह फिर से नकली नोट के धंधे में जुड़ गया। पुलिस ने उसके पास से 500 रुपये के 190 नोट (95 हजार रुपये) बरामद किए हैं। दिल्ली पुलिस पकड़े गए आरोपी से पूछताछ कर मामले की छानबीन कर रही है। स्पेशल सेल के उपायुक्त डीसीपी प्रणव तयाल ने बताया कि टीम को बांग्लादेश की सीमा (Bangladesh Border) से लाकर दिल्ली-एनसीआर में नकली नोटों को खपाने वाले एक आरोपी के बारे में गुप्त सूचना मिली थी। सूचना के आधार पर एक टीम गठित की गई। टीम ने करनाल बाईपास के पास संजय गांधी ट्रांसपोर्ट एरिया के पास से आरोपी को गिरफ्तार कर लिया।

2004 में बांग्लादेश भेजा घुसपैठिया, 2022 में फिर लौटा भारत; दिल्ली में किराए पर खोज रहा था कमरा और फिर...

दिल्ली पुलिस ने एक ऐसे बांग्लादेशी नागरिक को गिरफ्तार किया है जो 2004 में निर्वासित होने के बाद फिर से भारत में अवैध रूप से रह रहा था। आरोपी की पहचान फिरोज मुल्ला के रूप में हुई है। वह 1990 से 2004 तक दिल्ली में अवैध रूप से रह रहा था और 2022 में फिर से भारत आ गया।

दिल्ली। आरके पुरम थाने की टीम ने दिल्ली में अवैध रूप से रह रहे एक बांग्लादेशी को पकड़ा है। आरोपी की पहचान फिरोज मुल्ला निवासी गांव साहिब का हट्टा, मदारीपुर, बांग्लादेश के रूप में हुई है। वह 1990 से 2004 तक दिल्ली के यमुना पुस्ता की ढोलक बस्ती में अवैध रूप से रह रहा था।

वर्ष 2004 में उसे बांग्लादेश डिपोर्ट किया गया था। वर्ष 2022 में वह फिर से भारत आ गया और दिल्ली में रहने लगा। इस दौरान होटलों और ढाबों पर हेल्पर के तौर पर काम करता रहा। विदेशी नागरिक पंजीयन कार्यालय (एफआरआरओ) को सूचित कर पुलिस ने उसे फिर से बांग्लादेश भिजवाया।

घुसपैठियों को रोकने के लिए गठित है टीम

दक्षिणी पश्चिम जिला पुलिस उपायुक्त सुरेंद्र चौधरी ने बताया कि आरके पुरम थाना क्षेत्र में अपराधों को रोकने के साथ ही अवैध रूप से रहने वाले विदेशियों पर नजर रखने के लिए टीम गठित की गई थी। 27 दिसंबर को टीम के सूचना मिली कि एक अवैध बांग्लादेशी आरके पुरम स्थित सेक्टर-2 के हनुमान मजदूर कैंप में किराए पर कमरा तलाश रहा है।

इस पर टीम मौके पर पहुंची और संदिग्ध फिरोज मुल्ला को पकडा। शुरुआती पूछताछ में उसने खुद को पश्चिम बंगाल के उत्तर 24 परगना के बोंगांव का निवासी बताया। कड़ाई करने पर उसने अपने पैतृक पते के रूप में गांव साहिब का हट्ट, थाना शिबचर, जिला मदारीपुर (बांग्लादेश) बताया।

पहली बार माता-पिता के साथ आया था

पूछताछ में फिरोज मुल्ला ने बताया कि उसका जन्म और पालन-पोषण बांग्लादेश में ही हुआ। 1990 में सोलह वर्ष की अवस्था में वह माता-पिता के साथ अवैध रूप से भारत में आया। उसका परिवार दिल्ली के यमुना पुस्ता में ढोलक बस्ती में बस गया। वर्ष 2002 में उसके माता-पिता बांग्लादेश लौट आए, जबकि वह दिल्ली में ही रह गया। हालांकि दो साल बाद ही वर्ष 2004 में उसे बांग्लादेश डिपोर्ट कर दिया गया।

अट्ठारह साल बाद फिर की घुसपैठ

बांग्लादेश लौटने का अट्ठारह साल बाद आरोपी फिरोज मुल्ला ने दोबारा 2022 में घुसपैठ की। बेनापोल-पेट्रापोल सीमा से उसने भारत में अवैध रूप से प्रवेश किया। कुछ दिन बंगाल में रहने के बाद वह दिल्ली आ गया और तब से यहीं रहकर विभिन्न दुकानों और ढाबों पर काम करता रहा। उसके पास वैध दस्तावेज न होने पर टीम ने एफआरआरओ को सूचित कर उसे फिर से बांग्लादेश भिजवाया।

दिल्ली में मुकाबला होगा दिलचस्प, एनसीपी ने उतारे 11 उम्मीदवार; कांग्रेस के देवेंद्र यादव के सामने होंगे ये नेता

राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) ने दिल्ली विधानसभा चुनाव के लिए अपने 11 उम्मीदवारों की पहली सूची जारी कर दी है। पार्टी ने बादली से मुलायम सिंह बुराड़ी से रतन त्यागी चांदनी चौक से खालिद उर रहमान बल्ली मारन से मोहम्मद हारुन और ओखला से इमरान सैफी को मैदान में उतारा है। आपने सभी 70 उम्मीदवार घोषित कर दिए हैं। बीजेपी ने अभी तक कोई प्रत्याशी घोषित नहीं किए हैं।

नई दिल्ली। अजित पवार की नेतृत्व वाली राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) ने आगामी दिल्ली विधानसभा चुनाव के लिए शनिवार को 11 उम्मीदवारों की अपनी पहली सूची जारी की। बता दें, अजित पवार ने लोकसभा चुनाव से पहले ही अपने चाचा शरद पवार को धोखा देते हुए महाराष्ट्र के डिप्टी सीएम बन गए थे। इसी साल हुए विधानसभा चुनाव के बाद वह डिप्टी सीएम बनाए गए हैं। पार्टी ने बादली से मुलायम सिंह, बुराड़ी से रतन त्यागी, चांदनी चौक से खालिद उर रहमान, बल्ली मारन से मोहम्मद हारुन और ओखला से इमरान सैफी को मैदान में उतारा है। इसके अलावा पार्टी ने छतरपुर से नरेंद्र तंवर, लक्ष्मी नगर से नमहा, गोकुलपुरी से जगदीश भगत, मंगोलपुरी से खेम चंद, सीमापुरी से राजेश लोहिया और संगम विहार से कमर अहमद को मैदान में उतारा है।

आप ने सभी 70 उम्मीदवार घोषित किए

दिल्ली विधानसभा चुनाव अगले साल फरवरी में होने हैं। सत्तारूढ़ AAP ने जहां सभी 70 सीटों के लिए उम्मीदवारों के नाम घोषित कर दिए हैं, वहीं कांग्रेस ने अब तक 47 सीटों के लिए उम्मीदवारों के नाम घोषित किए हैं। बीजेपी ने अभी तक कोई प्रत्याशी घोषित किए हैं।

कांग्रेस ने दो सूची जारी कर दी

दिल्ली विधानसभा चुनाव के लिए कांग्रेस ने प्रत्याशियों की दूसरी सूची जारी कर चुकी है। इस लिस्ट में 26 प्रत्याशियों के नाम शामिल हैं। कांग्रेस ने पहली लिस्ट 12 दिसंबर को जारी की थी, जिसमें 21 उम्मीदवारों के नाम शामिल हैं। कांग्रेस ने केजरीवाल के खिलाफ पूर्व मुख्यमंत्री शीला दीक्षित के बेटे संदीप दीक्षित को मैदान में उतारा है। जंगपुरा सीट से मनीष सिसोदिया के खिलाफ कांग्रेस ने फरहाद सूरी को मैदान में उतारा है।

बीजेपी मंथन में जुटी

आम आदमी पार्टी (AAP) दिल्ली की सभी 70 सीटों पर अपने उम्मीदवारों की घोषणा कर चुकी है। हालांकि, अभी भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) ने अपने पत्ते नहीं खोले हैं। माना जा रहा है कि बीजेपी जल्द ही अपने प्रत्याशियों की सूची जारी कर सकती है। 30 दिसंबर से पहले बीजेपी की लिस्ट आने की संभावना है। दिल्ली में विधानसभा चुनाव के लिए भारतीय जनता पार्टी में प्रत्याशियों को लेकर अभी मंथन जारी है। बताया गया कि बीजेपी दिल्ली की हर पर मंथन कर रही है। इसी वजह से भाजपा की लिस्ट जारी होने में देरी हो रही है।

कंपकंपाती ठंड में प्रदर्शन कर रही थीं आप की महिला कार्यकर्ता, चाय-बिस्कुट लेकर पहुंच गए बीजेपी नेता

राजधानी दिल्ली में कंपकंपाती ठंड में आप की महिला कार्यकर्ता प्रदर्शन कर रही थीं। इसी दौरान भाजपा नेता प्रवेश वर्मा ने उन्हें चाय और बिस्कुट ऑफर किए। प्रवेश वर्मा पर अपने विधानसभा क्षेत्र में लोगों को पैसे बांटने का आरोप है। महिलाएं इन आरोपों को लेकर प्रवेश वर्मा के खिलाफ प्रदर्शन कर रही थीं। आम आदमी पार्टी ने लोगों को पैसे बांटने का आरोप लगाया है।

दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेता प्रवेश वर्मा ने शनिवार को आप की महिला कार्यकर्ताओं को चाय और रस्क ऑफर किया। दरअसल, प्रवेश वर्मा अपने विधानसभा क्षेत्र में लोगों को पैसा बांटने का आरोप झेल रहे हैं। ये महिलाएं इन आरोपों को लेकर प्रवेश वर्मा के खिलाफ प्रोटेस्ट कर रही थीं। कंपकपाती ठंड में प्रदर्शन करने पहुंची महिलाओं को बीजेपी नेता ने चाय देते दिखे।

आम आदमी पार्टी (आप) की महिला स्वयंसेवक शनिवार को भाजपा नेता पdरवेश वर्मा के आवास के बाहर एकत्र हुईं और 1100 रुपये की मांग कीं। मीडिया से बात करते हुए वर्मा ने कहा, ₹जो बहनें मुझसे मिलने आई थीं, वे इतनी ठंड में मेरे घर आई हैं। अगर कोई मेरे घर आएगा तो मैं उनका सम्मान करूंगा। मेरी पत्नी, बेटी और मैं उनके लिए चाय और कॉफी लेकर आए हैं।₹

लाडली योजना कार्ड बनाने का किया आग्रह : प्रवेश वर्मा ने नई दिल्ली विधानसभा क्षेत्र की महिला मतदाताओं से अपने लाडली योजना कार्ड बनवाने का आग्रह किया। उन्होंने कहा, ₹जिस किसी का कार्ड नहीं बना है, वह मेरे घर आकर कार्ड बनवा सकता है। अगर आप नई दिल्ली विधानसभा के वोटर हैं तो अभी आएं... तुरंत कार्ड बनवाएं, ले जा सकते हैं।₹ कोई देरी नहीं होगी, 24 घंटे भी नहीं लगेंगे। हम बिना किसी भेदभाव के सभी के लिए लाडली योजना कार्ड बना रहे हैं, कृपया आएं और अपना कार्ड बनवाएं।₹

यह विरोध प्रदर्शन दिल्ली की मुख्यमंत्री आतिशी के दावों के बाद किया गया है, जिन्होंने भाजपा पर नई दिल्ली विधानसभा क्षेत्र में मतदाताओं को रिश्वत देने का आरोप लगाया था। इस सीट से आप संयोजक अरविंद केजरीवाल चुनाव लड़ने वाले हैं। आतिशी ने यह भी आरोप लगाया कि वर्मा को उनके आधिकारिक आवास पर पैसे बांटते हुए रंगे हाथों पकड़ा गया था।

ग्रेटर नोएडा में सुरक्षा को मिलेगा नया आयाम: लगाए जाएंगे 2739 सीसीटीवी कैमरे

इशिका मुख्य रिपोर्टर

क्षेत्र की सुरक्षा और निगरानी को आधुनिक बनाने की दिशा में ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण ने 2739 सीसीटीवी कैमरों की स्थापना की योजना बनाई है। यह पहल क्षेत्र में अपराध दर को कम करने, यातायात व्यवस्था को बेहतर बनाने और नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए एक महत्वपूर्ण कदम मानी जा रही है।

सुरक्षा के लिए नई पहल

प्राधिकरण के मुताबिक, यह परियोजना तीन चरणों में पूरी की जाएगी। इन कैमरों की मदद से न केवल हर गतिविधि पर नजर रखी जाएगी, बल्कि सार्वजनिक स्थानों पर होने वाले अपराधों को रोकने में भी मदद मिलेगी। इन सीसीटीवी कैमरों को ग्रेटर नोएडा के मुख्य स्थानों, सार्वजनिक क्षेत्रों और प्रमुख चौराहों पर लगाया जाएगा।

हाईटेक सिस्टम से लैस होंगे कैमरे

1. स्मार्ट फीचर्सः ये सीसीटीवी कैमरे उच्च-गुणवत्ता वाली रिकॉर्डिंग के साथ फेशियल रिकग्निशन, नाइट विजन और ऑटोमैटिक नंबर प्लेट पहचान जैसी तकनीकों से लैस होंगे।

2. केंद्रीय मॉनिटरिंग सिस्टमः सभी कैमरों को एक केंद्रीय कमांड सेंटर से जोड़ा जाएगा, जहां से रियल-टाइम मॉनिटरिंग की जाएगी।

3. आपातकालीन अलर्टः किसी भी आपातकालीन स्थिति में इन कैमरों से तुरंत अलर्ट जनरेट होगा, जिससे पुलिस और अन्य सुरक्षा बलों को त्वरित कार्रवाई करने में मदद मिलेगी।

यातायात और सुरक्षा को मिलेगा बढ़ावा

इस पहल के तहत यातायात नियमों के उल्लंघन पर भी नजर रखी जाएगी। कैमरों के जरिए ओवरस्पीडिंग, रेड लाइट जंपिंग और अन्य यातायात नियमों के उल्लंघन को रिकॉर्ड कर जुर्माना जारी किया जाएगा।

अधिकारियों का बयान

ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण के सीईओ ने कहा, ₹इस परियोजना का उद्देश्य शहर को स्मार्ट सिटी के रूप में विकसित करना है। इन कैमरों की मदद से अपराध पर अंकुश लगेगा और नागरिक खुद को अधिक सुरक्षित महसूस करेंगे।"

अपराध पर लगेगा लगाम

सीसीटीवी कैमरों की यह पहल ग्रेटर नोएडा में चोरी, झपटमारी, और अन्य अपराधों को कम करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। पुलिस विभाग के अनुसार, सीसीटीवी कैमरों की मौजूदगी अपराधियों पर मनोवैज्ञानिक दबाव बनाएगी, जिससे वे अपराध करने से पहले कई बार सोचेंगे।

लोगों की प्रतिक्रियाएं

नागरिकों ने इस पहल का स्वागत किया है। स्थानीय निवासी मानते हैं कि यह कदम न केवल सुरक्षा बढ़ाने में मदद करेगा, बल्कि शहर को स्मार्ट और सुरक्षित बनाने की दिशा में भी एक बड़ा योगदान देगा।

भविष्य की योजना

ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण इस परियोजना को जल्द से जल्द लागू करने का प्रयास कर रहा है। सीसीटीवी कैमरों की स्थापना पूरी होने के बाद, शहर को स्मार्ट सिटी मिशन के तहत और भी तकनीकी रूप से उन्नत बनाया जाएगा।

हमें अपने आसपास के असहाय और वंचित वर्ग के लिए योगदान देना चाहिए : वरिष्ठ समाजसेवी राजेश खुराना

असहाय और जरूरतमंदों की सेवा से न केवल उन्हें राहत मिलती है, बल्कि स्वयं को भी एक सुखद और संतोषजनक अनुभव प्राप्त होता है

आगरा, संजय साग़र सिंह। वरिष्ठ समाजसेवी राजेश खुराना की आत्मनिर्भर भारत फाउंडेशन हर साल असहाय जरूरतमंदों को गर्म कपड़े बांटने का निरंतर सरहानीय कार्य करती हैं, इसीक्रम में इस साल भी बढ़ती सर्दी से बचाव के लिए असहाय और जरूरतमंद लोगों को खाद्य सामग्री एवं गर्म कपड़े वितरण किये गए।

समाज में सेवा और परोपकार की भावना को प्रोत्साहित करने के लिए आत्मनिर्भर भारत फाउंडेशन के अध्यक्ष राजेश खुराना का योगदान अत्यंत सराहनीय है। उनका यह मानना है कि असहाय और जरूरतमंदों की सेवा से न केवल उन्हें राहत मिलती है, बल्कि स्वयं को भी एक सुखद और संतोषजनक अनुभव प्राप्त होता है। उनकी फाउंडेशन हर साल असहाय और जरूरतमंदों को गर्म कपड़े और खाद्य सामग्री वितरण का कार्य करती है, जिससे सर्दी से बचाव हो सके। इस वर्ष भी, इस पहल के तहत लोगों को सर्दी से बचने के लिए जरूरी सामग्री प्रदान की गई।

श्री खुराना ने कहा कि प्रत्येक व्यक्ति को समय निकालकर असहाय लोगों की मदद करनी चाहिए। हमारे जीवन में कामकाजी दबाव और व्यस्तता के बावजूद, हमें यह नहीं भूलना चाहिए कि जब भी अवसर मिले, हमें अपने आसपास के वंचित वर्ग के लिए योगदान देना चाहिए। उन्होंने यह भी बताया कि जब हम दूसरों की मदद करने का मन बनाते हैं, तो ऐसे लोग और संस्थाएं हमारे मार्गदर्शन में आ जाती हैं, जो हमें प्रेरित करती हैं। इस तरह के प्रयासों से समाज में सेवा और परोपकार की भावना फैलती है, जिससे समाज सशक्त और प्रगति की ओर बढ़ता है।

अंत में, श्री खुराना ने सभी से अपील की कि प्रत्येक सक्षम व्यक्ति को समाज के असहाय और जरूरतमंदों की मदद के लिए आगे आना चाहिए क्योंकि यही सच्ची मानवता है और इससे समाज का सर्वांगीण उत्थान भी संभव है। हर सक्षम व्यक्ति को असहाय जरूरतमंद लोगों की मदद के लिए समय निकालना चाहिए।

आईआईटी-जेईई मेन्स / एनईईटी यूजी -2025 के लिए गति, सटीकता में सुधार और नकारात्मक अंकन को कैसे कम करें ?

विजय गर्ग

जो छात्र आईआईटी-जेईई परीक्षा देते हैं, उन्हें कई शंकाओं और तनावपूर्ण विचारों का सामना करना पड़ता है। वे लगातार अचूक योजनाओं और कार्यक्रमों की तलाश में रहते हैं ताकि उन्हें अपना वांछित परिणाम मिल सके। इस लेख में, हम आपको जेईई/एनईईटी में गति और सटीकता में सुधार करने के कुछ तरीकों के बारे में बताना चाहते हैं और साथ ही जेईई मेन/एनईईटी यूजी २०२५ में नकारात्मक अंकों को कैसे कम करें। निम्नलिखित अनुभाग में, हमने कुछ यात्राएँ प्रस्तुत की हैं कि आप जेईई मेन/एनईईटी यूजी २०२५ के लिए उपस्थित होने के दौरान जो आप सबसे अधिक चाहते हैं उसे कैसे प्राप्त कर सकते हैं, महत्वपूर्ण बिंदुओं पर ध्यान दें- 1. अपनी परीक्षण रणनीति का पालन करें एक परीक्षण रणनीति बनाएं और मॉक टेस्ट और जेईई/एनईईटी परीक्षणों के दौरान उस पर कायम रहें। पूरे प्रश्नपत्र को विस्तार से पढ़कर खाली बैठने की कोशिश न करें। बस एक त्वरित नज़र ठीक है. उस खंड पर जाएं जिसे आपने पहले प्रयास करने के लिए चुना है और प्रश्नों को हल करना शुरू करें। २. प्रश्नों को ध्यानपूर्वक पढ़ना चाहिए क्या पूछा जा रहा है और आपको क्या दिया गया है, यह समझने के लिए प्रश्नों को ध्यान से पढ़ें। विकल्पों का स्पष्ट रूप से मिलान करें और उसके बाद ही प्रश्न हल करना शुरू करें। एक से अधिक सही उत्तर वाले प्रश्नों पर असाधारण विचार करें। ३. जल्दी से निर्णय लें कि आप प्रश्न का उत्तर दे सकते हैं या नहीं पेपर निपटाते समय अच्छे निर्णय की आवश्यकता है। यदि आप निश्चित हैं कि आप इसका उत्तर दे सकते हैं, तो आगे बढ़ें और इससे निपटें। यदि आपको यह पता नहीं है कि इसे कैसे हल किया जाए तो प्रश्न छोड़ दें। कोशिश करें कि उस प्रश्न से आपका समय बर्बाद न हो। यह निर्णायकता अभ्यास से बढ़ती है। परीक्षण देना जारी रखें. 4. जब भी आवश्यकता हो, बुद्धिमान अनुमान का उपयोग करें कभी-कभी आपको केवल अनुमान पर ही भरोसा करने की आवश्यकता होती है, खासकर तब जब आप किसी विशेष प्रश्न के बारे में निश्चित और अनिश्चित दोनों हों। यह कोई यादृच्छिक, मनमाना अनुमान नहीं होना चाहिए. इसके बजाय, आपको इसके पीछे कुछ विचार करना चाहिए और जो उत्तर आपको सही लगे उसे स्वीकार करना चाहिए। 5. एमसीक्यू को हल करने के लिए वैकल्पिक मार्ग जानें सामान्य एमसीक्यू परीक्षणों को हल करके शॉर्टकट या वैकल्पिक मार्ग और तरकीबें सीखें। ६. अपने मॉक टेस्ट को तोड़ें यदि आपको नकारात्मक अंक मिल रहे हैं, तो उस समय, आपको अपनी उत्तर पुस्तिकाओं का विश्लेषण करना होगा और अपनी गलतियों की पहचान करनी होगी। कमजोर क्षेत्रों पर काम करें और आकाओं से अपने संदेह दूर करें। जेईई मेन/नीट यूजी २०२५ में नकारात्मक अंकों से बचने के लिए महत्वपूर्ण 5 टिप्स जेईई मेन में नकारात्मक अंकों से बचने के लिए यहां 5 युक्तियां दी गई हैं: 1. अति आत्मविश्वास मूल्यांकन के दौरान आश्वस्त रहना एक अच्छा विचार है। फिर भी आत्मविश्वास और अति आत्मविश्वास में थोड़ा अंतर होता है। छात्र अक्सर प्रश्नों को पूरा पढ़े बिना ही उचित उत्तर पर निशान लगा देते हैं। नीट और आईआईटी जेईई परीक्षा के दौरान इससे बचना चाहिए। २. उत्साह कई प्रतियोगी पहली बार NEET या IIT-JEE परीक्षा में शामिल होते हैं। वे ऊर्जा के कारण गलतियाँ करते हैं। एनईईटी और आईआईटी-जेईई में, आपको प्रश्नों को सावधानी से पढ़ना होगा और साथ ही सही विकल्प चुनने से पहले चार विकल्पों को भी पढ़ना होगा। भले ही आपको प्राथमिक विकल्प में सही उत्तर मिले या न मिले, अन्य विकल्पों को सावधानी से तलाशें। ३. लालच जेईई मेन/नीट यूजी २०२५ में नकारात्मक अंकों से बचने के लिए 5 महत्वपूर्ण युक्तियों में से एक है लालच बनाए रखना। अधिकतर अभ्यर्थी लालच के कारण गलतियां कर बैठते हैं। वे कल्पना करते हैं कि सही उत्तर उन्हें 4 अंक देगा। इसके बाद, वे अक्सर सही उत्तर जाने बिना ही बड़ी संख्या में प्रश्नों का प्रयास करते हैं। 4. भाग्य परीक्षण कुछ उम्मीदवार परीक्षण के दौरान अपनी किस्मत का परीक्षण करते हैं। वे बिना जाने-समझे उद्देश्यहीन ढंग से अनियमित विकल्पों पर निशान लगा देते हैंसही उत्तर देना या प्रश्नपत्र पढ़ना भी। ये छात्र आम तौर पर - 10, - २६, - ३५, इत्यादि जैसे अंक प्राप्त करते हैं। 5. ओएमआर शीट का गलत भरना जेईई मेन/एनईईटी में नकारात्मक अंकों से बचने के लिए पांच युक्तियों में से एक ओएमआर शीट की गलत फाइलिंग को रोकना है। एनईईटी और आईआईटी-जेईई में, आपको सही विकल्प पर गोला लगाकर अपना उत्तर ओएमआर शीट में दर्ज करना होगा। ओएमआर शीट भरते समय कई छात्र गलतियां करते हैं। आईआईटी-जेईई/एनईईटी जैसी प्रवेश परीक्षाएं किसी भी अन्य चीज़ से अधिक आपकी निर्णायकता और समस्या-समाधान क्षमताओं का परीक्षण करती हैं। तो, आपको यह जानना होगा कि जेईई में गति और सटीकता कैसे बढ़ाएं और जेईई में नकारात्मक अंक कैसे कम करें। ऊपर बताए गए सुझावों का पालन करें और एक पेशेवर की तरह परीक्षा में सफलता प्राप्त करें। निष्कर्ष आईआईटी-जेईई/एनईईटी में उत्तीर्ण होने की खोज में चुनौती गति, सटीकता में महारत हासिल करने और नकारात्मक अंकन को कम करने में है। इस लेख का उद्देश्य छात्रों को जेईई मेन/एनईईटी यूजी २०२५ के लिए प्रभावी रणनीतियों के माध्यम से मार्गदर्शन करना है। मुख्य युक्तियों में परीक्षण रणनीति का पालन करना, प्रश्नों को ध्यान से पढ़ना, उत्तरों पर तुरंत निर्णय लेना, आवश्यक होने पर बुद्धिमान अनुमान लगाना और एमसीक्यू के लिए शॉर्टकट सीखना शामिल है। नकारात्मक अंकों से बचने के लिए, महत्वपूर्ण सलाह में अति आत्मविश्वास से बचना, उत्साह को नियंत्रित करना, लालच से प्रेरित प्रयासों से दूर रहना, भाग्य पर भरोसा न करना और ओएमआर शीट को सटीक रूप से भरना सुनिश्चित करना शामिल है। ये अंतर्दृष्टि उम्मीदवारों को निर्णय लेने के कौशल को तेज करने, आत्मविश्वास से परीक्षा देने और अंततः सफल होने के लिए सशक्त बनाती हैं।

विश्व में सर्वप्रथम इंदौर ऊर्जा साक्षर शहर की ओर अग्रसर

परिवहन विशेष न्यूज़

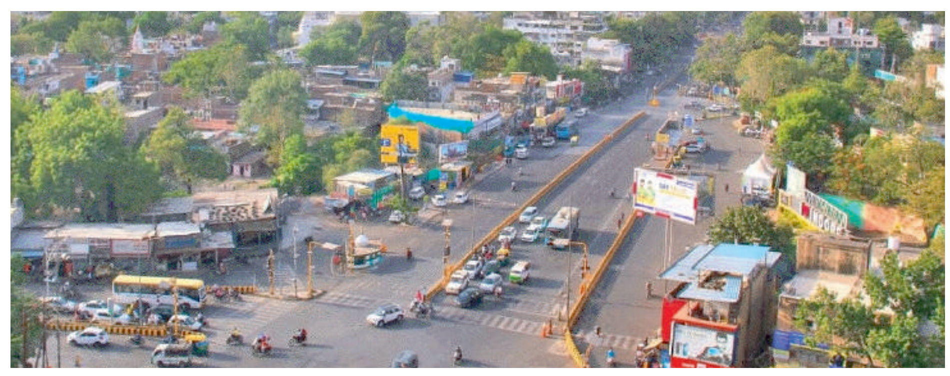

इंदौर नगर निगम ने एनर्जी स्वराज फाउंडेशन के सहयोग से 100 दिवसीय 'इंदौर क्लाइमेट मिशन' की शुरुआत की जिसका उद्देश्य इंदौर शहर को भारत का पहला ऊर्जा-साक्षर शहर बनाना है। इस अभिनव पहल का उद्देश्य शहर भर में बिजली की खपत और कार्बन उत्सर्जन को कम करना है।इंदौर के महापौर श्री पुष्यमित्र भार्गव ने बताया इंदौर लगातार पर्यावरणीय स्थिरता के प्रति अपनी प्रतिबद्धता प्रदर्शित करता रहा है। जिसका सबसे बड़ा उदाहरण इंदौर शहर का अपना क्लाइमेट एक्शन प्लान होना है। भारत देश में सात बार सबसे स्वच्छ शहर का खिताब जीतने के बाद अब क्लाइमेट मिशन की पहल इंदौरवासियों और नगर निगम के अथक समर्पण को दर्शाती है। एक अनुमान के आधार पर शहरों में एक परिवार से प्रतिदिन करीब 450 ग्राम कचरा पैदा होता है जो दिखाई देता है, जबकि ना दिखने वाला यानि कार्बन से जुडा कचरा करीब 27 किलो प्रतिदिन पैदा होता है। इसी सब को ध्यान में रखते हुए हमने एनर्जी स्वराज फाउंडेशन के साथ मिलकर एक नवाचार करने का निर्णय लिया है जिससे इंदौर की धरती की गर्मी को कम करने में योगदान दे सके। यह क्लाइमेट मिशन एक विरासत का निर्माण करेगा जो पर्यावरणीय संरक्षण के प्रति इंदौर की प्रतिबद्धता को प्रदर्शित करता है। एनर्जी स्वराज फाउंडेशन के संस्थापक प्रोफेसर चेतन सिंह सोलंकी ने मिशन के मुख्य उद्देश्यों के बारे में जानकारी देते हुए कहा की इंदौर अब न दिखने वाले कचरे पर ध्यान देने वाला है। 1 दिसंबर, 2024 से 10 मार्च, 2025 तक हमने सामूहिक रूप से इंदौर शहर की बिजली की खपत को कम करने का लक्ष्य रखा है। 3-5 लाख इंदौरवासियों को ऊर्जा खपत और कार्बन उत्सर्जन के बीच महत्वपूर्ण संबंध के बारे में शिक्षित करने के लिए एक व्यापक कार्यक्रम शुरू कर रहे हैं जिससे शहर भर में ऊर्जा साक्षरता को बढ़ावा मिलेगा। इसके साथ ही हम सक्रिय रूप से निवासियों को ऊर्जा-बचत की आदतें अपनाने के लिए प्रोत्साहित कर बिजली की खपत में 7-10% की कमी का स्वैच्छिक लक्ष्य निर्धारित करेंगे। इस सामूहिक प्रयास के माध्यम से, हम अगले एक वर्ष के भीतर करीब 20 करोड़ यूनिट बिजली की बचत कर एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर हासिल करना चाहते है। नागरिकों को प्रभावी ढंग से जोड़ने के लिए, एनर्जी स्वराज फाउंडेशन एक बहुआयामी दृष्टिकोण लागू कर रहा है। साइकिल चलाने के पर्यावरणीय लाभों के बारे में जागरूकता बढ़ाने और स्थायी परिवहन को बढ़ावा देने के लिए दैनिक साइकिल रैलियां आयोजित की जायेंगी। प्रोफेसर सोलंकी व्यक्तिगत रूप से स्कूलों, कॉलेजों और कॉर्पोरेट कार्यालयों में ऊर्जा संरक्षण कार्यशालाओं का संचालन कर रहे हैं, जबकि शाम को क्लाइमेट चौपाल निवासियों को जलवायु परिवर्तन, ऊर्जा संरक्षण और स्थायी जीवन शैली के बारे में जानने के लिए एक मंच प्रदान कर रहा है। प्रोफेसर सोलंकी ने आगे कहा ऊर्जा मानव अस्तित्व के सभी पहलुओं को चलाने वाली मूलभूत शक्ति है। अफसोस की बात है कि कार्बन-आधारित ऊर्जा स्रोतों पर हमारी निर्भरता के परिणामस्वरूप गंभीर और दूरगामी परिणाम सामने आए हैं, जिनमें ग्लोबल वार्मिंग और जलवायु परिवर्तन शामिल हैं, जो अब पूरे ग्रह के लिए एक महत्वपूर्ण खतरा बन गए हैं। इसलिए हमें ऊर्जा स्वराज को अपना कर, स्वच्छ ऊर्जा की ओर बढ़ना है इंदौर क्लाइमेट मिशन में छात्रों को जलवायु परिवर्तन और इसके प्रभावों के बारे में संवेदनशील बनाने के लिए एक मजबूत शैक्षिक घटक भी शामिल होगा। छात्रों को शामिल करने के लिए, क्विज़, प्रतियोगिताओं और जागरूकता अभियानों की एक श्रृंखला आयोजित की जाएगी, जिससे उन्हें जलवायु चैंपियन बनने के लिए सशक्त बनाया जाएगा। इसके अलावा, मिशन सड़क नाटकों, कला प्रतियोगिताओं और सोशल मीडिया अभियानों जैसे विभिन्न पहलों के माध्यम से समुदाय को सक्रिय रूप से शामिल करेगा, जिससे सार्वजनिक भागीदारी और सामूहिक कार्रवाई को बढ़ावा मिलेगा। यह पहल स्थानीय व्यवसायों को ऊर्जा की खपत को कम करने, प्रभावी अपशिष्ट प्रबंधन रणनीतियों को लागू करने और पर्यावरण के अनुकूल उत्पादों को बढ़ावा देने जैसे स्थायी प्रथाओं को अपनाने के लिए भी प्रोत्साहित करेगी।

सीबीएसई/आईसीएसई/राज्य बोर्ड परीक्षा 2025 की तैयारी के दौरान बचने योग्य गलतियाँ

विजय गर्ग

यहां शीर्ष 10 गलतियां दी गई हैं जो छात्र अक्सर अपनी परीक्षा की तैयारी के दौरान करते हैं, साथ ही उनसे बचने के लिए व्यावहारिक रणनीतियां भी दी गई हैं। सीबीएसई/आईसीएसई/राज्य बोर्ड परीक्षा भारत में प्रत्येक छात्र की शैक्षणिक यात्रा में अत्यधिक महत्व रखती है। भविष्य के शैक्षिक और कैरियर के अवसरों के प्रवेश द्वार के रूप में, सीबीएसई/आईसीएसई/राज्य बोर्ड परीक्षा 2025 सावधानीपूर्वक तैयारी और रणनीतिक योजना की मांग करती है। जैसे ही इस महत्वपूर्ण परीक्षा की उलटी गिनती शुरू होती है, छात्रों के लिए यह आवश्यक है कि वे न केवल अपनी पाठ्यपुस्तकों का अध्ययन करें बल्कि अपनी तैयारी यात्रा को भी समझदारी से पूरा करें। सामान्य गलतियों से बचने से आपके प्रदर्शन में महत्वपूर्ण अंतर आ सकता है। यहां शीर्ष 10 गलतियां हैं जो छात्र अक्सर अपनी परीक्षा की तैयारी के दौरान करते हैं, साथ ही उनसे बचने के लिए व्यावहारिक रणनीतियां भी दी गई हैं। 1. विलंब और देर से शुरुआत छात्रों द्वारा की जाने वाली सबसे आम गलतियों में से एक है अपने अध्ययन कार्यक्रम में देरी करना। जल्दी शुरुआत करना आवश्यक है क्योंकि इससे पाठ्यक्रम को धीरे-धीरे और पूरी तरह से समझने में मदद मिलती है। एक समय सारिणी बनाएं, यथार्थवादी लक्ष्य निर्धारित करें और अपनी अध्ययन योजना पर कायम रहें। जल्दी शुरुआत करने से रिवीजन और अभ्यास के लिए पर्याप्त समय मिलता है, जिससे परीक्षा से पहले आपका आत्मविश्वास बढ़ता है। 2. कुछ विषयों की उपेक्षा करना एक और गलती जो छात्र अक्सर करते हैं वह है कुछ विषयों या अध्यायों की उपेक्षा करना। सीबीएसई/आईसीएसई/राज्य परीक्षाओं में प्रत्येक विषय का महत्व होता है, इसलिए किसी एक को नजरअंदाज करने से आपके समग्र स्कोर पर काफी प्रभाव पड़ सकता है। प्रत्येक विषय को उसकी जटिलता और अपनी दक्षता के आधार पर समझदारी से समय आवंटित करें। यदि आपको कोई विशेष विषय चुनौतीपूर्ण लगता है तो शिक्षकों या सहपाठियों की मदद लें। 3. पिछले वर्षों के पेपर्स को देखना परीक्षा की तैयारी के लिए पिछले वर्षों के प्रश्नपत्रों का अभ्यास करना महत्वपूर्ण है। यह आपको परीक्षा पैटर्न, समय प्रबंधन और पूछे जाने वाले प्रश्नों के प्रकार को समझने में मदद करता है। इस मूल्यवान संसाधन को नजरअंदाज करने से आप परीक्षा संरचना की जानकारी से वंचित हो जाते हैं, जिससे प्रश्नों को प्रभावी ढंग से हल करना मुश्किल हो जाता है। पिछले वर्ष के अधिक से अधिक प्रश्नपत्रों को हल करें और कमजोर क्षेत्रों की पहचान करने के लिए अपने प्रदर्शन का विश्लेषण करें। 4. केवल एक अध्ययन सामग्री पर निर्भर रहना पूरी तरह से एक ही अध्ययन सामग्री पर निर्भर रहना एक गंभीर गलती है। प्रत्येक पुस्तक या संसाधन एक अद्वितीय परिप्रेक्ष्य और ज्ञान की गहराई प्रदान करता है। विषयों की व्यापक समझ हासिल करने के लिए विभिन्न प्रकार की पाठ्यपुस्तकों, संदर्भ गाइडों और ऑनलाइन संसाधनों का अन्वेषण करें। अपनी अध्ययन सामग्री में विविधता लाने से विभिन्न अवधारणाओं और समस्या-समाधान तकनीकों पर आपकी समझ बढ़ती है। 5. याद करने पर ध्यान दें बिना समझे याद करना एक सामान्य ख़तरा है। जानकारी को रटने से अल्पावधि में मदद मिल सकती है, लेकिन यह विषय वस्तु की गहरी समझ को बढ़ावा नहीं देती है। अंतर्निहित अवधारणाओं को समझने पर ध्यान दें। जानकारी को प्रभावी ढंग से समझने और बनाए रखने के लिए माइंड मैप, फ्लैशकार्ड और सारांश जैसी तकनीकों का उपयोग करें। समझ एक ठोस आधार सुनिश्चित करती है, जिससे परीक्षा में विविध और जटिल प्रश्नों का उत्तर देना आसान हो जाता है। 6. स्वास्थ्य और खुशहाली की उपेक्षा करना आपकी शारीरिक और मानसिक सेहत आपके परीक्षा प्रदर्शन पर महत्वपूर्ण प्रभाव डालती है। नींद की कमी, ख़राब आहार और अपर्याप्त व्यायाम आपकी एकाग्रता और याददाश्त को ख़राब कर सकते हैं। अपनी तैयारी की अवधि के दौरान संतुलित आहार, नियमित व्यायाम और पर्याप्त नींद को प्राथमिकता दें। तनाव को प्रबंधित करने और फोकस बनाए रखने के लिए ध्यान या योग जैसी विश्राम तकनीकों को शामिल करें। एक स्वस्थ शरीर और दिमाग आपकी अवशोषित करने और बनाए रखने की क्षमता को बढ़ाता हैजानकारी। 7. रिवीजन और प्रैक्टिस को नजरअंदाज करना छात्रों द्वारा की जाने वाली सबसे बड़ी गलतियों में से एक है पुनरीक्षण और अभ्यास की शक्ति को कम आंकना। केवल सामग्री पढ़ना ही पर्याप्त नहीं है; लगातार दोहराव सीखी गई अवधारणाओं को पुष्ट करता है और स्मृति प्रतिधारण को बढ़ाता है। अपनी समस्या-समाधान कौशल को बढ़ाने के लिए नियमित रिवीजन और सैंपल पेपर और मॉक टेस्ट को हल करने के लिए समय समर्पित करें। रिवीजन से परीक्षा के दौरान जानकारी याद रखने में भी मदद मिलती है, जिससे प्रदर्शन बेहतर होता है। 8. विचलित होना आज के डिजिटल युग में ध्यान भटकाने वाली चीजें हर जगह मौजूद हैं। सोशल मीडिया, गेम और मैसेजिंग ऐप्स आपका ध्यान भटका सकते हैं और पढ़ाई का कीमती समय बर्बाद कर सकते हैं। व्याकुलता-मुक्त अध्ययन वातावरण बनाएँ। सूचनाएं बंद करें, वेबसाइट ब्लॉकर्स का उपयोग करें और बिना किसी रुकावट के विशिष्ट अध्ययन घंटे निर्दिष्ट करें। अपने दोस्तों और परिवार को अपने अध्ययन कार्यक्रम के बारे में सूचित करें और एक केंद्रित अध्ययन माहौल बनाए रखने में उनका समर्थन मांगें। 9. समय प्रबंधन को नजरअंदाज करना प्रभावी समय प्रबंधन किसी भी परीक्षा में सफलता की कुंजी है। कई छात्र समयबद्ध मॉक टेस्ट का अभ्यास करने में असफल हो जाते हैं, जिससे वास्तविक परीक्षा के दौरान समय प्रबंधन ख़राब हो जाता है। अपनी गति और सटीकता में सुधार के लिए आवंटित समय के भीतर प्रश्नपत्रों को हल करने का अभ्यास करें। अपने अध्ययन के समय को अलग-अलग विषयों और विषयों के बीच बुद्धिमानी से विभाजित करें। पूरे पाठ्यक्रम का संतुलित कवरेज सुनिश्चित करते हुए, विषयों को उनके महत्व और अपनी दक्षता के स्तर के आधार पर प्राथमिकता दें। 10. परीक्षा के दौरान घबराना अंत में, परीक्षा के दौरान घबराना एक सामान्य लेकिन हानिकारक गलती है। चिंता आपके निर्णय को धूमिल कर सकती है और स्पष्ट रूप से सोचने की आपकी क्षमता में बाधा डाल सकती है। इससे निपटने के लिए विश्राम तकनीकों, गहरी सांस लेने और सकारात्मक दृश्यता का अभ्यास करें। खुद को अपनी तैयारी की याद दिलाएं और अपनी क्षमताओं पर भरोसा रखें। परीक्षा के दौरान अपना समय बुद्धिमानी से प्रबंधित करें, सबसे पहले उन प्रश्नों का उत्तर दें जिनके बारे में आप सबसे अधिक आश्वस्त हैं। परीक्षा अवधि के दौरान शांत और केंद्रित रहें। इन गलतियों को समझने और उनका समाधान करने से न केवल आपका आत्मविश्वास बढ़ सकता है, बल्कि आपके अध्ययन प्रयासों को भी अनुकूलित किया जा सकता है, जिससे अधिक प्रभावी और उपयोगी तैयारी अवधि सुनिश्चित होगी। याद रखें, स्मार्ट तरीके से पढ़ाई करना उतना ही महत्वपूर्ण है जितना मेहनत से पढ़ाई करना। इन गलतियों से बचकर और केंद्रित रहकर आप आत्मविश्वास के साथ सीबीएसई/आईसीएसई/स्टेट बोर्ड परीक्षा 2025 का सामना कर सकते हैं।

विश्व स्तर पर बिकने वाली इलेक्ट्रिक कारों के बारे में पांच बड़ी बातें, जो आपको जाननी चाहिए

परिवहन विशेष न्यूज

इलेक्ट्रिक वाहनों के लिए दुनिया भर में एक और तूफानी साल रहा। जिसका मुख्य कारण चीन में खरीदार थे, और यूरोप और संयुक्त राज्य अमेरिका के कुछ हिस्सों में प्रतिकूल परिस्थितियों के बावजूद बढ़ोतरी हुई।

दुनिया के सबसे बड़े ऑटो बाजार चीन के लिए यह मील का पत्थर साबित हुआ कि जुलाई में नई कारों की बिक्री में ईवी का हिस्सा 50 प्रतिशत तक पहुंच गया। इसमें प्योर बैटरी ईवी (BEV) और प्लग-इन हाइब्रिड इलेक्ट्रिक वाहन (PHEV) शामिल हैं। BYD जैसी चीनी कंपनियां अपने सस्ते ईवी के साथ दुनिया भर में अपनी पकड़ बना रही हैं।

इलेक्ट्रिक वाहनों ने यूरोप और अमेरिका में भी प्रगति की है। खरीद सब्सिडी के बारे में अनिश्चितता 2025 तक मामलों को जटिल बना सकती है, खास तौर पर अमेरिका में आने वाले ट्रंप प्रशासन के तहत। लेकिन मुख्यधारा के उपभोक्ता नए मॉडल, लंबी ड्राइविंग रेंज, बेहतर प्रदर्शन और कम कीमतों में रुचि रखते हैं।

इलेक्ट्रिक वाहनों की ओर संक्रमण स्वच्छ ऊर्जा की ओर बदलाव का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है। अंतर्राष्ट्रीय ऊर्जा एजेंसी के अनुसार, सड़क परिवहन ऊर्जा से होने वाले सभी वैश्विक उत्सर्जन का लगभग छठा हिस्सा है। व्यापक रूप से ईवी को अपनाने से जलवायु परिवर्तन को महत्वपूर्ण रूप से संबोधित किया जा सकता है।

इस साल इलेक्ट्रिक वाहनों को दुनियाभर में किस तरह पसंद किया गया। इस बारे में हम आपको 5 बड़ी बाते बता रहे हैं। इसका ज्यादातर डेटा कंसल्टेंसी रो मोशन से आया है।

नवंबर तक वैश्विक ईवी बाजार, जिसमें प्योर ईवी और प्लग-इन हाइब्रिड शामिल हैं, में साल-दर-साल 25 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई।

रो मोशन का अनुमान है कि वर्ष के आखिर तक दुनिया भर में 15.2 मिलियन ईवी बिक चुके हैं। और अंतर्राष्ट्रीय ऊर्जा एजेंसी को उम्मीद है कि दुनिया भर में बिकने वाली पांच कारों में से एक इलेक्ट्रिक वाहन की बिक्री होगी। इनमें से ज्यादातर चीन में बिकीं।

नई कारों में ईवी की हिस्सेदारी सबसे ज्यादा कहां बढ़ी?

रो मोशन के अनुसार, मेक्सिको ने पिछले साल की तुलना में इस साल लगभग 5 गुना ज्यादा ईवी बेचीं। जिनमें से ज्यादातर चीनी पावरहाउस ऑटोमेकर BYD की थीं।

क्योंकि चीन की जनसंख्या बहुत अधिक है। इसलिए इस वर्ष अब तक हुई 40 प्रतिशत की बढ़ोतरी का मतलब है कि इलेक्ट्रिक वाहनों की संख्या में मेक्सिको की पांच गुना से कहीं ज्यादा बढ़ोतरी हुई है।

अन्य उल्लेखनीय क्षेत्र यूनाइटेड किंगडम हैं, जहां इस साल अब तक बिक्री में लगभग 17 प्रतिशत का इजाफा देखा गया। फ्रांस और जर्मनी से इसकी तुलना करना दिलचस्प है, जहां बिक्री में गिरावट देखी गई।

तुर्की में, ईवी बाजार में इस साल अब तक लगभग 50 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई है। जिसकी वजह पिछले साल टेस्ला का बाजार में प्रवेश और तुर्की की ऑटो कंपनी Togg (टॉग) का अपनी बिक्री में तेजी लाना है।

नॉर्वे में, जो कई वर्षों से इलेक्ट्रिक वाहनों की हिस्सेदारी के मामले में पहले नंबर पर रहा है, 90 प्रतिशत नई कारें ईवी थीं।

दुनिया भर में और संयुक्त राज्य अमेरिका में सबसे ज्यादा बिकने वाला इलेक्ट्रिक वाहन कौन सा था?

रो मोशन के अनुसार, दुनिया भर में और अमेरिका में सबसे ज्यादा बिकने वाले प्योर इलेक्ट्रिक वाहन टेस्ला मॉडल वाई थे, उसके बाद टेस्ला मॉडल 3 थे।

मॉडल वाई एसयूवी को 2020 में लॉन्च किया गया था। आज इसके बेस वर्जन की कीमत लगभग 45,000 डॉलर है।

मॉडल 3 को 2017 में लॉन्च किया गया था। इसका सबसे सस्ता वर्जन लगभग 42,000 डॉलर में बिकता है।

दोनों इलेक्ट्रिक कार अमेरिका में 7,500 डॉलर टैक्स क्रेडिट के लिए पात्र हैं।

रो मोशन के अनुसार, अक्तूबर तक टेस्ला की बाजार हिस्सेदारी दुनिया भर में सभी इलेक्ट्रिक कारों में 17 प्रतिशत थी।

अक्तूबर तक अमेरिका में टेस्ला की बाजार हिस्सेदारी 49% थी। इसका मतलब है कि कंपनी के पास अभी भी सबसे बड़ी ईवी बाजार हिस्सेदारी है। लेकिन इसकी पकड़ कम होती जा रही है। क्योंकि अन्य ऑटो कंपनियां मिलकर इलेक्ट्रिक वाहनों की बिक्री बढ़ा रही हैं। उदाहरण के लिए, जीएम, फोर्ड, होंडा और अन्य कंपनियां कम कीमत और साइज में ईवी की एक विस्तृत विविधता पेश कर रही हैं। और टेस्ला की लंबे समय से चली आ रही बढ़त को कम कर रही हैं।

2025 में किआ की ये 4 कारें हो सकती है लॉन्च, लिस्ट में सिरोस से लेकर केरेंस EV तक शामिल

परिवहन विशेष न्यूज

साल 2025 में किआ इंडिया भारतीय बाजार में अपनी चार नई गाड़ियों को लॉन्च करने की तैयारी कर रही है। जिसमें Kia Syros Carens EV Carens 2025 और EV6 Facelift शामिल है। Kia अपनी इन Cars की मदद से भारतीय बाजार में अपना स्थिति को और भी ज्यादा मजबूत करने जा रही है। 2025 में ये Kia की ये Cars कब लॉन्च हो सकती है।

नई दिल्ली। साल 2025 में Kia भारतीय बाजार में अपने लाइनअप को बढ़ाने का प्लान कर रही है। जिसमें कुछ गाड़ियों को वह भारत मोबिलिटी ग्लोबल एक्सपो 2025 में पेश कर सकती है। कंपनी की इस लाइनअप में इलेक्ट्रिक कार से लेकर ICE तक शामिल है। कंपनी साल 2025 कुछ नए मॉडल के साथ ही कुछ के फेसलिफ्ट तक को ला सकती है। आइए जानते हैं कि साल 2025 में Kia कौन-सी गाड़ियां लॉन्च कर सकती है।

1. Kia Syros

लॉन्च की तारीखः 17 जनवरी 2025

एक्सपेक्टेड कीमतः 9.7 लाख रुपये

Kia Syros का ग्लोबल डेब्यू हाल ही में भारत में किया है, जो जल्द ही भारत मोबिलिटी ग्लोबल एक्सपो 2025 में लॉन्च होगी। इसमें मॉडर्न और प्रीमियम फीचर्स का बेहतरीन कॉम्बिनेशन दिया गया है। इसे 2.3 इंच का टचस्क्रीन इंफोटेनमेंट सिस्टम, वायरलेस एंड्रॉयड ऑटो और एप्पल कारप्ले, डिजिटल ड्राइवर डिस्प्ले, 64-कलर एम्बियंट लाइटिंग, वेंटिलेटेड सीट्स और Harman/Kardon साउंड सिस्टम जैसे फीचर्स से लैस किया गया है।

2. Kia Carens EV

एक्सपेक्टेड लॉन्चः अप्रैल 2025

एक्सपेक्टेड कीमतः 15 लाख रुपये

Kia Carens पहले से ही भारत में एक बेस्ट-सेलिंग MPV है। इसका अब इलेक्ट्रिक वर्जन साल 2025 में लॉन्च हो सकती है। Kia Carens EV में इसके ICE वेरिएंट की तरह ही डिजाइन और स्पेस मिल सकता है। यह पूरी तरह से इलेक्ट्रिक कार होने वाली है। जिसकी वजह से इसके डिजाइन और इंटीरियर्स में कुछ बदलाव देखने के लिए मिल सकते हैं। वहीं, यह फैमिली के एक बेहतरीन इलेक्ट्रिक कार साबित हो सकती है।

3. Kia Carens 2025

एक्सपेक्टेड लॉन्चः जून 2025

एक्सपेक्टेड कीमतः 11 लाख रुपये

साल 2025 में किआ इंडिया Carens का फेसलिफ्ट लॉन्च कर सकती है। फेसलिफ्ट मॉडल में नए स्टाइलिश एलिमेंट्स, जैसे कि नई फ्रंट ग्रिल, नया लाइटिंग सेटअप और नई alloy व्हील्स दिए जा सकता है। वहीं, इसका इंटीरियर भी बदला हुआ हो सकता है। इसमें नया इसे नए इंफोटेनमेंट सिस्टम, वायरलेस स्मार्टफोन इंटीग्रेशन और एक्स्ट्रा सेफ्टी फीचर्स से लैस किया जा सकता है।

4. Kia EV6 Facelift

एक्सपेक्टेड लॉन्चः अक्टूबर 2025

एक्सपेक्टेड कीमतः 63 लाख रुपये

Kia की फ्लैगशिप इलेक्ट्रिक कार EV6 को साल 2025 में बड़े अपडेट के साथ लॉन्च किया जा सकता है। इसमें पहले से बेहतरी रेंज, चार्जिंग कैपेसिटी और नई टेक्नोलॉजी दी जा सकती है। इसके इंटीरियर को भी अपडेट किया जा सकता है। वहीं, EV6 Facelift को फ्यूचरिस्टिक डिज़ाइन और प्रीमियम फीचर्स से लैस किया जा सकता है।

किआ सिरोस के वो 5 बेहतरीन फीचर्स, इसे बनाते हैं सेगमेंट में सबसे अलग और खास

परिवहन विशेष न्यूज

Kia Syros अपने नवीनतम तकनीकी फीचर्स जैसे कि लेवल 2 ADAS रियर सीट वेंटिलेशन और मल्टीपल रियर सीट एडजस्टमेंट्स जैसे फीचर्स से लैस किया गया है। अगर आप ऐसी एसयूवी की तलाश में है जो कम्फर्ट सुरक्षा और प्रीमियम का एक्सपीरिएंस प्रदान करें तो आप इसकी बुकिंग 3 जनवरी से कर सकते हैं। आइए इसके बारे में विस्तार में जानते हैं।

नई दिल्ली। किआ इंडिया ने अपनी Kia Syros SUV को भारतीय बाजार में पेश किया है। यह पूरी तरह से नई सब-4 मीटर एसयूवी है। किआ अपनी इस नई एसयूवी के जरिए वह अपनी ग्राहकों को ज्यादा स्पेस, शानदार कंफर्ट और कुछ नए फीचर्स के साथ एक बेहतरीन ड्राइविंग एक्सपीरिएंस देता है। आइए जानते हैं कि Kia Syros के 5 बेहतरीन फीचर्स के बारे में जानते हैं, जो इसे अपने सेगमेंट में खास बनाते हैं।

1. 5-इंच डिस्प्ले के साथ डेडिकेटेड एसी कंट्रोल

Kia Syros में 5-इंच का डिस्प्ले दिया गया है, जिसे केवल एसी कंट्रोल के लिए दिया गया है। इस फीचर को इस सेगमेंट में पूरी तरह से नया है। यह फीचर बाकी किसी दूसरी कार में देखने के लिए नहीं मिलता है। यह डिस्प्ले क्लाइमेट कंट्रोल को और भी सुविधाजनक और सटीक बनाता है।

2. लेवल 2 ADAS (एडवांस्ड ड्राइवर असिस्टेंस सिस्टम)

Kia Syros में लेवल 2 ADAS का फीचर दिया गया है, जो 16 तरह के ड्राइवर असिस्टेंस फीचर्स से लैस है। यह फीचर्स ड्राइवर को ज्यादा सेफ सफर का अनुभव देते हैं। साथ ही, यह सिस्टम ड्राइविंग के दौरान एक्स्ट्रा सेफ्टी और आराम प्रदान करता है, जिससे हर यात्रा को सुखद और सुरक्षित बनाया जा सकता है।

फ्रंट कोलिजन वॉर्निंग और अवॉइडेंस असिस्ट

लेन कीप असिस्ट

रियर क्रॉस-ट्रैफिक अलर्ट

ब्लाइंड स्पॉट मोनिटरिंग

3. रियर सीट वेंटिलेशन

किआ साइरोस के रियर सीट्स के लिए वेंटिलेशन का फीचर दिया गया है। इस सेगमेंट में आने वाली ज्यादातर कारों में फ्रंट सीट्स में वेंटिलेशन का फीचर मिलता है, लेकिन साइरोस में फ्रंट और रियर सीट्स दोनों में यह फीचर्स मिलता है। इसका फायदा सबसे ज्यादा गर्मी के मौसम में मिलेगा।

4. पैनोरामिक सनरूफ

Kia Syros में ड्यूल-पेन पैनोरामिक सनरूफ दिया गया है, जो केबिन और भी ज्यादा खुला और हावादार बनाता है। यह सनरूफ कार के पीछे तक जाती है, जिसमें पैसेंजर को नेचुरल रोशनी का भरपूर आनंद मिलेगा। इसकी वजह का कार का इंटीरयर्स और भी प्रीमियम महसूस होता है। यह लंबे सफर के दौरान एक बेहतरीन एक्सपीरिएंस मिलेगा।

5. रियर सीट्स के लिए मल्टीपल एडजस्टमेंट्स

Kia Syros के रियर सीट्स और रिक्लाइन और स्लाइडिंग एडजस्टमेंट जैसे फीचर्स दिए गए हैं। इस फीचर की मदद से रियर पैसेंजर्स अपनी सीट को आरामदायक स्थिति में सेट कर सकते हैं। इससे पैसेंजर अपनी सुविधानुसार सीट का झुकाव और स्थिति को बदलने की सुविधा मिलती है।

किआ सिरोस की एक्पेक्टेड कीमत और लॉन्च

किआ सिरोस की कीमतों का ऐलान अगले महीने किया जाएगा, और 3 जनवरी 2025 से इसकी बुकिंग शुरू होगी। सिरोस की कीमत भारतीय बाजार में काफी प्रतिस्पर्धी होने की उम्मीद है, और इसकी उपरोक्त फीचर्स इसे खरीदारों के लिए एक आकर्षक विकल्प बना सकते हैं।

नए रंगरूप में आई सुजुकी हायाबुसा, स्मार्ट क्रूज कंट्रोल समेत मिले एडवांस फीचर्स

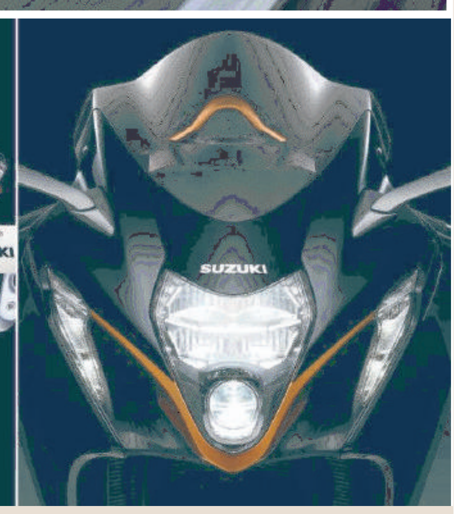

परिवहन विशेष न्यूज

2025 Suzuki Hayabusa को नए कलर और अपग्रेडेड फीचर्स के साथ ग्लोबल बाजार में पेश किया गया है। इसे पहले से ज्यादा पावरफुल और शानदार लुक दिया गया है। इसे साल 2025 में भारतीय बाजार में पेश किया जा सकता है। वहीं उम्मीद है कि नई हायाबुसा को भारत मोबिलिटी ग्लोबल एक्सपो 2025 में पेश किया जा सकता है। आइए जानते हैं इसके बारे में।

नई दिल्ली। Suzuki ने अपनी Hayabusa मोटरसाइकिल के 2025 मॉडल को ग्लोबल मार्केट में पेश किया गया है। इस बाइक को कुछ नए कलर और फीचर्स के साथ अपग्रेड किया गया है। हालांकि, इसके इंजन और मैकेनिकल हिस्से में किसी तरह का कोई बदलाव नहीं किया गया है। आइए जानते हैं कि 2025 Suzuki Hayabusa को किन खास फीचर्स के साथ लाया गया है।

नए कलर ऑप्शन

2025 Suzuki Hayabusa को तीन नए कलर ऑप्शन में लेकर आया गया है, जो मेटैलिक मैट ग्रीन / मेटैलिक मैट टाइटेनियम सिल्वर, ग्लास स्पार्कल ब्लैक, और मेटैलिक मिस्टिक सिल्वर / पर्ल विगर ब्लू है। इन नए रंगों के साथ बाइक का लुक और भी कूल और अट्रैक्टिव हो जाता है, जो राइडर्स के लिए नया ऑप्शन मिलता है।

अपडेटेड लॉन्च कंट्रोल और स्मार्ट क्रूज कंट्रोल

हायाबुसा के नए वर्जन में भी लॉन्च कंट्रोल को भी पहले से बेहतर रखा गया है। अब लॉन्च कंट्रोल मोड्स को ज्यादा लाइनियर और कंट्रोल को पहले से ज्यादा बेहतर बनाया गया है, इससे राइडर्स को ट्रैक पर बेहतर परफॉर्मेंस मिलेगी। इसके साथ ही इसमें नया स्मार्ट क्रूज कंट्रोल सिस्टम को शामिल किया गया है, जो राइडर के जरिए गियर बदलने पर अपने आप बंद नहीं होता है, खासकर जब क्विक शिफ्टर का इस्तेमाल किया जाता है।

इंजन और पावर

इसके इंजन की बात करें तो इसमें किसी तरह का बदलाव नहीं किया गया है। 2025 Suzuki Hayabusa में ,340cc, इनलाइन 4-सिलेंडर इंजन का इस्तेमाल किया गया है, जो 190 bhp की पावर और 142 Nm का टॉर्क जनरेट करता है। इसके इंजन को छह-स्पीड गियरबॉक्स के साथ जोड़ा गया है। इसमें असिस्ट और स्लिपर क्लच और क्विक शिफ्टर भी शामिल किया गया है।

फीचर्स

नई हायाबुसा में कई इलेक्ट्रॉनिक फीचर्स को शामिल किया गया है। इसे मल्टीपल पावर मोड्स, एंटी-लिफ्ट कंट्रोल, इंजन ब्रेक कंट्रोल, एक्टिव स्पीड लिमिटर, हिल होल्ड, क्रूज़ कंट्रोल और ABS जैसे फीचर्स से लैस किया गया है। यह फीचर्स बाइक को और भी सेफ और राइड करने में आसान बनाते हैं।

ब्रेकिंग और सस्पेंशन

यह एक सुपर स्पोर्ट बाइक है, जिसकी वजह से इसमें बेहतरीन ब्रेकिंग सिस्टम दिया गया है। इसमें ब्रेकिंग जिम्मेदारी Brembo कैलिपर्स पर है। इसमें KYB फोर्क्स सस्पेंशन का इस्तेमाल किया गया है। यह बाइक को बेहतर स्थिरता और कम्फर्ट देता है।

भारत में लॉन्च और कीमत

भारत में सुजुकी हायाबुसा की एक्स-शोरूम कीमत 16.90 लाख है। उम्मीद की जा रही है कि 2025 मॉडल जल्दी ही भारतीय बाजार में लॉन्च हो सकती है। इसे भारत मोबिलिटी ग्लोबल एक्सपो 2025 में पेश किया जा सकता है।

नए साल पर खरीदने जा रहे नई कार, इन 6 चीजों का रखें ध्यान

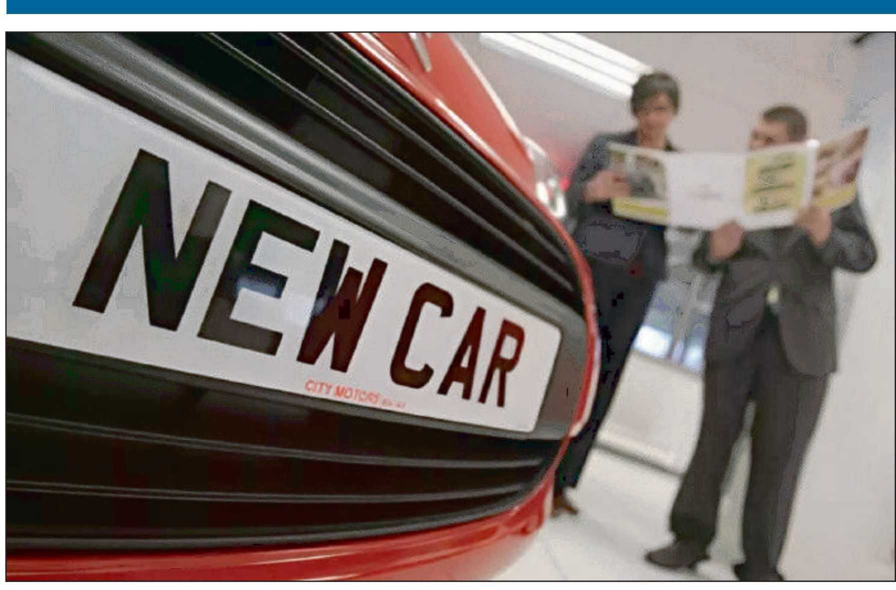

परिवहन विशेष न्यूज

अगर आप नए साल पर नई कार खरीदने का प्लान बना रहे हैं तो यह खबर आपके लिए ही है। हम यहां पर आपको बता रहे हैं कि जब आप नई कार खरीदने जाए तो किन 6 बातों का ध्यान रखना चाहिए। साथ ही यह भी बता रहे हैं कि नई कार में किन चीजों को जरूर चेक करना चाहिए।

नई दिल्ली। बहुत से लोग नए साल के मौके पर नई कार खरीदते हैं। नए साल के मौके पर घर में नई कार के आगमन पर सभी लोग खुश होते हैं, लेकिन इस दौरान आपको कुछ बातों का ध्यान रखना चाहिए। जब आप नया वाहन खरीदते हैं को कार बीमा पॉलिसी खरीदना से लेकर और भी दूसरी चीजें जरूरी होती है। इसे देखते हुए हम यहां पर आपको बता रहे हैं कि नई कार खरीदने के दौरान किन बातों का ध्यान रखना चाहिए।

1. बजट

सबसे पहली और सबसे जरूरी बात जिसके बारे आपको जरूर सोचना चाहिए वह है बजट। जब आप अपनी पसंदीदा कार खरीदने जा रहे हैं तो उसका बजट जरूर तैयार कर लें। जब आप अपनी पसंदीदा कीमत की गणना करें तो इस दौरान उसके एक्स-शोरूम कीमत, बीमा लागत, लगाए गए सामान जैसी चीजों के बारे में जरूर पता करें।

2. कार मॉडल

आपको अपनी जरूरत के आधार के हिसाब से पता होना चाहिए कि आपको किस तरह की कार चाहिए। भारतीय बाजार में हैचबैक, सेडान और एसयूवी जैसे बॉडी मॉडल मिलते हैं। आपको यह जरूर पता होना चाहिए कि आपको किस तरह की गाड़ी की जरूरत है, क्योंकि बॉडी टाइप के आधार पर, वाहन की कीमत भी अलग-अलग होती है।

3. सेफ्टी रेटिंग

कोई भी कार खरीदने के दौरान आपको यह जरूर देखना चाहिए कि वह कितने सेफ्टी फीचर्स के साथ आती है। साथ ही यह भी जरूर देखें कि उसकी सेफ्टी रेटिंग कितनी है। अगर आप अच्छी सेफ्टी रेटिंग वाली एक कार लेते हैं तो सफर के दौरान आप दुर्घटनाओं से सुरक्षित रहने में आपकी मदद मिलेगी।

4. कार के फीचर्स

हर कार में अलग-अलग फीचर्स देखने के लिए मिल सकते हैं। इसलिए, हर कार के फीचर्स को ध्यान से देखना चाहिए, उनकी तुलना भी करना चाहिए और उसी के अनुसार आपको अपनी कार का चुनाव करना चाहिए।

5. रीसेल वैल्यू चेक करें

बहुत से लोग नई कार खरीदने के बाद उससे कुछ वर्षों में बोर हो जाते हैं और वह उसे बेचकर नई कार खरीदते हैं। अगर आप भी ऐसा करते हैं या फिर ऐसा सोचते हैं तो आप जिस कार को खरीदने जा रहे हैं उसकी रीसेल वैल्यू के बारे में जरूर पता करें। कुछ कंपनियां दूसरों की तुलना में अपनी कीमत बेहतर बनाए रखते हैं, जो बाद में कार को बेचने या ट्रेड इन करने पर आपको अपनी कार की अच्छी कीमत मिल जाती है।

6. टेस्ट ड्राइव लें

नई कार खरीदने के दौरान आपको उसकी टेस्ट ड्राइव जरूर लेना चाहिए। भले ही आपको कार से जुड़ी हर चीज के बारे में पता हो फिर भी आपको टेस्ट ड्राइव लेना चाहिए। इससे आपको पता चलता है कि वह कार आपके रोजाना इस्तेमाल करे लिए सही है या फिर नहीं। वहीं, उसे चलाने के दौरान आपको कितना आराम महसूस होता है।

मार्गदर्शन की आवश्यकता/क्षेत्र, सिद्धांत, परामर्श के उद्देश्य

विजय गर्ग

परिचय हम सामाजिक प्राणी हैं और हमें अपने जीवन को नियमित करने के लिए कभी न कभी किसी प्रकार की सहायता की आवश्यकता होती है। किसी बाहरी कारक - मार्गदर्शक - द्वारा किसी व्यक्ति की भावनात्मक, मानसिक और शारीरिक क्रियाओं के इस सकारात्मक विनियमन को मार्गदर्शन कहा जाता है। मार्गदर्शन उतना ही पुराना है जितनी सभ्यता। लोग शुरू से ही अपनी गतिविधियों को विनियमित करने के लिए एक-दूसरे पर निर्भर रहे हैं, इस हद तक कि एक-दूसरे का मार्गदर्शन करना जीवन का तरीका रहा है। यह कई लोगों द्वारा उपयोग की जाने वाली पारंपरिक पद्धति में से एक रही है। माता-पिता, दादा-दादी, शिक्षक, मित्र आदि शांतिपूर्ण और सफल जीवन के लिए व्यक्तियों का मार्गदर्शन करते हैं। हालाँकि, औद्योगीकरण और बदलती जीवनशैली के कारण वर्तमान समय में पेशेवर मार्गदर्शन की आवश्यकता महसूस की जा रही है। 1.2 मार्गदर्शन का अर्थ मार्गदर्शन का अर्थ है किसी व्यक्ति की प्रगति और विकास के लिए ₹निर्देश देना₹, ₹मदद करना₹, ₹सिफारिश करना₹। मनुष्य को अपने पूरे जीवन काल में मार्गदर्शन की आवश्यकता होती है और उसके सामने आने वाला प्रत्येक व्यक्ति विकास, उपलब्धि और सर्वांगीण प्रगति के लिए मार्गदर्शन प्रदान करता है। यह एक अनुभवी व्यक्ति द्वारा कम अनुभवी व्यक्ति को दी गई सहायता है। व्यक्ति के सामने आने वाले कुछ मुद्दों जैसे शिक्षा, करियर, व्यक्तिगत आदि को हल करने के लिए सहायता प्रदान की जाती है। मार्गदर्शन को एक अवधारणा एवं प्रक्रिया माना जाता है। एक अवधारणा के रूप में मार्गदर्शन किसी व्यक्ति के इष्टतम विकास से संबंधित है और एक प्रक्रिया के रूप में व्यक्ति को स्वयं का मूल्यांकन करने में मदद करता है और खुद को (ताकत, कमजोरियां, सीमाएं आदि) समझने में मदद करता है। ₹मार्गदर्शन किसी भी उम्र के व्यक्ति को अपने जीवन की गतिविधियों को प्रबंधित करने, निर्णय लेने और अपने जीवन में सफल होने में मदद करने के लिए योग्य और प्रशिक्षित कर्मियों द्वारा उपलब्ध कराई गई सहायता है₹। 1.3 मार्गदर्शन का दायरा किसी भी व्यक्ति को किसी भी समय निर्देशित किया जा सकता है और इसमें विभिन्न आयु, रुचियों, व्यक्तित्व या प्रकृति के व्यक्ति शामिल हो सकते हैं। प्रत्येक व्यक्ति के लिए उसकी आवश्यकताओं के अनुसार मार्गदर्शन तैयार किया जाना चाहिए। मार्गदर्शन का दायरा है: आवश्यक जानकारी और सहायता प्रदान करें व्यक्तियों को बुद्धिमानीपूर्ण विकल्प चुनने में सहायता करें स्वयं के बारे में अपनी समझ में सुधार करें परिवर्तनों या नए वातावरण के अनुकूल ढलने में सहायता करें व्यक्ति को आत्मनिर्भर एवं स्वतंत्र बनायें लोगों को उनकी क्षमताओं और प्रतिभाओं का कुशल उपयोग करने में सहायता करें व्यक्तिगत और व्यावसायिक विकास को प्रोत्साहित करें किसी व्यक्ति के शारीरिक, मनोवैज्ञानिक, भावनात्मक, सामाजिक और आध्यात्मिक विकास को बढ़ावा दें समग्र विकास और उत्पादक जीवन जीने में मदद करें 1.4 मार्गदर्शन की आवश्यकता मार्गदर्शन की हर समय आवश्यकता होती है और मार्गदर्शन की आवश्यकता सार्वभौमिक है। यह इस तथ्य पर आधारित है कि मनुष्य को कभी न कभी मार्गदर्शन की आवश्यकता होती है। जोन्स ने ठीक ही कहा है, "प्रत्येक व्यक्ति को अपने जीवन में कभी न कभी सहायता की आवश्यकता होती है। कुछ को लगातार और पूरे जीवन भर इसकी आवश्यकता होगी, जबकि अन्य को बड़े संकट के समय केवल दुर्लभ अंतराल पर इसकी आवश्यकता होगी। ऐसे लोग हमेशा रहे हैं और रहेंगे जिनकी कभी-कभार आवश्यकता होती हैसमस्या की स्थिति से निपटने में पुराने या अधिक अनुभवी सहयोगियों की मदद₹।

आजकल मार्गदर्शन की अधिक आवश्यकता है, क्योंकि प्रौद्योगिकी में प्रगति, सामाजिक परिवर्तन, जीवन शैली में बदलाव, वैश्वीकरण, औद्योगीकरण, लोगों की अपेक्षाएं और नैतिक मूल्यों के मानकों में बदलाव, ये सभी आवश्यकता में योगदान करते हैं। जीवन के हर चरण और हर क्षेत्र में मार्गदर्शन। 1.4.1 व्यक्तिगत आवश्यकताएँ: बदलती जीवनशैली और सामाजिक बदलाव के कारण व्यक्तियों को कई व्यक्तिगत समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है। चूंकि प्रत्येक व्यक्ति अलग है और उनकी जरूरतें अलग-अलग हैं, इसलिए मार्गदर्शन की आवश्यकता है: प्रत्येक विकास चरण के दौरान (किशोर वर्ष, वयस्क वर्ष आदि) किसी व्यक्ति के समग्र/इष्टतम विकास के लिए। किसी व्यक्ति की विभिन्न समस्याओं के समाधान के लिए। किसी व्यक्ति में क्षमताओं को जागृत करने के लिए। जीवन के विभिन्न चरणों (विवाह, परिवार, अलगाव, खाली घोंसला चरण आदि) पर व्यक्तियों का मार्गदर्शन करना। 1.4.2 शैक्षिक आवश्यकताएँ: शैक्षिक क्षेत्र प्रतिस्पर्धी होता जा रहा है और शैक्षिक क्षेत्र में तेजी से विस्तार हो रहा है। इसने छात्रों को हर मोड़ पर मार्गदर्शन करने का मार्ग प्रशस्त किया है, जिससे वे सफल और लक्ष्योन्मुख व्यक्ति बन सके हैं। शैक्षिक मार्गदर्शन विभिन्न कारणों से प्रदान किया जा सकता है जैसे: किसी व्यक्ति की शैक्षणिक वृद्धि और इष्टतम उपलब्धि "उपलब्ध विविध पाठ्यक्रमों के उचित आवंटन में छात्रों का मार्गदर्शन करना। व्यक्तियों को उनकी ताकत का एहसास कराने और उन्हें कौशल पर काम करने में सक्षम बनाने के लिए मार्गदर्शन करना। शिक्षा क्षेत्र में गुणात्मक सुधार के लिए मार्गदर्शन मिल सके. कैरियर/व्यावसायिक आवश्यकताएँ: व्यक्तियों को मार्गदर्शन सेवाओं की आवश्यकता होती है जबकि विकल्प व्यावसायिक आवश्यकताओं के आधार पर चुने जाते हैं। मार्गदर्शन किसी व्यक्ति की व्यावसायिक दक्षता में सुधार करने में मदद करता है। व्यावसायिक मार्गदर्शन राष्ट्रीय विकास/आर्थिक विकास में सहायक होता है। उपलब्ध कैरियर विकल्पों के बारे में जागरूकता। श्रम आवश्यकताओं और जनशक्ति के बीच संतुलन। 1.5 मार्गदर्शन के सिद्धांत मार्गदर्शन निम्नलिखित सिद्धांतों पर आधारित है: 1. व्यक्ति के जटिल व्यक्तित्व पैटर्न का प्रत्येक पहलू उसके कुल प्रदर्शित दृष्टिकोण और व्यवहार के रूप का एक महत्वपूर्ण कारक बनता है। मार्गदर्शन सेवा जिसका उद्देश्य अनुभव के किसी विशेष क्षेत्र में वांछनीय समायोजन लाना है, को व्यक्ति के सर्वांगीण विकास को ध्यान में रखना चाहिए। 2.यद्यपि सभी मनुष्य कई मायनों में समान हैं, किसी विशेष बच्चे को सहायता या मार्गदर्शन प्रदान करने के उद्देश्य से किए गए किसी भी प्रयास में व्यक्तिगत अंतर को पहचाना और विचार किया जाना चाहिए। 3.निर्देशन का कार्य व्यक्ति की सहायता करना है व्यवहार के प्रेरक, सार्थक और प्राप्य लक्ष्य बनाएं और स्वीकार करें उसके व्यवहार को संचालित करने के लिए लक्ष्यों को लागू करें। 4. मौजूदा सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक अशांति कई प्रतिकूल कारकों को जन्म दे रही है जिसके लिए अनुभवी और पूरी तरह से प्रशिक्षित मार्गदर्शन कार्यकर्ताओं और समस्या वाले व्यक्तियों के सहयोग की आवश्यकता होती है। 5. मार्गदर्शन को एक सतत प्रक्रिया माना जाना चाहिएकिसी व्यक्ति की बचपन से वयस्कता तक सेवा करना। 6. मार्गदर्शन सेवा केवल उन कुछ लोगों तक सीमित नहीं होनी चाहिए जो इसकी आवश्यकता का प्रत्यक्ष प्रमाण देते हैं, बल्कि इसे सभी उम्र के सभी व्यक्तियों तक बढ़ाया जाना चाहिए जो प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से इससे लाभान्वित हो सकते हैं। 7. पाठ्यचर्या सामग्री और शिक्षण प्रक्रिया को मार्गदर्शन दृष्टिकोण का प्रमाण होना चाहिए। 8.माता-पिता और शिक्षकों के मार्गदर्शन ने जिम्मेदारियाँ नियुक्त की हैं। 9. बुद्धिमानी से और व्यक्ति के बारे में यथासंभव संपूर्ण ज्ञान के साथ मार्गदर्शन प्रदान करने के लिए, व्यक्तिगत मूल्यांकन के कार्यक्रम आयोजित किए जाने चाहिए और प्रगति के सटीक परामर्शी रिकॉर्ड को मार्गदर्शन कार्यकर्ताओं के लिए सुलभ बनाया जाना चाहिए। 10. एक संगठित मार्गदर्शन कार्यक्रम व्यक्तिगत एवं सामाजिक आवश्यकताओं के अनुसार लचीला होना चाहिए। 11. मार्गदर्शन कार्यक्रम के प्रशासन की जिम्मेदारियां व्यक्तिगत रूप से योग्य और पर्याप्त रूप से प्रशिक्षित व्यक्ति पर केंद्रित होनी चाहिए, जो उसकी सहायता और अन्य सामुदायिक कल्याण और मार्गदर्शन एजेंसियों के साथ मिलकर काम कर सके। 12. मौजूदा मार्गदर्शन कार्यक्रमों का समय-समय पर मूल्यांकन किया जाना चाहिए। 13. मार्गदर्शन किसी व्यक्ति के जीवन पैटर्न के हर चरण को छूता है। 14. किसी भी आयु स्तर पर विशिष्ट मार्गदर्शन समस्याओं को उन व्यक्तियों को भेजा जाना चाहिए जो समायोजन के विशेष क्षेत्रों से निपटने के लिए प्रशिक्षित हैं। काउंसिलिंग परामर्श को एक आत्म-पुष्टि अनुभव और एक मान्य अनुभव दोनों के रूप में परिभाषित किया गया है जो प्रत्येक व्यक्ति के लिए आत्म-परिभाषित व्यवहार के उत्पादक तरीकों को स्थापित करने में मदद करता है। परामर्श एक व्यवस्थित प्रक्रिया है जिसमें परामर्शदाता और ग्राहक मिलकर समस्या को देखते हैं, लक्ष्य निर्धारित करते हैं, कार्य योजना बनाते हैं और लक्ष्यों की दिशा में प्रगति का मूल्यांकन करते हैं। यह एक सहायता प्रक्रिया है जिसमें परामर्शदाता ग्राहकों को परामर्शदाता द्वारा दी गई न्यूनतम सहायता के साथ लक्ष्य प्राप्त करने में मदद करते हैं। 1.6.1 परामर्श के प्रकार परामर्श विभिन्न तकनीकों पर आधारित है, इसका उद्देश्य ग्राहक या परामर्शदाता के सामने आने वाली समस्याओं का उचित समाधान सुझाना है। परामर्श तीन प्रकार के होते हैं, निर्देशात्मक परामर्श, गैर-निर्देशक परामर्श और उदार परामर्श। दोनों तरीकों में परामर्शदाता और परामर्शदाता की भूमिका बदल जाती है। निर्देशात्मक परामर्श या अनुदेशात्मक परामर्श निर्देशात्मक परामर्श में परामर्शदाता परामर्श प्रक्रिया में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। यह एक परामर्शदाता केंद्रित दृष्टिकोण है, जहां ग्राहक को समस्याओं का समाधान सुझाया जाता है। निर्देशात्मक परामर्श तब शुरू होता है जब परामर्शदाता के लिए समस्या के विश्लेषणात्मक निदान का आधार बनाने के लिए पर्याप्त डेटा जमा करना संभव हो जाता है। परामर्शदाता की भूमिका परामर्शदाता को आवश्यक डेटा प्राप्त करने में सहायता करना है, ताकि उपयुक्त समाधान प्रदान किया जा सके। परामर्शदाता परामर्शदाता को उसके द्वारा सुझाई गई समस्या के लिए सीधी सलाह, सुझाव और स्पष्टीकरण देता है। परामर्शदाता को समस्या का विश्लेषण करना, कारणों का पता लगाना, निर्णय लेना और समाधान सुझाना हैकार्यान्वयन के लिए परामर्शदाता को। 1)विश्लेषण: इसमें विभिन्न स्रोतों से व्यक्ति के बारे में जानकारी का संग्रह शामिल है। इसे उस व्यक्ति या उस विशेष व्यक्ति के साथ घनिष्ठ संबंध रखने वाले लोगों से प्राप्त किया जा सकता है। जानकारी विभिन्न स्रोतों से प्राप्त की जा सकती है जैसे, व्यक्ति स्वयं से, परिवार के सदस्यों और दोस्तों, रिश्तेदारों आदि से। जानकारी विभिन्न तरीकों का उपयोग करके प्राप्त की जा सकती है जैसे, साक्षात्कार, व्यक्ति के मामले के इतिहास का विश्लेषण, मनोवैज्ञानिक परीक्षण। वगैरह। 2) संश्लेषण: डेटा एकत्र करने के बाद व्यक्ति की देनदारियों, समायोजन और कुसमायोजनों को समझने के लिए जानकारी को व्यवस्थित किया जाता है। प्राप्त जानकारी या डेटा को उसकी पारिवारिक पृष्ठभूमि, सांस्कृतिक पृष्ठभूमि, योग्यता, क्षमता, संपत्ति, देनदारियां, ताकत, कमजोरियां, समायोजन आदि के संदर्भ में व्यवस्थित किया जा सकता है। 3) निदान: इसका सीधा सा मतलब है समस्या की गहराई से जांच करना। निदान का शाब्दिक अर्थ है समस्या की प्रकृति, कारण और स्रोत की पहचान करना। 4) पूर्वानुमान: पूर्वानुमान का अर्थ है ₹पूर्वानुमान लगाना₹ यह समस्या के परिणाम की भविष्यवाणी करने और वर्तमान स्थिति को समझने के लिए एक चिकित्सा शब्द है। परामर्श में, पूर्वानुमान का अर्थ ग्राहक के सामने आने वाली समस्या के भविष्य की भविष्यवाणी करना है। 5) परामर्श: परामर्श प्रक्रिया के दौरान दृष्टिकोण, रुचि, कौशल, ताकत और कमजोरियों पर विचार किया जाता है। एक प्रक्रिया के रूप में परामर्श व्यक्ति के व्यवहार, दृष्टिकोण और कौशल को बदल सकता है। व्यक्ति जिस समस्या का सामना कर रहा है उसके अनुसार वह अपने व्यवहार में समायोजन ला सकता है। परामर्श व्यक्ति की ताकत और कमजोरियों को ध्यान में रखते हुए उसके दृष्टिकोण को बदल सकता है। 6)फ़ॉलो-अप: निर्देशात्मक परामर्श में छठा चरण और परामर्श प्रक्रिया में अत्यंत महत्वपूर्ण चरण।

हालाँकि व्यक्ति के दृष्टिकोण और व्यवहार में बदलाव आ रहा है, फिर भी उसे भविष्य में कुछ मदद की आवश्यकता होगी। कोई व्यक्ति नई समस्याओं के उत्पन्न होने पर या मूल समस्या के दोबारा उत्पन्न होने पर तत्काल समस्याओं को हल करने में सक्षम हो सकता है। निर्देशात्मक परामर्श के लाभ: यह विधि समय लेने की दृष्टि से उपयोगी है। इससे समय की बचत होती है। इस प्रकार की काउंसलिंग में समस्या और व्यक्ति पर अधिक ध्यान दिया जाता है। परामर्शदाता ग्राहक को सीधे देख सकता है। परामर्श व्यक्तित्व के भावनात्मक पहलू की तुलना में व्यक्ति के बौद्धिक पहलुओं पर अधिक ध्यान केंद्रित करता है। इस प्रक्रिया में, परामर्शदाता मदद के लिए तुरंत उपलब्ध हो जाता है जिससे ग्राहक बहुत खुश होता है। निर्देशात्मक परामर्श की सीमाएँ: इस प्रक्रिया में ग्राहक अधिक निर्भर होता है। परामर्शदाता परामर्शदाता द्वारा दिए गए सुझावों से सहमत हो सकता है, लेकिन उसे लागू करने में कठिनाई हो सकती है। परामर्शदाता में किसी भी समस्या का समाधान खोजने के लिए पूरी तरह से दूसरों पर निर्भर होने की प्रवृत्ति भी विकसित हो सकती है। परामर्शदाता अपने अनुभवों से दृष्टिकोण विकसित करने में विफल रहता है क्योंकि वह परामर्श में शामिल नहीं होता हैजी प्रक्रिया. गैर-निर्देशक परामर्श गैर-निर्देशक परामर्श ग्राहक पर केंद्रित होता है। यह एक परामर्शदाता केंद्रित दृष्टिकोण है, जहां परामर्शदाता को समस्याओं को हल करने के लिए अपने आंतरिक संसाधनों का उपयोग करने के लिए निर्देशित किया जाता है। परामर्शदाता की भूमिका केवल परामर्शदाता को कारण की पहचान करने, रणनीति तैयार करने, निर्णय लेने में मदद करने और समस्या को हल करने के लिए उसे लागू करने में मार्गदर्शन करना है। गैर-निर्देशक परामर्श के विभिन्न चरण होते हैं, जिनमें शामिल हैं: उद्घाटन सत्र तालमेल स्थापित करना समस्याओं का अन्वेषण वैकल्पिक समाधान की खोज सत्र की समाप्ति पालन करें गैर-निर्देशक परामर्श के लाभ यह धीमा है लेकिन परामर्श पद्धति व्यक्ति को भविष्य में समायोजन करने में सक्षम बनाती है। इसमें किसी भी परीक्षण का उपयोग नहीं किया जाता है और इस प्रकार व्यक्ति श्रमसाध्य और कठिन प्रक्रिया से बच जाता है। यह भावनात्मक अवरोध को दूर करता है और व्यक्ति को दमित विचारों को सचेतन स्तर पर लाने में मदद करता है जिससे तनाव कम होता है। गैर-निर्देशक परामर्श की सीमाएँ यह एक धीमी और समय लेने वाली प्रक्रिया है। ग्राहक या परामर्शदाता निर्णय लेने के लिए अपरिपक्व हो सकता है और संसाधनों, निर्णय और ज्ञान पर भरोसा नहीं कर सकता है। परामर्शदाता का निष्क्रिय रवैया परामर्शदाता को इतना परेशान कर सकता है कि वह अपनी छिपी हुई भावनाओं को व्यक्त करने में झिझक सकता है। 1.6.1 (सी) उदार परामर्श उदार परामर्श में निर्देशात्मक और गैर-निर्देशक परामर्श पद्धति का उपयोग शामिल है। यह एक लचीली विधि है जिसमें परामर्शदाता सत्र या परामर्श प्रक्रिया को निर्देशात्मक दृष्टिकोण के साथ शुरू कर सकता है, लेकिन स्थिति के अनुसार गैर-निर्देशक दृष्टिकोण को भी शामिल कर सकता है। इस पद्धति के मुख्य प्रस्तावक एफ.सी. थॉर्न हैं। उदार परामर्श में परामर्शदाता सबसे पहले परामर्शदाता के व्यक्तित्व और जरूरतों को ध्यान में रखता है। परामर्शदाता उस निर्देशात्मक या गैर-निर्देशक तकनीक का चयन करता है जो उद्देश्य को सर्वोत्तम ढंग से पूरा करती प्रतीत होती है। इक्लेक्टिक काउंसलिंग के चरण उदार परामर्श की प्रक्रिया इस प्रकार है; 1) कारण का निदान. 2) समस्या का विश्लेषण. 3) कारकों को संशोधित करने के लिए एक अस्थायी योजना तैयार करना। 4) परामर्श के लिए प्रभावी स्थितियाँ सुरक्षित करना। 5) ग्राहक को अपने स्वयं के संसाधन विकसित करने और समायोजन के नए तरीकों को आजमाने के लिए अपनी जिम्मेदारी संभालने के लिए साक्षात्कार देना और प्रोत्साहित करना। 6) किसी भी संबंधित समस्या का उचित प्रबंधन जो समायोजन में योगदान दे सकता है। उदार परामर्श की अपेक्षाएँ 1) सामान्य तौर पर, जब भी संभव हो निष्क्रिय तरीकों का उपयोग किया जाना चाहिए। 2) विशिष्ट संकेतों के साथ सक्रिय तरीकों का उपयोग किया जा सकता है। 3) शुरुआती चरणों में जब ग्राहक अपनी कहानी बता रहा होता है, तो निष्क्रिय तकनीकें आमतौर पर पसंद की विधियां होती हैं। यह भावनात्मक मुक्ति की अनुमति देता है। 4) जब तक सरल तरीके विफल न हो जाएं, तब तक जटिल तरीकों का प्रयास नहीं करना चाहिए। 5) सभी परामर्श ग्राहक केन्द्रित होने चाहिए। 6) प्रत्येक ग्राहक को अपनी समस्याओं को अप्रत्यक्ष रूप से हल करने का अवसर दिया जाना चाहिए। उपचार के माध्यम से प्रगति करने में ग्राहक की असमर्थताअकेले निष्क्रिय विधियाँ अधिक निर्देशात्मक विधियों के उपयोग के लिए एक संकेत हैं। 7) निर्देशात्मक तरीकों को आमतौर पर परिस्थितिजन्य समायोजन में इंगित किया जाता है जहां अन्य व्यक्तियों के सहयोग के बिना समाधान प्राप्त नहीं किया जा सकता है। इक्लेक्टिक काउंसलिंग के नुकसान 1) उदारवाद अस्पष्ट, सतही और अवसरवादी है। 2) निर्देशात्मक और गैर-निर्देशक परामर्श दोनों को एक साथ नहीं मिलाया जा सकता। 3) उदार अभिविन्यास के साथ समस्या यह है कि परामर्शदाता अक्सर लाभ के बजाय नुकसान अधिक करते हैं यदि उन्हें इस बात की बहुत कम या कोई समझ नहीं है कि ग्राहक को क्या मदद मिल रही है। परामर्श के सिद्धांत 1. स्वायत्तता के लिए सम्मान 2. गैर-दुर्भावनापूर्ण 3. उपकार 4. न्याय 5. निष्ठा 6. स्वाभिमान स्वायत्तता का सम्मान स्वायत्तता का शाब्दिक अर्थ है किसी भी प्रकार का निर्णय व्यक्ति के अनुसार (बिना किसी बाहरी नियंत्रण के) लेना। स्वायत्तता के सम्मान का अर्थ है ग्राहक को अपनी दिशा स्वयं चुनने की स्वतंत्रता। यह एक ऐसा चरण है जहां ग्राहक को उसकी निर्णय लेने की क्षमता के लिए सम्मान दिया जाता है। परामर्शदाता की भूमिका ग्राहक की पसंद का सम्मान करना है। स्वायत्तता ग्राहकों को दूसरों और खुद पर विचार करके निर्णय के प्रभाव को समझने में मदद करती है। गैर-दुर्भावनापूर्ण इस शब्द का अर्थ कोई नुकसान न पहुंचाना है। यह चिकित्सा पेशे से ली गई एक अवधारणा है। स्वायत्तता व्यक्तिगत ग्राहक से संबंधित है, गैर-दुर्भावनापूर्णता परामर्शदाता की क्षमताओं को संदर्भित करती है। परामर्शदाताओं की जिम्मेदारी है कि वे ऐसे हस्तक्षेपों का उपयोग करने से बचें जो ग्राहकों को नुकसान पहुंचा सकते हैं या नुकसान पहुंचाने की क्षमता रखते हैं। व्यवहार में परामर्शदाताओं से अपेक्षा की जाती है कि वे ग्राहक की चिंताओं का गहन मूल्यांकन करें और उचित रूप से निर्धारित और समझाए गए हस्तक्षेप लागू करें। उपकार उपकार का अर्थ पेशेवर मूल्यांकन पर ग्राहक की भलाई को बढ़ावा देने की प्रतिबद्धता है। परामर्शदाता से अपेक्षा की जाती है कि वह ग्राहक के लिए सर्वोत्तम कार्य करे और यदि सहायता करने में असमर्थ है, तो उचित विकल्प प्रदान करे। उपकार के लिए 'परामर्शदाताओं को ऐसी व्यावसायिक गतिविधियों में संलग्न होने की आवश्यकता है जो जनता को सामान्य लाभ प्रदान करें।' न्याय न्याय निष्पक्षतापूर्वक या उचित ढंग से कार्य करना है। यह अपेक्षा की जाती है कि परामर्शदाता को ग्राहकों के साथ बिना किसी भेदभाव के उचित व्यवहार करना चाहिए। परामर्शदाता को असमानता को स्वीकार करना चाहिए और ग्राहक की आवश्यकताओं के अनुरूप हस्तक्षेप लागू करना चाहिए। निष्ठा यह सिद्धांत परामर्शदाता और उनके ग्राहक के बीच विश्वास संबंध से संबंधित है। ग्राहक के हितों को परामर्शदाता के हितों से पहले रखा जाता है, भले ही ऐसी वफादारी (ग्राहक के प्रति) परामर्शदाता के लिए असुविधाजनक या असुविधाजनक हो। एक ग्राहक को यह भरोसा करने में सक्षम होना चाहिए कि परामर्शदाता के शब्द और कार्य सत्य और विश्वसनीय हैं। आत्मसम्मान परामर्शदाताओं को आत्म-ज्ञान को बढ़ावा देने और स्वयं की देखभाल करने की आवश्यकता है। उन्हें आवश्यकतानुसार परामर्श और व्यक्तिगत विकास के अन्य तरीकों की तलाश करनी चाहिए। उचित व्यक्तिगत के लिए पर्यवेक्षण का उपयोग करना एक नैतिक जिम्मेदारी हैडी पेशेवर समर्थन और विकास, और सतत व्यावसायिक विकास के लिए प्रशिक्षण और अन्य अवसरों की तलाश करना। किए गए कार्य से उत्पन्न होने वाली वित्तीय देनदारियों से बचाव के लिए आमतौर पर उचित बीमा प्राप्त करने की आवश्यकता होती है। आत्म-सम्मान का सिद्धांत जीवन-वर्धक गतिविधियों और रिश्तों में सक्रिय भागीदारी को प्रोत्साहित करता है जो परामर्श या मनोचिकित्सा में रिश्तों से स्वतंत्र हैं। परामर्श के उद्देश्य परामर्श का लक्ष्य व्यक्तियों को उनकी तात्कालिक समस्याओं से उबरने में मदद करना और उन्हें भविष्य की समस्याओं से निपटने के लिए तैयार करना है। परामर्श सार्थक होना चाहिए, प्रत्येक ग्राहक के लिए विशिष्ट होना चाहिए, क्योंकि इसमें उसकी अनूठी समस्याएं और अपेक्षाएं शामिल होती हैं। परामर्श के लक्ष्य को तत्काल, लंबी दूरी और प्रक्रिया लक्ष्यों के रूप में वर्णित किया जा सकता है। तात्कालिक लक्ष्य ग्राहक के लिए राहत प्राप्त करना है और दीर्घकालिक लक्ष्य ग्राहक की अनुकूलन क्षमता को बढ़ाना है। परामर्श लक्ष्यों को परामर्शदाता लक्ष्यों और चिकित्सा के ग्राहक लक्ष्यों के आधार पर वर्गीकृत किया जा सकता है। इन्हें आगे निम्नानुसार वर्गीकृत किया जा सकता है। विकासात्मक लक्ष्य: वे हैं जहां ग्राहक अपनी प्रत्याशित मानव वृद्धि और विकास को पूरा करने या उसे आगे बढ़ाने में जुड़ा होता है। निवारक लक्ष्य: वे हैं जिनमें परामर्शदाता ग्राहक को कुछ अवांछित परिणामों से बचने में मदद करता है। संवर्द्धन लक्ष्य: यदि ग्राहक के पास विशेष कौशल और क्षमताएं हैं, संवर्द्धन के साधन हैं, तो उन्हें परामर्शदाता की सहायता से पहचाना और/या आगे विकसित किया जा सकता है। उपचारात्मक लक्ष्य: किसी ग्राहक को अवांछित विकास पर काबू पाने और/या उसका इलाज करने में सहायता करना शामिल है। खोजपूर्ण लक्ष्य: विकल्पों की जांच, कौशल का परीक्षण, और नई और विभिन्न गतिविधियों, वातावरण, रिश्तों आदि की कोशिश करने के लिए उपयुक्त लक्ष्यों का प्रतिनिधित्व करता है। सुदृढीकरण लक्ष्य: इनका उपयोग उन मामलों में किया जाता है जहां ग्राहकों को यह पहचानने में सहायता की आवश्यकता होती है कि वे जो कर रहे हैं, सोच रहे हैं और महसूस कर रहे हैं वह ठीक है। संज्ञानात्मक लक्ष्य: वे हैं जिनमें सीखने और संज्ञानात्मक कौशल की बुनियादी नींव का अधिग्रहण शामिल है। शारीरिक लक्ष्य: वे हैं जिनमें अच्छे स्वास्थ्य के लिए बुनियादी समझ और आदतें हासिल करना शामिल है। मनोवैज्ञानिक लक्ष्य: अच्छे सामाजिक संपर्क कौशल विकसित करने, भावनात्मक नियंत्रण सीखने, सकारात्मक आत्म-अवधारणा विकसित करने आदि में सहायता करता है। ये सभी लक्ष्य अंतिम लक्ष्य की ओर ले जाएंगे, जिनकी चर्चा निम्नलिखित है। 1. सकारात्मक मानसिक स्वास्थ्य की प्राप्ति: व्यक्ति भावनात्मक तनाव, चिंताओं, अनिर्णय आदि को रोकने के लिए लोगों और स्थितियों के साथ अधिक सकारात्मक ढंग से तालमेल बिठाना और प्रतिक्रिया देना सीखेगा और इस तरह सकारात्मक भावनाओं और गर्मजोशी को जन्म देगा। 2.समस्याओं का समाधान: व्यक्ति कुत्सित व्यवहार को बदलना, अच्छे निर्णय लेना और समस्याओं को रोकना सीखेगा। 3. व्यक्तिगत प्रभावशीलता में सुधार: व्यक्ति खुद को परियोजनाओं के प्रति समर्पित करने, समय और ऊर्जा की जांच करने और उचित आर्थिक, मनोवैज्ञानिक और निर्णय लेने में सक्षम होगा।शारीरिक जोखिम. 4.परिवर्तन: व्यक्ति परिवर्तन के तंत्र को समझेगा, और पर्यावरण से प्रभावित परिस्थितियों में स्वतंत्र रूप से चयन करने और कार्य करने में सक्षम होगा। पर्यावरण द्वारा विकसित व्यक्तिगत प्रतिक्रियाओं की प्रभावशीलता को बढ़ाया जाएगा। 5. निर्णय लेना: व्यक्ति व्यक्तिगत विकास को बढ़ावा देने वाले स्पष्ट निर्णय लेने में सक्षम होगा। 6. व्यवहार में संशोधन: ग्राहक अवांछनीय व्यवहार या कार्रवाई को दूर करने में सक्षम होगा, या व्यक्तिगत विकास में बाधा डालने वाले परेशान करने वाले कार्य को कम करने में सक्षम होगा। निष्कर्ष सामाजिक प्राणी होने के नाते हमें किसी न किसी रूप में समाज के अन्य सदस्यों से सहायता की आवश्यकता होती है। यह मार्गदर्शन कई प्रकार का हो सकता है। परामर्श मार्गदर्शन का एक रूप है जहां कोई अन्य व्यक्ति (परामर्शदाता) किसी व्यक्ति का मार्गदर्शन करता है। परामर्शदाता में अच्छे गुण होने चाहिए जो परामर्शदाता को प्रोत्साहित करें। इस प्रकार परामर्श का अंतिम उद्देश्य व्यक्ति को सशक्त बनाना है ताकि वह अपनी वर्तमान समस्याओं का समाधान कर सके और उसे भविष्य के मामलों से निपटने के साधन प्रदान कर सके, जिससे वह एक मजबूत और आत्मनिर्भर व्यक्ति बन सके।

सेवानिवृत्त प्रिंसिपल शैक्षिक स्तंभकार स्ट्रीट कौर चंद एमएचआर मलोट पंजाब

विकास बरास्ते वैज्ञानिक दृष्टिकोण

विजय गर्ग

भारतीय संविधान के अनुच्छेद 51ए (एच) में प्रत्येक नागरिक का कर्तव्य बताया गया है कि वह वैज्ञानिक दृष्टिकोण, मानवतावाद और ज्ञान की भावना को प्रोत्साहित करे। भारत की एकता की रक्षा में योगदान दे। यह केवल संवैधानिक दायित्व नहीं, बल्कि राष्ट्र निर्माण में एक महत्वपूर्ण कदम है, जो सामाजिक, आर्थिक और सांस्कृतिक विकास की दिशा में हमें आगे बढ़ाने का माध्यम है। एक-एक नागरिक मिल कर प्रयास करेंगे और अपने दायित्व को हुए हैं, वहां समझेंगे, तभी राष्ट्र का विकास होगा। जैसे-जैसे भारत 'विकसित' बनने के लक्ष्य ओर बढ़ रहा है, तर्कसंगत विचार और विज्ञान आधारित नीतियों की आवश्यकता अधिक प्रासंगिक होई है। ऐसे समाज में, जहां धर्म और परंपराएं गहरी जड़ें जमाए, वहां वैज्ञानिक सोच का प्रसार और भी चुनौतीपूर्ण हो जाता है। भारतीय समाज पर धर्म और परंपरागत मान्यताओं का गहरा प्रभाव है, ह जिससे विज्ञान और तर्क पर आधारित सोच को अपनाने में कठिनाइयां आती हैं। मगर नागरिक सकारात्मक होकर पहल करें, तो यह कार्य आसान हो सकता है। अनुच्छेद 51ए (एच) इसी संदर्भ में अत्यंत महत्वपूर्ण हो जाता क्योंकि यह वैज्ञानिक दृष्टिकोण से सोचने और कार्य करने के महत्व को बल देता है। इसके बिना, समाज में निर्णय निर्माण प्रक्रिया अक्सर भावनाओं और मान्यताओं पर आधारित होती है, जिससे दीर्घकालिक विकास और है। जलवायु संकट, ऊर्जा संकट और स्वास्थ्य समृद्धि में बाधा उत्पन्न होती है। संबंधी चुनौतियों जैसे मुद्दों क के समाधान के लिए वैज्ञानिक दृष्टिकोण और नवाचारों की का आवश्यकता है।

विकसित देशों जैसे जापान, जर्मनी, दक्षिण कोरिया और अमेरिका ने वैज्ञानिक दृष्टिकोण, तकनीकी विकास और नवाचार को अपने राष्ट्र निर्माण का मुख्य आधार बनाया है। इन देशों ने न केवल अपनी शिक्षा प्रणाली में वैज्ञानिक सोच को प्राथमिकता दी, बल्कि इस इसे नीति निर्माण, उद्योगों और समाज के हर स्तर पर लागू किया। जापान और दक्षिण कोरिया जैसे देशों प्राकृतिक संसाधनों की कमी के बावजूद वैज्ञानिक नवाचार और अनुसंधान पर ध्यान केंद्रित किया और आज वे विश्व की अग्रणी आर्थिक और तकनीकी शक्तियों में गिने जाते हैं। इसी तरह, अमेरिका और जर्मनी ने चिकित्सा, अंतरिक्ष और डिजिटल प्रौद्योगिकी में महत्त्वपूर्ण उपलब्धियां हासिल की हैं, जो उनके अनुसंधान संस्थानों और विज्ञान में निवेश का परिणाम हैं। इन देशों का दृष्टिकोण स्पष्ट रूप से दिखाता है कि वैज्ञानिक दृष्टिकोण और तकनीकी नवाचारों को अपना कर एक राष्ट्र दीर्घकालिक समृद्धि और आत्मनिर्भरता प्राप्त कर सकता है। भारत को भी इनसे प्रेरणा लेते हुए अपनी शिक्षा प्रणाली और ग्रामीण क्षेत्रों में विज्ञान के प्रसार पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए। यह विशेष रूप से महत्त्वपूर्ण है, क्योंकि भारत के ग्रामीण क्षेत्रों में परंपरागत मान्यताओं और अंधविश्वासों का प्रभाव अभी भी गहरा है।

विकसित भारत के लक्ष्य की ओर बढ़ते हुए, शिक्षा प्रणाली में बदलाव बेहद जरूरी है, ताकि यह छात्रों में तर्क और वैज्ञानिक दृष्टिकोण को बढ़ावा दे सके। वर्तमान शिक्षा प्रणाली में अधिकतर जोर तथ्यों को रटने पर है, न कि समस्याओं का विश्लेषण करने और उन्हें वैज्ञानिक दृष्टिकोण से हल करने पर शिक्षा का उद्देश्य केवल शैक्षिक उपलब्धियों तक सीमित न रह कर छात्रों को जीवन में व्यावहारिक और वैज्ञानिक दृष्टिकोण विकसित करने के लिए प्रेरित करना होना चाहिए। पाठ्यक्रम में ऐसे सुधारों की आवश्यकता है, जो विद्यार्थियों को वैज्ञानिक पद्धति और तर्कसंगत सोच का महत्त्व सिखाए, ताकि वे भविष्य में एक जागरूक और प्रगतिशील समाज के निर्माण में योगदान दे सकें।

मीडिया भी इस दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है। आजकल लोग जानकारी के लिए मुख्यत: टीवी, समाचारपत्र और सोशल मीडिया पर निर्भर करते हैं। इस माध्यम से वैज्ञानिक दृष्टिकोण को बढ़ावा देना, जनता तक सही जानकारी पहुंचाना और भ्रांतियों का खंडन करना आवश्यक है। भारतीय मीडिया में अभी गैर-जरूरी और सनसनीखेज समाचारों को प्रमुखता मिल रही है, जो वैज्ञानिक सोच के प्रसार में बाधा पैदा करती है। इसके विपरीत, मीडिया को विज्ञान और तकनीकी उपलब्धियों प्रसार का का माध्यम बनाना चाहिए। वृत्तचित्र, विज्ञान-आधारित चर्चा और शोध आधारित कार्यक्रमों को प्रोत्साहित किया जाना चाहिए, जो समाज में वैज्ञानिक दृष्टिकोण को प्रेरित करें और लोगों को तर्कसंगत और वैज्ञानिक सोच की दिशा में बढ़ावा दें।

नीति-निर्माण में वैज्ञानिक दृष्टिकोण का समावेश आवश्यक है। नीति निर्धारण में जब तक विज्ञान को प्राथमिकता नहीं दी जाएगी, तब तक समाज में वैज्ञानिक चेतना का समुचित विकास संभव नहीं होगा। जलवायु संकट और पर्यावरणीय समस्याओं के समाधान के लिए भी वैज्ञानिक साक्ष्यों पर आधारित नीतियां ही प्रभावी सिद्ध हो सकती हैं। उदाहरण के लिए, जलवायु संकट के समाधान में विज्ञान और तकनीकी नवाचार को अपना कर दीर्घकालिक योजनाएं बनाई जा सकती हैं। इसी प्रकार, कृषि क्षेत्र में वैज्ञानिक दृष्टिकोण और तकनीकी नवाचारों का समावेश ख सुरक्षा को सुनिश्चित करने में सहायक सिद्ध हो सकता है। वैज्ञानिक दृष्टिकोण नीति निर्माण में समावेश न केवल समस्याओं का प्रभावी समाधान प्रस्तुत करता, बल्कि यह समाज में वैज्ञानिक चेतना को भी बढ़ावा देता है।

भारत के ग्रामीण क्षेत्रों में वैज्ञानिक दृष्टिकोण का प्रसार एक बड़ी चुनौती है, क्योंकि इन क्षेत्रों में परंपरागत मान्यताओं और अंधविश्वासों का अधिक प्रभाव है। वैज्ञानिक दृष्टिकोण के प्रसार के लिए इन क्षेत्रों में विशेष प्रयासों की जरूरत है।

इसके लिए सरकार और सामाजिक संगठनों को ग्राम स्तर पर पर विज्ञान ग्रामीण

आधारित जागरूकता कार्यक्रम और कार्यशालाओं का आयोजन करना चाहिए, ताकि ग्रामीण जनता तर्कसंगत सोच और वैज्ञानिक दृष्टिकोण का महत्त्व समझ सके। इससे न केवल वैज्ञानिक दृष्टिकोण का विस्तार होगा, बल्कि यह समाज में व्याप्त अंधविश्वास और मिथकों के उन्मूलन में भी सहायक होगा। "डिजिटल युग" में मिथ्या सूचनाओं का प्रसार एक प्रमुख चुनौती है। कोविड-19 महामारी के दौरान, टीकाकरण से जुड़ी भ्रांतियों ने समाज में भय और भ्रम उत्पन्न किया। इस संदर्भ में, सोशल मीडिया मंचों को सही और तथ्यात्मक जानकारी को बढ़ावा देना चाहिए, ताकि वैज्ञानिक दृष्टिकोण का प्रसार हो और समाज मिथकों और भ्रांतियों से बच सके। इसके अलावा, विज्ञान और नैतिकता का समन्वय भी आवश्यक है। वैज्ञानिक दृष्टिकोण को केवल तकनीकी प्रगति तक सीमित न रखते हुए इसे नैतिकता के साथ जोड़ा जाना चाहिए, ताकि विज्ञान का उपयोग समाज कल्याण के लिए हो। कृत्रिम बुद्धिमत्ता, जलवायु परिवर्तन और चिकित्सा में जीन संपादन जैसे क्षेत्रों में वैज्ञानिक दृष्टिकोण के साथ नैतिक दृष्टिकोण भी अपनाना आवश्यक है, ताकि विज्ञान का प्रयोग केवल लाभकारी और समाज के लिए उपयोगी हो।

* विज्ञान और प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में निवेश न केवल वैश्विक प्रतिस्पर्धा में हमें आगे ले जाएगा, बल्कि यह हमारे देश की सामाजिक और आर्थिक समस्याओं के समाधान में भी सहायक होगा। उदाहरण के लिए कृषि क्षेत्र में वैज्ञानिक अनुसंधान से उत्पादकता में सुधार लाया जा सकता है और स्वास्थ्य क्षेत्र में विज्ञान के प्रयोग से बीमारियों का सटीक और समय पर उपचार संभव हो सकता है। इसी प्रकार, उद्योगों में तकनीकी नवाचारों का समावेश कार्यकुशलता और उत्पादकता को बढ़ावा देने में सहायक है। शिक्षा, नीति निर्माण और मीडिया में वैज्ञानिक दृष्टिकोण का प्रसार भारत को तकनीकी, आर्थिक और सामाजिक दृष्टि से एक प्रगतिशील राष्ट्र बना सकता है।

इंजीनियरिंग की की पढ़ाई करने वाले छात्र भी अब पढ़ सकेंगे क्वांटम तकनीक

विजय गर्ग

राष्ट्रीय क्वांटम मिशन और एआईसीटीई ने स्नातक स्तर के लिए लांच किया नया माइनर कोर्स।

इंजीनियरिंग के तीसरे या चौथे सेमेस्टर में इसे पढ़ सकते है छात्र, मिलेंगे 30 केडिट अंक।

जागरण ब्यूरो, नई दिल्ली। वित्तीय धोखाधड़ी से बचाने व सटीक नेविगेशन जैसे कार्यों में क्वांटम तकनीक की तेजी से बढ़ती उपयोगिता को देखते हुए देश में अब इससे जुड़े मैनपावर को तैयार करने में तेजी आयी है। इसके तहत फिलहाल जो अहम पहल की गई है, उसमें क्वांटम तकनीक को अब देशभर के इंजीनियरिंग कालेजों में प्रमुखता से पढ़ाने की तैयारी में है।

इसे लेकर अखिल भारतीय तकनीक शिक्षा परिषद (एआइसीटीई) और राष्ट्रीय क्वांटम मिशन ने मिलकर स्नातक स्तर के लिए क्वांटम तकनीक से जुड़ा एक माइनर कोर्स लॉन्च किया है। जिसकी पढ़ाई कोई भी छात्र अब इंजीनियरिंग की अपनी पढ़ाई के साथ अतिरिक्त विशेषज्ञता के रूप कर सकेगा।

एआइसीटीई ने देश के सभी संस्थानों को कोर्स अपनाने के लिए कहा

एआईसीटीई ने इसके साथ ही देश भर के सभी तकनीक संस्थानों को इस कोर्स को अपनाने और छात्रों को इसके पढ़ने के फायदों से परिचित कराने को कहा है। एआईसीटीई के मुताबिक इस पाठ्यक्रम को शुरू करने का मुख्य उद्देश्य आने वाली क्वांटम क्रांति के लिए देश में पर्याप्त मैन पावर को तैयार करना है। इन्हीं उद्देश्यों को देखते हुए केंद्र सरकार ने पिछले साल राष्ट्रीय क्वांटम मिशन का ऐलान किया है। इस दौरान छात्र अब अपनी इंजीनियरिंग की पढ़ाई के साथ तीसरे और चौथे सेमेस्टर में इसकी पढ़ाई कर सकेंगे।

30 क्रेडिट अंक का होगा कोर्स

स्नातक स्तर के लिए डिजाइन किया गया यह माइनर कोर्स 30 क्रेडिट अंक का होगा। छात्र अपनी इंजीनियरिंग के पढ़ाई के साथ पूल करके भी इसे कर सकेंगे। इस दौरान उन्हें 18 क्रेडिट अंक मिलेंगे। एआइसीटीई के एक वरिष्ठ अधिकारी के मुताबिक इंजीनियरिंग के छात्रों को पढ़ाने के लिए विशेष रूप से तैयार किए गए क्वांटम तकनीक के इस पाठ्यक्रम को अंतिम रूप देने की तैयारियां चल रही है। इसे लेकर शिक्षकों की टीम भी तैयार करने सहित इसके लिए जरूरी प्रयोगशाला आदि को जुटाने का दिशा में प्रयास तेज हुए है। राष्ट्रीय क्वांटम मिशन के तहत इस पूरे कार्यक्रम पर नजर भी रखी जा रही ही है। ऐसे छात्रों को इंटर्नशिप कराने के लिए उद्योगों के साथ ही बातचीत की जा रही है।

क्वांटम तकनीक के विकास से प्रमुख फायदे

नेविगेशन के और सटीकता और सैटेलाइट सिस्टम की कमजोरियां दूर करने में मदद मिलेगी। इसकी मदद से किसी भी वातावरण में यह उपयोगी साबित हो सकती है।

वित्तीय धोखाधड़ी से बचा जा सकता है। क्वांटम तकनीक के जरिए संचार नेटवर्क को सुरक्षित रखा जा सकता है।

कंप्यूटर से जुड़ी जटिल समस्याओं का तेजी से और कुशलता के साथ निपटारा हो सकेगा।

जीवन रक्षक दवाओं को तैयार करने में तेजी आएगी।

मौसम के और सटीक आंकड़े जुटाए जा सकेंगे।

पावर प्लांटों के रखरखाव को और बेहतर बनाया जा सकता है।

भारत में आर्थिक सुधारों के वास्तुकार थे मनमोहन सिंह, विशेषज्ञों ने पूर्व पीएम को ऐसे किया याद

पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह को भारतीय सुधारों के वास्तुकार के रूप में हमेशा याद किया जाएगा। वह पहले ऐसे प्रधानमंत्री रहे जिन्होंने भारतीय पूंजी बाजार, सार्वजनिक उपक्रमों का विनिवेश और आज का शेयर बाजार जो मूलत: उनकी (मनमोहन सिंह) की देन है उसके लिए वे आगे आए और भारतीय अर्थव्यवस्था को नया आकार दिया। आइए जानते हैं बाजार के विश्लेषकों ने पूर्व पीएम के निधन के बाद उन्हें कैसे याद किया।

पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह को भारतीय सुधारों के वास्तुकार के रूप में हमेशा याद किया जाएगा। बाजार के विश्लेषकों को कहना है कि वह पहले ऐसे प्रधानमंत्री रहे जिन्होंने भारतीय पूंजी बाजार, सार्वजनिक उपक्रमों का विनिवेश और आज का शेयर बाजार जो मूलतः उनकी की देन है, उसके लिए वे आगे आए और भारतीय अर्थव्यवस्था को नया आकार दिया। सिंह ने प्रधानमंत्री पीवी नरसिम्हा राव की सरकार में जून 1991 से मई 1996 तक भारत के वित्त मंत्री के रूप में कार्य किया। इस अवधि के दौरान, उन्होंने परिवर्तनकारी आर्थिक सुधारों का नेतृत्व किया। उन्होंने भारत की अर्थव्यवस्था को उदार बनाया, इसे वैश्विक बाजारों के लिए खोला और निजीकरण व वैश्वीकरण को बढ़ावा दिया। बाद में, उन्होंने मई 2004 से मई 2014 तक लगातार दो कार्यकालों के लिए भारत के 13वें प्रधानमंत्री के रूप में देश की सेवा की।

सेबी की स्थापना और सार्वजनिक उपक्रमों का विनिवेश करने वाले पहले व्यक्ति

सीएनएन रिसर्च के ओपी ओतस्वाल का कहना है कि आज का बाजार प्रधानमंत्री महनमोहन सिंह की देन है। उन्होंने बाजार में पारदर्शिता लाने के लिए भारतीय प्रतिभूति विनियम बोर्ड (सेबी) की स्थापन की जो आज भारतीय पूंजी बाजार में एक प्रमुख संस्था है। वे सार्वजनिक उपक्रमों का विनिवेश करने वाले पहले प्रधानमंत्री थे यह आज वैश्विक बाजार का प्रतिनिधत्व कर रहा है। इससे पहले भारतीय बाजारों को लेकर सरकारों ने कोई भी नीति नहीं बनाई थी। उनके द्वारा लाइसेसिंग और पूंजीगत लाभ, कराधान के कई चीजों पर काम किया। हम हमेंशा उन्हें भारतीय सुधारों के वास्तुकार के रूप में जानेंगे और आज का बाजार मूलतः उन्हीं की देन है।

भारत को उभरती हुई आर्थिक शक्ति के रूप में वैश्विक मंच पर खड़ा किया

केयरएज के पवन सिंह कहते हैं कि मनमोहन सिंह को भारत के बेहतरीन अर्थशास्त्रियों में से एक माना जाता है। उन्होंने देश की अर्थव्यवस्था को मजबूत करने के लिए कई ऐतिहासिक कदम उठाए और उनके नेतृत्व में भारत ने वैश्विक मंच पर उल्लेखनीय आर्थिक प्रगति हासिल की। 1991 में उन्होंने ने अपने साहसिक सुधारों से भारत को उभरती हुई आर्थिक शक्ति के रूप में वैश्विक मंच पर खड़ा किया। शेयर मार्केट और रेग्युलेटर्स की स्थापना में बहुत बड़ा योगदान दिया। उनके सुधारों और भविष्य के लिए उनकी पैनी नजर को मार्केट हमेशा याद रखेगा।

आर्थिक संकट हल करने वाले प्रधानमंत्री

पीएल सिक्यूरटीज के राज वैद्य का कहना है कि बाजार के दिग्गज इस बात को नकार नहीं सकते कि आज का बाजार उनकी देन है। उन्हें 1991 के आर्थिक संकट को प्रभावी ढंग से संबोधित करने का श्रेय दिया जाता है। वे पहले ऐसे प्रधानमंत्री हैं जिन्होंने परिवर्तनकारी आर्थिक सुधारों का नेतृत्व किया, जिसने भारत की अर्थव्यवस्था को उदार बनाया, इसे वैश्विक बाजारों के लिए खोला और निजीकरण और वैश्वीकरण को बढ़ावा दिया। जब उन्होंने प्रधानमंत्री पीवी नरसिम्हा राव के के साथ जून 1991 से मई 1996 तक भारत के वित्त मंत्री के रूप में कार्य किया तब उन्होंने निवेशकों को लिए अच्छा धन उत्पन्न किया था।

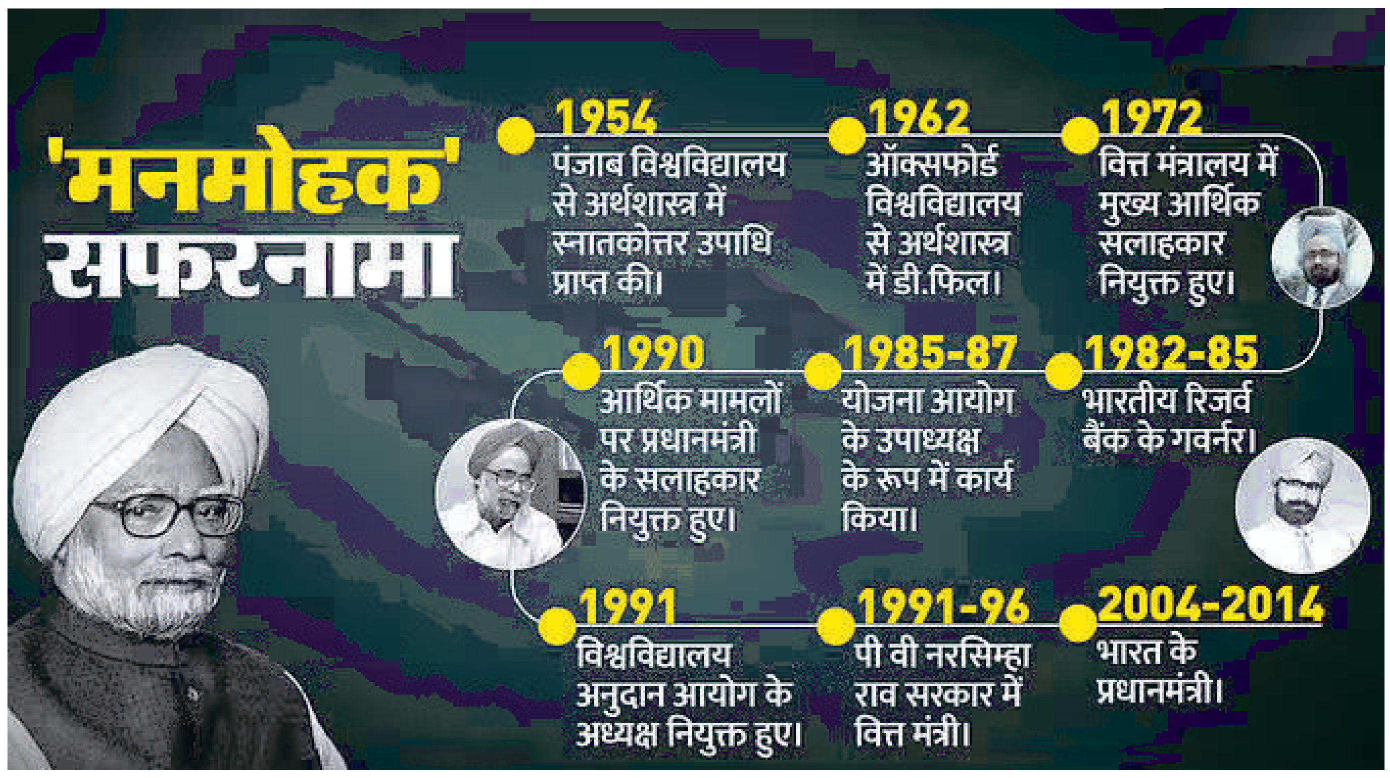

लाइसेंस राज समाप्त होने से स्टॉक एक्सचेंचों पर कंपनियों की लिस्टिंग में आई तेजी

बाजार के एक्सपर्ट कहते हैं 1991 में देश में लाइसेंस राज को समाप्त करके उन्होंने निजी उद्यमों को बढ़ावा दिया। इससे स्टॉक एक्सचेंजों में कंपनियों की लिस्टिंग में तेजी आई। इसकी वजह से बीएसई सेंसेक्स जो कि 1991-92 में लगभग 263 प्रतिशत बढ़कर 4,500 अंक पर पहुंच गया। कुल मिलाकर, सेंसेक्स जो 1991 में लगभग 1,000 पर था, तब से लगभग 79 गुना बढ़कर लगभग 79,000 पर कारोबार कर रहा है, जिससे दीर्घकालिक निवेशकों को उत्कृष्ट रिटर्न मिल रहा है। आज शेयर बाजार में बड़े निवेशक ही नहीं छोटे शहरों में रहने वाले निवेशक भी निवेश कर रहे है, जो यह दिखाता है कि भारत आर्थिक परिदृश्य कितना मजबूत है। उदारीकरण के बाद भारतीय शेयर बाजार में उल्लेखनीय परिवर्तन हुए हैं। भारत के तत्कालीन वित्त मंत्री मनमोहन सिंह ने उदारीकरण के कई उपायों का नेतृत्व किया, जिसने भारत के आर्थिक परिदृश्य को बदल दिया और आधुनिक भारत की नींव रखी, जिसमें लाइसेंस राज का उन्मूलन, व्यापार उदारीकरण और भारत में विदेशी पूंजी निवेश की अनुमति जैसे विभिन्न नियम शामिल थे।

2029 तक डाक विभाग को मुनाफे में लाने का प्लान, वित्त मंत्री से मिल सिंधिया ने रखा ये प्रस्ताव

केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने शनिवार को नई दिल्ली में वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण के साथ इंडिया पोस्ट के मुनाफा कैसे बढ़े, इस पर चर्चा की। एक बयान के अनुसार, सिंधिया और डाक विभाग की उनकी टीम ने 2029 तक विभाग को मनाफे में लाने के लिए अपनी पूंजीगत व्यय मांगों को वित्त मंत्री के सामने रखा। आइए इस बारे में और जानें।

केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने शनिवार को नई दिल्ली में वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण के साथ इंडिया पोस्ट के मुनाफा कैसे बढ़े, इस पर चर्चा की। एक बयान के अनुसार, सिंधिया और डाक विभाग की उनकी टीम ने 2029 तक विभाग को मनाफे में लाने के लिए अपनी पूंजीगत व्यय मांगों को वित्त मंत्री के सामने रखा। बैठक में मंत्री सिंधिया ने इंडिया पोस्ट के लिए एक नई विकास योजना प्रस्तुत की। उन्होंने बताया कि विभाग लागतों को युक्तिसंगत बनाने और अधिकतम प्रक्रियाओं को डिजिटल बनाने के लक्ष्य पर काम कर रहा है।

सिंधिया ने दोहराया कि उनका उद्देश्य विभाग को ग्राहक संतुष्टि पर ध्यान देने के साथ लाभ कमाने वाली लॉजिस्टिक्स कंपनी बनाना है। उन्होंने इस बारे में भी बात की कि कैसे चल रही बिजनेस प्रोसेस री-इंजीनियरिंग (बीपीआर) कवायद को वित्त मंत्रालय के निवेश से बहुत फायदा होगा।

बैठक में, सिंधिया ने बताया कि हमारे पूंजीगत व्यय के लिए वित्त मंत्रालय से निवेश के साथ, हम देश भर में डाकघरों के बुनियादी ढांचे के विकास और नवीनीकरण के साथ-साथ कर्मचारियों के आवास क्वार्टरों पर ध्यान केंद्रित करेंगे। उन्होंने यह भी कहा कि विभाग प्रक्रियाओं को कुशल और भविष्य के लिए तैयार करने के लिए स्वचालन की दिशा में काम किया जाएगा।

मंत्री सिंधिया ने 2007 में डाकघरों के स्वरूप और अनुभव को मानकीकृत किया और डाक सेवकों को कार्यालय उपकरण प्राप्त करने में मदद की थी। 2024 में इस विभाग का कार्यभार संभालने के 6 महीने में, उन्होंने अपनी इंडिया पोस्ट टीम को अंतरराष्ट्रीय सर्वोत्तम प्रथाओं से अवगत कराने और विभाग के लिए नवीन रणनीतियों के साथ आने के लिए कहा था।

सिंधिया ने बताया कि उन्हें विश्वास है कि इंडिया पोस्ट अगले 5-7 वर्षों में अपने अधिकांश उत्पादों के लिए बाजार हिस्सेदारी बढ़ाने, राजस्व बढ़ाने और उद्योग में प्रतिस्पर्धा करने की क्षमता रखता है। उन्होंने बताया कि मेल और पार्सल वर्टिकल में बाजार हिस्सेदारी बढ़ाने पर ध्यान केंद्रित किया जाएगा।

इंडिया पोस्ट भारत में डाक विभाग (DoP) का डाक नेटवर्क है, जो देश के संचार और सामाजिक आर्थिक विकास में अहम भूमिका निभाता है। इस वर्ष की महत्वपूर्ण पहलों में, विभाग ने पीएमए (पार्सल मॉनिटरिंग एप्लीकेशन) शुरू किया है, जो वास्तविक समय पर डिलीवरी की जानकारी साझा करता है। आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार, मई 2019 से अक्टूबर 2024 तक, जवाबदेह मेल की डिलीवरी में 4.33 लाख पैकेट से 5.35 करोड़ पैकेट तक की उल्लेखनीय हुई है।

भारतीय डाक ने लेटर बॉक्स, रेडियो फ्रीक्वेंसी आइडेंटिफिकेशन (RFID), क्लिक एन बुक सर्विस, नोडल डिलीवरी सेंटर और ट्रांसशिपमेंट सेंटर की ई-क्लीयरेंस भी लागू की है और लॉजिस्टिक्स संचालन को मजबूत करने के लिए ई-कॉमर्स दिग्गज अमेजन के साथ एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए हैं।

फल-मेवे ज्यादा खाने लगे हैं लोग, पान-तंबाकू पर भी बढ़ाया खर्च; जानें किस चीज की खरीद हो रही कम

परिवहन विशेष न्यूज

गांव व शहर के परिवार में होने वाले उपभोग खर्च का अंतर भी कम हो रहा है। वर्ष 2011-12 में शहर व गांव के व्यय में 84 प्रतिशत का अंतर था जो अब 70 प्रतिशत रह गया है। 2011-12 में औसत भारतीय उपभोग व्यय का 53 प्रतिशत खाने पर खर्च करते थे जो 2023-24 में 47 प्रतिशत रह गया है।

नई दिल्ली। आम भारतीय अनाज, चीनी व नमक जैसे आइटम पर अपने खर्च को कम कर रहे हैं तो फल, सूखे मेवे व दूध जैसे आइटम पर उनका खर्च बढ़ रहा है। बेवरेज व प्रोसेस्ड फूड आइटम शहर के साथ गांवों में भी सबसे अधिक खर्च किए जा रहे हैं। उपभोग व्यय में पान-गुटका एवं अन्य तंबाकू पदार्थों की हिस्सेदारी बढ़ रही है।

शुक्रवार को सांख्यिकी और कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय की तरफ से वर्ष 2023-24 के लिए प्रति व्यक्ति मासिक उपभोग व्यय की जारी रिपोर्ट में यह खुलासा किया गया है। रिपोर्ट के मुताबिक गांव में प्रति व्यक्ति मासिक उपभोग व्यय 4122 रुपए तो शहर में 6996 रुपए है। वर्ष 2022-23 की तुलना में उपभोग व्यय में गांव में नौ प्रतिशत व शहर में आठ प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई है।

ग्रामीण इलाके में खाद्य पदार्थ पर होने वाले खर्च में हिस्सेदारी (प्रतिशत में)

खाद्य पदार्थ	2011-12	2022-23	2023-24
अनाज	10.69	4.89	4.97
दाल	2.76	1.77	1.78
चीनी-नमक	1.83	0.93	0.89
सूखे मेवे	0.58	1.17	1.19
दूध	8.04	8.33	8.44
बेवरेज-प्रोसेस्ड फूड	7.90	9.62	9.84

गांव व शहर के परिवार में होने वाले उपभोग खर्च का अंतर भी कम हो रहा है। वर्ष 2011-12 में शहर व गांव के व्यय में 84 प्रतिशत का अंतर था जो अब 70 प्रतिशत रह गया है। 2011-12 में औसत भारतीय उपभोग व्यय का 53 प्रतिशत खाने पर खर्च करते थे जो 2023-24 में 47 प्रतिशत रह गया है। उपभोग व्यय के आंकड़ों की तुलना करने पर पता चलता है कि गांव व शहर दोनों जगहों पर अनाज, चीनी व नमक की खरीदारी पर होने वाले खर्च में कमी आई है।

दूध व दुग्ध उत्पाद, सूखे मेवे पर लोग अधिक खर्च तो कर रहे हैं। गांव व शहर दोनों जगहों पर दाल पर खर्च में कमी आई है, लेकिन बेवरेज व प्रोसेस्ड फूड पर खासा खर्च हो रहा है। शहरी लोग अपने कुल उपभोग व्यय का 60.32 प्रतिशत गैर खाद्य पदार्थों पर करते हैं। ग्रामीण गैर खाद्य पदार्थों पर 52 प्रतिशत खर्च करते हैं। गैर खाद्य पदार्थों में शहरी लोगों का सबसे अधिक खर्च यातायात पर होता है और यह खर्च लगातार बढ़ रहा है। शहरी लोग 13 प्रतिशत व्यय मकान किराए व मनोरंजन पर करते हैं।'

उपभोग व्यय में बिहार सबसे पीछे

उपभोग व्यय में बिहार सबसे पीछे है। तेलंगाना, तमिलनाडु जैसे राज्यों में ग्रामीण उपभोग व्यय भी बिहार, झारखंड व उत्तर प्रदेश के शहरी उपभोग व्यय से अधिक है। बिहार में प्रति व्यक्ति मासिक शहरी उपभोग व्यय 5080 है जबकि तेलंगाना व तमिलनाडु का ग्रामीण मासिक व्यय क्रमशः 5435 व 5701 रुपए हैं। उत्तर प्रदेश का शहरी मासिक व्यय 5395 तो झारखंड का 5393 है। दिल्ली में शहरी इलाके में उपभोग व्यय 8534 व ग्रामीण इलाके में 7400 रुपए हैं।

केंद्रीय बजट 1 फ़रवरी 2025 - टैक्स सुधार कौशलता विकास, कृषि उत्पादकता रोजगार सृजन व युवा गुणवत्ता सुधार सेक्टरों पर फोक़स की संभावना

एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं
गोंदिया महाराष्ट्र

वैश्विक स्तरपर दुनियाँ के सबसे बड़े लोकतंत्र में पूर्व पीएम का शनिवार दिनांक 28 दिसंबर 2024 को अंतिम संस्कार हुआ व देश 7 दिनों के राष्ट्रीय शोक में है इस बीच वैश्विक स्तरपर दुनियाँ के विकसित देशों की गंभीरता से पैनी नज़र भारत के विज़न 2047 पर लगी हुई है, क्योंकि यह विज़न भारत की विकसित भारत की गाथा में मील का पत्थर साबित होगा, जिसकी नीव प्रतिवर्ष बनने वाले बजट ही हैं, क्योंकि बजट में ही तय होता है कि देश की आर्थिक गाड़ी की पटरी कैसी होगी पैसेंजर, मेल, एक्सप्रेस, सुपरफास्ट या फिर वंदे भारत। बजट को लेकर 24 दिसंबर 2024 को माननीय पीएम की अर्थशास्त्रियों के साथ एक विशेष बैठक कर उनके विचार भी जान लिए हैं, इसलिए भारत सहित पूरी दुनियाँ की 1 फ़रवरी 2025 को घोषित होने वाले बजट 2025-26 पर लगी हुई है, जिसमें करीब करीब 11छेत्रो में चर्चा व सुझाव के लिए माननीय वित्तमंत्री लगातार बैठके कर रही है जो अंतिम चरण में है, उसके बाद आम जनता से सुझाव के लिए भी नोटिफिकेशन जारी किया जाएगा, फिर बज़ट को लिखने की प्रक्रिया शुरू होगी। जनवरी 2025 के अंतिम सप्ताह में तो बजट बनाने वाले मुख्यस्टाफ का नाता दुनियाँ से कट जाता है यहां तक कि मोबाइल भी उन्हें अल्लोव नहीं रहती, इतनी सिक्योरिटी के साथ बजट कार्य हर साल होता है, इस वर्ष भी इसकी प्रक्रिया शुरू हो चुकी है, स्वाभाविक रूप से कार्य संभावनाओं का बाजार भी गर्म हो चुका है इसपरगंभीरता से मैंनें विश्लेषण किया हूं और कुछ संभावना का पैनल बनाया हूं (1) आयकर अधिनियम की धारा 80 सी जिसकी अभीछूट 1.50 लाख है उसे अब 2.0 लाख करने की संभावना (2) हेल्थ बीमा 80 डी में अभी हेल्थ इंश्योरेंस 25 हज़ार की छूट होती है व सीनियर सिटीजन को 50 हज़ार की छूट होती है जिसे बढ़ाकर अभी दुगना किया जा सकता है। (3) होम लोन पर अभी 2024 में ब्याज की टैक्स छूट है 2 लाखहै जिसे 3 लाख किए जाने की संभावना है। (4) सीनियर सिटीजन की आयकर टैक्स छूट सीमा धारा 80 टीटीबी धारा 80 डीडीबी 80 डी सहित पेंशन कटौती व आयकर स्लैब में वृद्धि मिलसकती है, चूँकि वैश्विक अनिश्चित के बीच विज़न 2047 के लिए विकास की गति को बनाए रखना बजट 2025-26 में एक चुनौती पुणे कार्य है, इसलिए आज हम मीडिया में उपलब्ध जानकारी के सहयोग से आर्टिकल के माध्यम से चर्चा करेंगे, केंद्रीय बजट 1 फरवरी 2025 में टैक्स सुधार कौशलताविकास कृषि उत्पादकता, रोजगार सृजन व युवा गुणवत्ता सुधार सेक्टरों पर फोक़स संभावना।

साथियों बात अगर हम बजट 2025 में टैक्स सुधारो की करें तो, मीडिल क्लास टैक्सपेयर्स को सरकार से बड़ी राहत मिलने की उम्मीद है, ऐसी खबरें हैं कि सरकार इस बजट में 10.5 लाख रुपये तक के सालाना वेतन पर टैक्स की देनदारी कम कर सकती है।1 फरवरी 2025को पेश होने वाले आगामी बजट में इसकी घोषणा की जा सकती है इस प्रस्ताव का उद्देश्य धीमी होती अर्थव्यवस्था और बढ़ती महंगाई के बीच खपत को बढ़ावा देना है वर्तमान में 3 लाख रुपये से 10.5 लाख रुपये तक की आय पर 5 फीसदी से 20 फीसदी टैक्स लगता है, जबकि 10.5 लाख रुपये से अधिक की आय पर 30 फीसदी की दर से टैक्स लगता है।2 व्यवस्थाओं में से चुनने का विकल्प पुरानी व्यवस्था- जिसमें घर का किराया और बीमा जैसी छूट शामिल हैं.नई व्यवस्था (2020)- जिसमें कम कर दरें हैं लेकिन अधिकांश छूट हटा दी गई हैं, प्रस्तावित कटौती के माध्यम से सरकार अधिक लोगों को 2020 की स्ट्रक्चर अपनाने के लिए प्रोत्साहित करना चाहती है। रिपोर्ट के अनुसार, सरकार ने अभी तक किसी भी कटौती के साइज पर निर्णय नहीं लिया है, यह निर्णय 1 फरवरी के करीब लिया जाएगा। भारत को अधिकांश इनकम टैक्स कम से कम 10 लाख रुपये कमाने वाले लोगों से प्राप्त होता है, जिस पर ओल्ड टैक्स रिजीम के तहत 20 प्रतिशत टैक्स लगता है, रिपोर्ट में कहा गया है कि सरकार मिडिल क्लास के राजनीतिक दबाव में है, जो हाई टैक्स के बोझ तले दबा हुआ है। यह असंतोष वेतन वृद्धि के कारण और भी बढ़ गया है, जो महंगाई के साथ तालमेल नहीं रख पा रही है, जिससे घरेलू बजट पर और भी दबाव पड़ रहा है, रिपोर्ट्स के अनुसार, सरकार 15 लाख रुपये तक की वार्षिक आय वाले व्यक्तियों के लिए आयकर दरों को कम करने पर विचार कर रही है. यह कदम मध्यम वर्ग को सीधे लाभ पहुंचा सकता है, जो बढ़ती जीवनयापन की लागत से जूझ रहा है. कर कटौती से करदाताओं के हाथों में अधिक पैसा आएगा, जो खपत और बचत को बढ़ावा देगा सरकार केंद्रीय बजट में मिडल क्लास को बड़ी राहत दे सकती है। समाचार एजेंसी रॉयटर्स के मुताबिक, यह राहत इनकम टैक्स में बदलाव के रूप में हो सकती है। बजट 1 फरवरी को पेश होगा। इसके लिए जरूरी तैयारियां शुरू हो गई हैं। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण भी अलग-अलग क्षेत्र के प्रतिनिधियों और एक्सपर्ट से मुलाकात कर चुकी हैं।बजट 2025 की तैयारियों के बीच, वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण पर मिडिल क्लास के लिए आयकर दरों को कम करने का दबाव बढ़ रहा है. बढ़ती मुद्रास्फीति और कमजोर खपत के कारण मध्यम वर्ग पर आर्थिक दबाव काफी बढ़ गया है. ऐसे में, कर राहत मध्यम वर्ग के लिए एक बड़ी राहत बन सकती है और अर्थव्यवस्था को पुनर्जीवित करने में सहायक हो सकती है।

साथियों बातअगर हम बजट 2025 में आर्थिक राजनीतिक संदर्भ की करें तो, रिपोर्ट के अनुसार, जुलाई- सितंबर 2024 में भारत की जीडीपी वृद्धि सात तिमाहियों में सबसे कमजोर रही, साथ ही खाद्य महंगाई ने शहरी परिवारों की आय पर दबाव बढ़ा दिया है, जिससे वाहनों, घरेलू सामान और व्यक्तिगत देखभाल उत्पादों की मांग प्रभावित हुई है. विशेषज्ञों का मानना है कि अगर यह प्रस्ताव लागू होता है, तो उपभोक्ताओं के पास ज्यादा खर्च करने लायक आय होगी, जिससे भारत की आर्थिक गतिविधियों में तेजी आ सकती है.सरकार का रुखसूत्रों के अनुसार टैक्स कटौती के आकार और अन्य विवरणों को अंतिम रूप देने का फैसला बजट की तारीख के करीब लिया जाएगा. हालांकि वित्त मंत्रालय ने अभी तक इस प्रस्ताव या राजस्व पर इसके प्रभाव के बारे में कोई आधिकारिक बयान नहीं दिया है. माना जा रहा है कि सरकार को होने वाले राजस्व के नुकसान की भरपाई नए शासन में ज्यादा लोगों के शामिल होने से हो जाएगी उम्मीदें अगर यह प्रस्ताव लागू होता है, तो लाखों टैक्सपेयर को राहत मिलेगी, इस कदम से न सिर्फ आर्थिक गतिविधियों को बढ़ावा मिलेगा, बल्कि सरकार का टैक्स स्ट्रक्चर अपनाने का उद्देश्य भी पूरा होगा।भारत में मुद्रास्फीति ने लोगों की क्रय शक्ति को प्रभावित किया है, दैनिक उपयोग की वस्तुओं और सेवाओं की बढ़ती कीमतों ने मध्यम वर्ग के घरेलू बजट पर दबाव डाला है, परिणामस्वरूप, कारों, उपकरणों और व्यक्तिगत उपयोग की वस्तुओं जैसे उत्पादों की खपत में गिरावट आई है. भारतीय रिजर्व बैंक ने भी चेतावनी दी है कि मुद्रास्फीति पर काबू पाना आर्थिक स्थिरता और विकास के लिए आवश्यक है।

साथियों बात अगर हम हितधारकों द्वारा बजट 2025 से उम्मीद की करें तो बजट-पूर्व परामर्श में विभिन्न हितधारकों ने आयकर सुधार, रोजगार सृजन, और निर्यात बढ़ाने पर जोर दिया है। उद्योग निकायों ने पूंजीगत लाभ कर प्रणाली को सरल बनाने, विवाद समाधान तंत्र लागू करने, और जीएसटी में सुधार की सिफारिश की है. प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ बातचीत में अर्थशास्त्रियों ने शिक्षा और कौशल विकास पर भी ध्यान केंद्रित करने की आवश्यकता पर बल दिया है, सरकार की चुनौतीहालांकि कर कटौती से खपत को प्रोत्साहन मिलेगा, यह सरकारी राजस्व को प्रभावित कर सकता है, ऐसे में, वित्त मंत्री को राजकोषीय विवेक और आर्थिक पुनरुद्धार के बीच संतुलन बनाना होगा. मध्यम वर्ग को राहत देने के उद्देश्य से आयकर दरों में संभावित कटौती भारत की अर्थव्यवस्था को गति देने में एक महत्वपूर्ण कदम हो सकता हैबजट 2025 से सभी को उम्मीद है कि यह आर्थिक चुनौतियों को संबोधित करेगा और 'आम आदमी' की आकांक्षाओं को पूरा करेगा।

अतः अगर हम उपरोक्त पूरे विवरण का अध्ययन कर इसका विश्लेषण करें तो हम पाएंगे कि केंद्रीय बजट 1 फरवरी 2025 - टैक्स सुधार, कौशलता विकास, कृषि उत्पादकता रोज़गार सृजन व युवा गुणवत्ता सुधार सेक्टरों पर फोक़स संभावना।वैश्विक अनिश्चितता के बीच विज़न 2047 के लिए विकास की गति को बनाए रखना बजट 2025-26 में चुनौतीपूर्ण है।बजट 2025 में कौशलता, एंप्लॉयमेंट, इंफ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट टैक्स सुधार के माध्यम से लोगों के हाथ में पैसा आए जैसे सुधारो पर फोकस की संभावना है।

स्वास्थ्य समस्याओं को बढ़ावा देते पैकेज्ड खाद्य पदार्थ

बहुराष्ट्रीय निगम अक्सर अमीर देशों की तुलना में कम आय वाले देशों में कम स्वस्थ भोजन बेचते हैं। खाद्य उत्पादों के लिए स्वास्थ्य स्टार रेटिंग अमीर देशों के लिए औसतन 2.3 जबकि गरीब देशों के लिए 1.8 थी, जो शोषण की सीमा पर एक असमानता को दर्शाती है। नारियल तेल, जिसे कभी हृदय रोग से जोड़ा जाता था, अब इसके न्यूरोप्रोटेक्टिव गुणों के लिए प्रचारित किया जाता है। बीज के तेल, जिन्हें पहले काफ़ी बढ़ावा दिया जाता था, अब हानिकारक माने जाते हैं। पीढ़ी दर पीढ़ी इस्तेमाल और आंत माइक्रोबायोम अध्ययनों द्वारा मान्य पारंपरिक आहार, तेज़ी से महत्त्व प्राप्त कर रहे हैं। परिष्कृत अनाज और पॉलिश किए गए खाद्य पदार्थों ने मधुमेह और मोटापे सहित स्वास्थ्य समस्याओं को बढ़ा दिया है। ग्रीनवाशिंग और निगमों द्वारा निराधार पर्यावरणीय दावे उपभोक्ताओं को और गुमराह करते हैं।

–डॉ सत्यवान सौरभ

हाल ही की रिपोर्ट में आरोप लगाया गया है कि लिंड्ट डार्क चॉकलेट में स्वीकार्य स्तर से ज़्यादा लेड और कैडमियम होता है। कंपनी इसका कारण कोको में भारी धातुओं की अनिवार्यता को मानती है। अमेरिका में, एक वर्ग-कार्रवाई मुकदमा दायर किया गया है; हालाँकि, कंपनी बिना किसी बाधा के अपना संचालन जारी रखती है। 2015 में, नेस्ले के मैगी नूडल्स पर अस्थायी प्रतिबंध लगा दिया गया था, क्योंकि परीक्षणों में अत्यधिक लेड और मोनोसोडियम ग्लूटामेट सामग्री पाई गई थी। इसने भ्रामक विपणन रणनीतियों को उजागर किया, जहाँ अत्यधिक प्रसंस्कृत उत्पाद को ₹स्वाद भी, स्वास्थ्य भी₹ टैगलाइन के साथ एक स्वस्थ विकल्प के रूप में विज्ञापित किया गया था। टू न्यूट्रिशन इनिशिएटिव अध्ययन से पता चलता है कि बहुराष्ट्रीय निगम अक्सर अमीर देशों की तुलना में कम आय वाले देशों में कम स्वस्थ भोजन बेचते हैं। खाद्य उत्पादों के लिए स्वास्थ्य स्टार रेटिंग अमीर देशों के लिए औसतन 2.3 जबकि गरीब देशों के लिए 1.8 थी, जो शोषण की सीमा पर एक असमानता को दर्शाती है। यह असमानता व्यवस्थित शोषण को दर्शाती है और वैश्विक निगमों की समान खाद्य गुणवत्ता मानकों को सुनिश्चित करने की नैतिक जिम्मेदारी को रेखांकित करती है। भारतीय खाद्य सुरक्षा और मानक प्राधिकरण पैकेज्ड खाद्य पदार्थों पर सामग्री, पोषण मूल्य और समाप्ति तिथियों के लिए लेबलिंग अनिवार्य करता है। नियामक आवश्यकताओं के बावजूद, कई कंपनियाँ ₹पर्यावरण के अनुकूल₹ , ₹जैविक₹ या ₹आहार के अनुकूल₹ होने जैसे अपुष्ट दावे करती हैं। कई उपभोक्ता लेबल की पूरी तरह से जाँच करने में विफल रहते हैं, इसके बजाय विज्ञापन से प्रभावित फ्रंट-पैक स्वास्थ्य दावों पर भरोसा करते हैं। भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद के राष्ट्रीय पोषण संस्थान ने पहचाना कि भ्रामक लेबल गैर-संचारी रोगों और मोटापे को बढ़ाने में योगदान करते हैं।

सोडा, कैंडी, पहले से पैक मांस, चीनी युक्त अनाज और आलू के चिप्स जैसे अति-प्रसंस्कृत खाद्य पदार्थों के अधिक सेवन से कैंसर, हृदय, जठरांत्र और श्वसन संबंधी विकार, अवसाद, चिंता और समय से पहले मृत्यु सहित 32 स्वास्थ्य समस्याओं का खतरा बढ़ जाता है, ऐसा जर्नल ऑफ कैंसर में प्रकाशित एक नए अध्ययन में बताया गया है। अध्ययन में पाया गया कि उच्च आय वाले देशों में अल्ट्रा-प्रोसेस्ड खाद्य पदार्थों की खपत दैनिक कैलोरी सेवन का 58% तक है। हाल के वर्षों में मध्यम और निम्न आय वाले देशों ने भी इनके उपभोग में उल्लेखनीय वृद्धि की है। लोगों ने इन खाद्य पदार्थों का अधिक सेवन किया उनमें अवसाद, टाइप 2 मधुमेह और घातक हृदयाघात का खतरा अधिक था। कई उपभोक्ता खाद्य लेबल को व्यापक रूप से पढ़ने में विफल रहते हैं। उदाहरण के लिए, ₹स्वस्थ₹ के रूप में विपणन किए जाने वाले बेरीज में अतिरिक्त चीनी हो सकती है, जिसका उल्लेख सामग्री में सावधानी से किया जाता है, लेकिन पोषण सम्बंधी तथ्यों को छोड़ दिया जाता है। विज्ञापनों और स्वास्थ्य दावों के माध्यम से छिपे हुए संदेश अक्सर कठोर जांच को दरकिनार कर देते हैं, जिससे उपभोक्ता गुमराह होते हैं। खाद्य प्रसंस्करण उद्योग ने खाद्य उपलब्धता और शेल्फ लाइफ में सुधार किया है, लेकिन अक्सर पारदर्शिता का अभाव होता है। उत्पादन में योजक, परिरक्षक और रासायनिक प्रक्रियाएँ चयापचय सम्बंधी विकारों और बीमारियों से जुड़ी हैं। भोजन को दवा के बराबर मानने वाली पारंपरिक समझ आधुनिक प्रथाओं द्वारा कमज़ोर हो गई है। जबकि जैविक खाद्य पदार्थ लोकप्रिय हो रहे हैं, वे उच्च लागत और सीमित पहुँच के कारण एक आला बाज़ार बने हुए हैं। विस्तृत उत्पादन और सोर्सिंग जानकारी प्रदान करने के लिए क्यूआर कोड द्वारा सुगम स्रोतों के साथ स्थानीय, मौसमी उपज पर ज़ोर दिया जाना चाहिए। लाभ के लिए सुरक्षा मानकों को कमजोर करने पर विचार करते हुए, भारतीय खाद्य सुरक्षा और मानक प्राधिकरण द्वारा पैकेज्ड पानी को उच्च जोखिम वाले खाद्य पदार्थ के रूप में वर्गीकृत करना एक स्वागत योग्य क़दम है। सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए नियमित ऑडिट और उपभोक्ता सतर्कता आवश्यक है।

नारियल तेल, जिसे कभी हृदय रोग से जोड़ा जाता था, अब इसके न्यूरोप्रोटेक्टिव गुणों के लिए प्रचारित किया जाता है। बीज तेल, जिन्हें पहले बहुत बढ़ावा दिया जाता था, अब हानिकारक माने जाते हैं। पीढ़ी दर पीढ़ी उपयोग और आंत माइक्रोबायोम अध्ययनों द्वारा मान्य पारंपरिक आहार, तेजी से महत्त्व प्राप्त कर रहे हैं। परिष्कृत अनाज और पॉलिश किए गए खाद्य पदार्थों ने मधुमेह और मोटापे सहित स्वास्थ्य समस्याओं को बढ़ा दिया है। निगमों द्वारा ग्रीनवाशिंग और निराधार पर्यावरणीय दावे उपभोक्ताओं को और अधिक गुमराह करते हैं। खाद्य कंपनियों द्वारा भ्रामक दावों के लिए उपभोक्ता जागरूकता और सतर्कता की आवश्यकता है। पोषण सम्बंधी साक्षरता को लेबल पढ़ने से आगे बढ़कर खाद्य उत्पादन और विपणन के व्यापक निहितार्थों को समझना चाहिए। चेतावनी एम्प्टर (खरीदार सावधान) को सूचित विकल्प बनाने में उपभोक्ताओं का मार्गदर्शन करना चाहिए। भारतीय खाद्य सुरक्षा और मानक प्राधिकरण जैसी नियामक संस्थाओं को प्रवर्तन को मजबूत करना चाहिए और लेबलिंग मानकों को बढ़ाना चाहिए। कंपनियों को बाजारों में समान खाद्य गुणवत्ता सुनिश्चित करते हुए नैतिक प्रथाओं को अपनाना चाहिए। उपभोक्ताओं को सावधानी और सतर्कता के माध्यम से सूचित विकल्पों को प्राथमिकता देनी चाहिए। उपभोक्ताओं को पारंपरिक ज्ञान के साथ आधुनिक सुविधा को संतुलित करते हुए भोजन की खपत के लिए एक सचेत दृष्टिकोण अपनाना चाहिए। पारदर्शिता बढ़ाना, लेबलिंग की सटीकता में सुधार करना, तथा पोषण साक्षरता को बढ़ावा देना, खाद्य सुरक्षा और बेहतर स्वास्थ्य परिणाम सुनिश्चित करने की दिशा में महत्त्वपूर्ण क़दम हैं।

– डॉ० सत्यवान सौरभ

पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह के निधन पर शोक

समाजवादी पार्टी ओड़िशा, मनोरंजन सासमल , स्टेट हेड ओड़िशा

भुवनेश्वर :समाजवादी पार्टी के ओडिशा प्रदेश अध्यक्ष श्री शिव हाती ने पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह के निधन पर गहरा दुख व्यक्त किया है।एक संदेश में उन्होंने कहा कि दिवंगत मनमोहन सिंह देश के महान पुरुष थे. अर्थशास्त्र के क्षेत्र में उनके ज्ञान और कौशल के लिए उन्हें पूरी दुनिया में सम्मान मिला। उन्होंने आरबीआई गवर्नर, वित्त मंत्री और प्रधानमंत्री के रूप में देश की अर्थव्यवस्था को नई दिशा दी। उनकी उदार आर्थिक नीतियों के कारण भारत ने दुनिया की एक प्रमुख अर्थव्यवस्था के रूप में अपनी यात्रा शुरू की। प्रधानमंत्री के रूप में उन्होंने विभिन्न क्षेत्रों में देश के विकास को गति दी। उनकी बुद्धिमत्ता, विनम्रता, ईमानदारी और मासूम स्वभाव ने राजनीति के क्षेत्र में उनकी एक अलग पहचान बनाई थी।श्री शिव हती ने शोक संतप्त परिवारों के प्रति अपनी संवेदना व्यक्त की और दिवंगत आत्मा की शांति की कामना की।

भीषण सड़क हादसा, कार और वैन की जोरदार टक्कर में तीन लोगों की मौत, 18 घायल

तमिलनाडु के थेनी जिले में भीषण हादसा हुआ। कार–वैन की टक्कर में केरल के तीन लोगों की मौत हो गई और 18 घायल हुए हैं। राहगीरों ने दुर्घटनास्थल पर घायलों को सड़क पर पड़ा देखा और पुलिस ने उन्हें वट्टालागुंडु पेरियाकुलम और थेनी के सरकारी अस्पतालों में पहुंचाया। टक्कर के कारण कार पूरी तरह से चकनाचूर हो गई थी। पुलिस आगे मामले की जांच कर रही है।

थेनी। तमिलनाडु के थेनी जिले में कार-वैन की टक्कर में केरल के तीन लोगों की मौत हो गई। पुलिस ने इस मामले की जानकारी दी है। पुलिस ने कहा, कोट्टायम के तीन लोगों की कथित तौर पर मौत हो गई और इस जिले के पेरियाकुलम के पास एक पर्यटक वैन के साथ एक कार की आमने-सामने की टक्कर में 18 लोग घायल हो गए। वहीं तीनों मृतक पेरियाकुलम की ओर कार में यात्रा कर रहे चार लोगों में से एक थे। विपरीत दिशा से आ रही टूरिस्ट वैन से उनकी जोरदार टक्कर हो गई।

2025 में नहीं होगा पूरा सूर्यग्रहण, पढ़ें सूरज की गतिविधियों का अगले साल पृथ्वी पर क्या होगा असर

सूर्य की गतिविधियों के लिहाज से साल 2024 काफी अहम रहा। इस साल पूर्ण सूर्यग्रहण के साथ अरोरा लाइट्स भी देखने को मिलीं। हालांकि 2025 में कोई पूर्ण सूर्यग्रहण नहीं होगा। सूर्य का यह 11 वर्षीय चक्र अपने चरम पर हैं ऐसे में सूर्य की गतिविधियां इस साल भी बढ़ी रहेंगी जिसका पृथ्वी पर भी व्यापक असर देखने को मिलेगा।

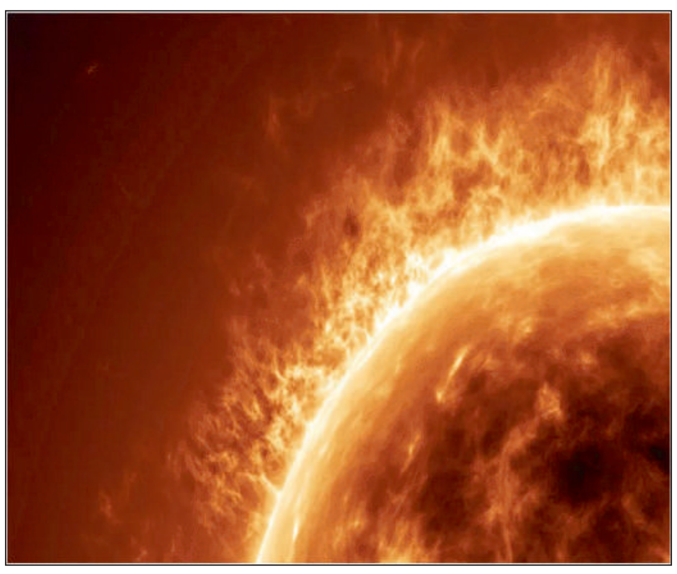

साल 2024 में सूर्य की गतिविधियां काफी अधिक रहीं, जहां पूर्ण सूर्यग्रहण भी देखने को मिला और अरोरा लाइट्स का भी अनुभव हुआ। हालांकि 2025 में कोई पूर्ण सूर्यग्रहण नहीं होगा। स्पेस डॉट कॉम की रिपोर्ट के मुताबिक मार्च और सितंबर में आंशिक ग्रहण देखने को मिलेंगे, जो कि उत्तरी अमेरिका, यूरोप और न्यूजीलैंड के कुछ हिस्सों से दिखाई देंगे।

हालांकि अरोरा लाइट्स बनने के अवसर कम ही होंगे। इसके बावजूद साल 2025 में सौर्य गतिविधियां चरम पर जारी रहेंगी। इसका असर पृथ्वी पर भी देखने को मिलेगा। सौर्य चक्र 25 इस साल एक महत्वपूर्ण चरण पर पहुंचेगा। जैसे-जैसे यह चक्र आगे बढ़ता है, सूर्य की किरणों, कोरोनल मास इजेक्शन (सीएमई) और भू-चुंबकीय तूफानों सहित सौर घटनाओं में वृद्धि होती है।

चक्र की अधिकतम अवधि में है सूर्य

रिपोर्ट के मुताबिक सूर्य की बढ़ी हुई गतिविधि ने पहले ही नाटकीय घटनाएं ला दी हैं, जिनका आने वाले वर्ष पर महत्वपूर्ण प्रभाव पड़ेगा। राष्ट्रीय महासागरीय और वायुमंडलीय प्रशासन (NOAA) के डेटा के अनुसार, सूर्य वर्तमान में अपने 11-वर्षीय चक्र की अधिकतम अवधि में है। उच्च सनस्पॉट गणना की विशेषता वाले इस चरण में आमतौर पर सूर्य की किरणें और पृथ्वी-निर्देशित CME में वृद्धि देखी जाती है।

हालांकि सौर चक्र 25 का सटीक शिखर अभी तक निर्धारित नहीं किया गया है, लेकिन हाल के रिकॉर्ड बताते हैं कि यह चक्र पहले ही सौर चक्र 24 की चरम गतिविधि को पार कर चुका है, जो 2014 में हुआ था। वैज्ञानिकों ने इस बात पर प्रकाश डाला है कि शिखर कब हुआ है, इसकी पुष्टि करने के लिए सनस्पॉट संख्याओं के रोलिंग औसत की बारीकी से निगरानी की जाती है, जिसमें सुचारू डेटा अक्सर कई महीनों से पीछे रहता है।

2025 में अनुमानित घटनाएं और प्रभाव

रिपोर्ट बताती हैं कि भले ही सौर चक्र 25 का शिखर पहले ही पहुंच चुका हो, लेकिन सौर अधिकतम गतिविधि की अवधि बनी रहने की उम्मीद है। 2024 में देखे गए बड़े पैमाने पर भू-चुंबकीय तूफान, उपग्रह-आधारित सेवाओं और बिजली ग्रिड को बाधित कर सकते हैं। मई 2024 में, एक चरम भू-चुंबकीय तूफान ने नेविगेशन सिस्टम को बाधित कर दिया, जिससे कथित तौर पर कृषि में काफी नुकसान हुआ। आने वाले वर्ष में इसी तरह की घटनाएं टेक्नोलॉजी पर निर्भर उद्योगों के लिए जोखिम पैदा कर सकती हैं।

केएन रेणुका ने रचा इतिहास, कर्नाटक के विश्वविद्यालय में लेक्चरर बनने वाली बनी पहली ट्रांसजेंडर

कर्नाटक की केएन रेणुका पुजार ने इतिहास रच दिया है। कर्नाटक के किसी विश्वविद्यालय में गेस्ट लेक्चरर बनने वाली वह पहली ट्रांसजेंडर बन गई हैं। हाल ही में उन्हें कृष्णदेवराय विश्वविद्यालय के नंदीहल्ली परिसर (पीजी सेंटर) में उन्हें कन्नड़ विभाग में गेस्ट लेक्चरर के रूप में नियुक्त किया गया है। उन्होंने अपनी सफलता का श्रेय अपने माता पिता को दिया है।

बल्लारी। केएन रेणुका पुजार कर्नाटक के किसी विश्वविद्यालय में गेस्ट लेक्चरर के रूप में नियुक्त होने वाली पहली ट्रांसजेंडर व्यक्ति बन गई हैं। इस महीने की शुरुआत में विजयनगर श्री कृष्णदेवराय विश्वविद्यालय के नंदीहल्ली परिसर (पीजी सेंटर) में उन्हें कन्नड़ विभाग में गेस्ट लेक्चरर के रूप में नियुक्त किया गया। रेणुका ने कन्नड़ में स्नातकोत्तर की पढ़ाई पूरी की है।

उन्होंने अपनी यात्रा के बारे में बताते हुए समाचार एजेंसी पीटीआई से कहा, 'मैं बहुत खुश हूं। बहुत संघर्ष के बाद मैं इस मुकाम पर पहुंची हूं। विश्वविद्यालय ने मेरी बहुत मदद की है। मैंने 2018 में अपनी डिग्री पूरी की और 2017 में ट्रांसजेंडर बन गई, जब मैं अपने दूसरे वर्ष में थी। मैंने 2022 में अपना एमए पूरा किया और अब मैं अतिथि व्याख्याता के रूप में काम कर रही हूं।'

माता-पिता को दिया श्रेय केएन रेणुका बल्लारी जिले के कुरुगोडु की रहने वाली हैं। उन्होंने अपनी सफलता का श्रेय अपने माता-पिता को दिया है और कहा है कि इस मुकाम तक पहुंचने में उन्होंने उनकी बहुत मदद की। उन्होंने कहा, 'मेरा परिवार कृषि पृष्ठभूमि से आता है और मेरे माता-पिता ने मुझे जीवन में सफल होने के लिए शिक्षित किया।'

उन्होंने समर्थन के लिए विश्वविद्यालय के फैकल्टी के भी प्रशंसा की। उन्होंने एजेंसी से कहा, 'विश्वविद्यालय के फैकल्टी ने मुझे तब भी समर्थन दिया, जब मैं भर्ती हुई और एमए की पढ़ाई कर रही थी।'

प्रोफेसर बनना चाहती हैं रेणुका

अपनी महत्वाकांक्षा के बारे में बताते हुए वह कहती हैं, 'मुझे पढ़ाना पसंद है और मैं पीएचडी करना चाहती हूं और प्रोफेसर बनना चाहती हूं। मैं चाहती हूं कि ट्रांसजेंडर शिक्षा प्राप्त करें।' विश्वविद्यालय के अधिकारियों के अनुसार, पद के लिए 30 आवेदकों में से, पुजार को उनकी प्रभावशाली योग्यता, अच्छे अंकों और उनके व्याख्यान के दौरान मजबूत प्रदर्शन के कारण चुना गया था। उनकी नियुक्ति को एक मील का पत्थर माना जा रहा है, क्योंकि यह कर्नाटक राज्य के लिए पहली बार होने वाली नियुक्ति है।

किया पद अचीव...

पेट्रोल पंप का मालिक निकला पंचायत सचिव,
उसने ज़न्दिगी में पहली बार किया पद अचीव।
छापे में उन्हें टाइल्स की एक दुकान भी मिली,
तीन ठिकानों में ही लोकायुक्त की बांन्छे खिली!
ऐसी खबर को पाकर मालिक की हालत गिरी।

पेट्रोल पंप का मालिक निकला पंचायत सचिव,
उसने ज़न्दिगी में पहली बार किया पद अचीव।
देखों सरकार ने भी 12 लोगों की टीम निकाली,
मुरलीधरजी के घर की जैसे चली गईं खुशहाली!
अब तो सोच में पड़ गए पद की कब हो बहाली।

पेट्रोल पंप का मालिक निकला पंचायत सचिव,
उसने ज़न्दिगी में पहली बार किया पद अचीव।
उन्हें पता चला यहाँ मंदिर ट्रस्ट के सचिव भी हैं,
तभी लंबे समय तक, एक जगह पदस्थ रहे हैं।
किसी को आश्चर्य नहीं होना चाहिए व्यस्त रहें हैं।

2025 में नहीं होगा पूरा सूर्यग्रहण, पढ़ें सूरज की गतिविधियों का अगले साल पृथ्वी पर क्या होगा असर

सूर्य की गतिविधियों के लिहाज से साल 2024 काफी अहम रहा। इस साल पूर्ण सूर्यग्रहण के साथ अरोरा लाइट्स भी देखने को मिलीं। हालांकि 2025 में कोई पूर्ण सूर्यग्रहण नहीं होगा। सूर्य का यह 11 वर्षीय चक्र अपने चरम पर हैं ऐसे में सूर्य की गतिविधियां इस साल भी बढ़ी रहेंगी जिसका पृथ्वी पर भी व्यापक असर देखने को मिलेगा।

नई दिल्ली। साल 2024 में सूर्य की गतिविधियां काफी अधिक रहीं, जहां पूर्ण सूर्यग्रहण भी देखने को मिला और अरोरा लाइट्स का भी अनुभव हुआ। हालांकि 2025 में कोई पूर्ण सूर्यग्रहण नहीं होगा। स्पेस डॉट कॉम की रिपोर्ट के मुताबिक मार्च और सितंबर में आंशिक ग्रहण देखने को मिलेंगे, जो कि उत्तरी अमेरिका, यूरोप और न्यूजीलैंड के कुछ हिस्सों से दिखाई देंगे। हालांकि अरोरा लाइट्स बनने के अवसर कम ही होंगे। इसके बावजूद साल 2025 में सौर्य गतिविधियां चरम पर जारी रहेंगी। इसका असर पृथ्वी पर भी देखने को मिलेगा। सौर्य चक्र 25 इस साल एक महत्वपूर्ण चरण पर पहुंचेगा। जैसे-जैसे यह चक्र आगे बढ़ता है, सूर्य की किरणों, कोरोनल मास इजेक्शन (सीएमई) और भू-चुंबकीय तूफानों सहित सौर घटनाओं में वृद्धि होती है।

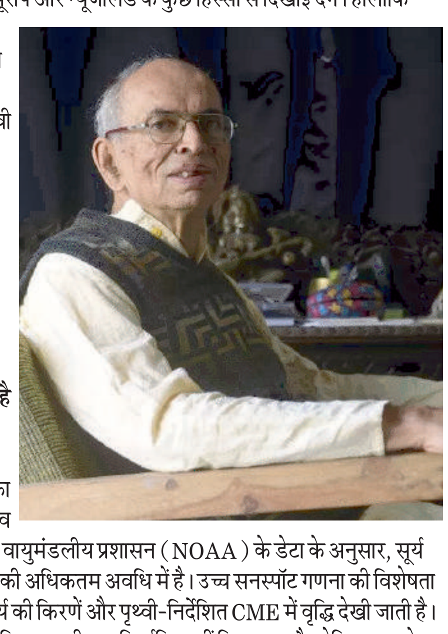

चक्र की अधिकतम अवधि में है सूर्य : रिपोर्ट के मुताबिक सूर्य की बढ़ी हुई गतिविधि ने पहले ही नाटकीय घटनाएं ला दी हैं, जिनका आने वाले वर्ष पर महत्वपूर्ण प्रभाव पड़ेगा। राष्ट्रीय महासागरीय और वायुमंडलीय प्रशासन (NOAA) के डेटा के अनुसार, सूर्य वर्तमान में अपने 11-वर्षीय चक्र की अधिकतम अवधि में है। उच्च सनस्पॉट गणना की विशेषता वाले इस चरण में आमतौर पर सूर्य की किरणें और पृथ्वी-निर्देशित CME में वृद्धि देखी जाती है। हालांकि सौर चक्र 25 का सटीक शिखर अभी तक निर्धारित नहीं किया गया है, लेकिन हाल के रिकॉर्ड बताते हैं कि यह चक्र पहले ही सौर चक्र 24 की चरम गतिविधि को पार कर चुका है, जो 2014 में हुआ था। वैज्ञानिकों ने इस बात पर प्रकाश डाला है कि शिखर कब हुआ है, इसकी पुष्टि करने के लिए सनस्पॉट संख्याओं के रोलिंग औसत की बारीकी से निगरानी की जाती है, जिसमें सुचारू डेटा अक्सर कई महीनों से पीछे रहता है।

2025 में अनुमानित घटनाएं और प्रभाव : रिपोर्ट बताती हैं कि भले ही सौर चक्र 25 का शिखर पहले ही पहुंच चुका हो, लेकिन सौर अधिकतम गतिविधि की अवधि बनी रहने की उम्मीद है। 2024 में देखे गए बड़े पैमाने पर भू-चुंबकीय तूफान, उपग्रह-आधारित सेवाओं और बिजली ग्रिड को बाधित कर सकते हैं। मई 2024 में, एक चरम भू-चुंबकीय तूफान ने नेविगेशन सिस्टम को बाधित कर दिया, जिससे कथित तौर पर कृषि में काफी नुकसान हुआ। आने वाले वर्ष में इसी तरह की घटनाएं टेक्नोलॉजी पर निर्भर उद्योगों के लिए जोखिम पैदा कर सकती हैं।

तेलंगाना। हैदराबाद उत्तराखंड के राज्यसभा सांसद और भाजपा के केंद्रीय उप कोषाध्यक्ष तथा राज्यसभा में बिजनेस एडवाइजरी कमेटी के सदस्य नरेश बंसल और उनके सुपुत्र श्री सिद्दार्थ बंसल जी से संपन्न हुई। एक मुलाकात और वार्तालाप में देवभूमि उत्तराखंड सेवा संस्थान और श्री दक्षणेश्वर केदारनाथ मंदिर ट्रस्ट के सदस्यों ने होटल #Marriott_Hotel_ hyderabad में मुलाकात कर श्री दक्षिणेश्वर केदारनाथ मंदिर ट्रस्ट द्वारा मंदिर निर्माण की विस्तृत और अन्य जानकारी कीआदान–प्रदान की। इस अवसर पर देवभूमि उत्तराखंड सेवा संस्थान के अध्यक्ष जयपाल सिंह नयाल, सचिव बलवीर सिंह रावत, संस्थापक सदस्य और केदारनाथ ट्रस्ट की जनसंपर्क अधिकारी सुभाष चंद्र पेटवाल और आरोहीरावत , ट्रस्टी योगेश सिंह, मनोज प्रभाकर पैनोली, महिला सदस्याए पुष्पा बद्री, रमा पेटवाल,माहेश्वरी बिष्ट, कमल पंथ और उपस्थित थे।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं संपादक संजय कुमार बाटला द्वारा इम्प्रेशंस प्रिंटिंग एंड पैकेजिंग लिमिटेड, सी–18,19,20 सेक्टर 59, नोएडा (उत्तर प्रदेश) से मुद्रित एवं 3, प्रियदर्शनी अपार्टमेंट ए–4, पश्चिमी विहार, नई दिल्ली- 110063 से प्रकाशित। सम्पर्क : 9212122095, 9811902095. newstransportvishesh@gmail.com (इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी) किसी भी कानूनी विवाद की स्थिति में निपटारा दिल्ली के न्यायालय के अधीन होंगे। RNI No :- DELHIN/2023/86499. DCP Licensing Number F.2 (P-2) Press/2023